खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 14 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-102

राष्ट्रपति के शीर्ष संवैधानिक आसन की सुप्रीम कोर्ट ने की अवमानना

सुप्रीम कोर्ट ने ताक पर रख दिया देश का संविधान!

संविधान के अनुच्छेद 168 के अनुसार, राज्य का राज्यपाल विधानमंडल का हिस्सा होता है। राज्यपाल जब किसी बिल पर सहमति देता है तब वह कानून बन जाता है। इस तरह कानून बनाने, उसे पारित करने और उस पर सहमति देने का कार्य पूरी तरह से विधायी प्रक्रिया का हिस्सा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया निर्णय विधायी प्रक्रिया में न्यायपालिका का सीधा हस्तक्षेप है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार शीर्ष संवैधानिक आसन राष्ट्रपति को आदेश देने की अवमानना की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना ही होगा। राष्ट्रपति के फैसले के खिलाफ भी सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने की घोषणा कर देश में विधायी अराजकता फैलाने की शुरुआत कर दी है। तमिलनाडु से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर राज्यपाल को एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। और अगर वह राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजा जाएगा तो राष्ट्रपति को भी तीन महीने के अंदर फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला आठ अप्रैल को लिया और उस पर सुनियोजित रूप से विचार करने के बाद 11 अप्रैल 2025 को सार्वजनिक किया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले में संविधान के अनुच्छेद 201 का हवाला दिया गया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने इसमें कहा है, राज्यपालों द्वारा भेजे गए बिल के मामले में राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो या पॉकेट वीटो का अधिकार नहीं है। राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है और न्यायपालिका बिल की संवैधानिकता का फैसला करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर राज्यपाल किसी बिल को राष्ट्रपति के पास भेजता है तो राष्ट्रपति को उस बिल को स्वीकार करना होगा, उस

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों ने खुद को संवैधानिक पीठ समझ लिया

पर राय देकर देकर वापस भेजना होगा या फिर अस्वीकार करना होगा। यह सब कुछ तीन महीने के भीतर करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कह दिया कि राज्यपाल द्वारा भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को बार-बार लौटाने की प्रक्रिया भी रोकनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी हदें लांघते हुए यहां

शुभ-लाभ चिंतन

तक कह दिया कि अगर राष्ट्रपति समय-सीमा के भीतर कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो प्रभावित राज्य सीधे अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिल की संवैधानिकता के मामले में कार्यपालिका को जज नहीं बनना चाहिए। ऐसे मुद्दों को अनुच्छेद 143 के तहत निर्णय के लिए सुप्रीम कोर्ट भेजना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के प्रसंग में देश के लोगों को यह जानना-समझना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय कानूनी है या गैर कानूनी। सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला शीर्ष संवैधानिक आसन को चुनौती देने वाला है, लेकिन यह फैसला सुप्रीम कोर्ट की संविधान-पीठ का नहीं है। जबकि संविधान के अनुच्छेद 145 (3) में यह अनिवार्य प्रावधान है। अनुच्छेद 145 (3) में कहा गया है, संविधान की व्याख्या के संबंध में विधि के किसी सारवान प्रश्न से संबंधित किसी मामले का निर्णय करने के लिए या अनुच्छेद 143 के अंतर्गत किसी संदर्भ की सुनवाई के लिए न्यायाधीशों की न्यूनतम संख्या न्यूनतम पांच होना अनिवार्य है। इसमें कोई वैकल्पिक प्रावधान भी नहीं है, यानि इस नियम का सुप्रीम कोर्ट को पालन करना ही होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 की व्याख्या करके दिया है। जबकि विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट की यह बेंच न तो संवैधानिक थी और न ही इसमें न्यूनतम पांच जज शामिल थे। ऐसे में संविधान के अनुच्छेद 145 (3) का उल्लंघन करके सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया निर्णय वैध है या नहीं, इसे आसानी से समझा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि कार्यपालिका को खुद जज नहीं बनना चाहिए, उसे संवैधानिक मामलों से जुड़े मामलों को अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट भेजना चाहिए। अब ध्यान देने वाली बात ये है कि संविधान के मसलों से जुड़े ऐसे प्रश्नों को हल करने के लिए संविधान के निर्माताओं ने उसमें अनुच्छेद 145 (3) का प्रावधान किया था, ताकि उस पर विद्वान जजों की बहुमत द्वारा विश्लेषण किया जा सके।

▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देश में विधायी अराजकता शुरू

राज्यपाल की मुहर के बिना पारित हो गए 10 विधेयक

चेन्नई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने देश में विधायी अराजकता की शुरुआत कर दी है। अब कोई भी राज्य मनमाने तरीके से फैसले लेगी और विधेयक पारित करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आघात करते हुए राज्यपाल और राष्ट्रपति के औचित्य पर भारी संकट ला खड़ा किया है। इस अराजकता का फायदा उठाते हुए तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने शनिवार को सभी 10 विधेयकों को अधिनियम के रूप में अधिसूचित कर दिया।

राज्यपाल की सहमति के बगैर ही तमिलनाडु सरकार ने शनिवार को 10 कानूनों को अधिसूचित कर दिया। इन्हें पहले राज्यपाल ने रोक दिया था। यह कानून उनकी सहमति के बिना ही प्रभावी हो गए। 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि का 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के विचार के लिए सुरक्षित रखने का फैसला अवैध और गलत था, जबकि राज्य विधानसभा ने उन पर पुनर्विचार

कर लिया था। कोर्ट ने राज्यपालों के लिए उनके सामने पेश विधेयकों पर फैसला लेने के लिए समय सीमा भी तय की थी। पिछले साल राज्यपाल ने विधेयकों को मंजूरी देने में देरी की थी और रोक लगाई थी। इनको तमिलनाडु की विधानसभा ने फिर से पारित किया था। इन्हें राष्ट्रपति के पास भेजा गया था, लेकिन आखिरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इन्हें पारित मान लिया गया। सरकारी राजपत्र के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया सरकार का यह कदम, केंद्र-राज्य संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ है व संघीय ढांचे में शक्ति संतुलन को फिर से परिभाषित करता है।

तमिलनाडु सरकार को मिल गया सुप्रीम कोर्ट का बहाना

इसे ऐतिहासिक घटनाक्रम बताते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि डीएमके का मतलब इतिहास बनाना है। इन अधिनियमों में से एक तमिलनाडु मत्स्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम 2020 है। इसके तहत विश्वविद्यालय का नाम बदलकर डॉ. जे. जयललिता मत्स्य विश्वविद्यालय कर दिया है। इसके अलावा राज्य सरकार के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्तियों में राज्यपाल का दखल खत्म हो जाएगा। इससे उम्मीदवारों को सूचीबद्ध करने और उनकी शैक्षणिक योग्यता और अनुभव तय करने की शक्ति सरकार को मिल गई है। इतना ही नहीं अब राज्य के सीएम यूनिवर्सिटी के कुलपति होंगे।

राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट में डीएमके के वकील पी विल्सन ने कहा कि इतिहास रचा गया है क्योंकि ये भारत में किसी भी विधानमंडल के पहले अधिनियम हैं जो राज्यपाल-राष्ट्रपति के साइन के बिना बल्कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बल पर प्रभावी हुए हैं। हमारे विश्वविद्यालयों को अब सरकार के कुलपतित्व के तहत स्वच्छ बनाया जाएगा और एक नए स्तर पर ले जाया जाएगा। मामले के जानकार अधिकारियों के मुताबिक, डॉ. एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी,

▶10 पर

उधर ममता बनर्जी फैला रही हैं पश्चिम बंगाल में अराजकता

वक्फ कानून का बहाना मकसद अस्थिरता फैलाना

कोलकाता, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध के नाम पर इस्लामी भीड़ की हिंसा लगातार जारी है। इस्लामी भीड़ सुरक्षाबलों को भी निशाना बना रही है। पुलिस के बाद उसने अब कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर मुर्शिदाबाद पहुंची सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को निशाना बनाया है। बीएसएफ जवानों पर फायरिंग की गई है। हिंसा के बीच हिंदू मुर्शिदाबाद से पलायन को मजबूर हैं। बेकाबू हिंसा की स्थिति में बंगाल के संवेदनशील जिलों में आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर एक्ट (अफस्पा) लागू किए जाने की मांग प्रबल हो रही है। राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित हिंसा के कारण राज्य की पुलिस पूरी तरह निष्क्रिय है। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों ने मोर्चा संभाला है लेकिन कानून एवं व्यवस्था के पालन में राज्य प्रशासन या पुलिस से कोई सपोर्ट नहीं मिल रहा है।

मुर्शिदाबाद में शनिवार को बीएसएफ की टीम पर इस्लामी भीड़ ने हमला किया। यह हमला मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज इलाके में हुआ। यहां तैनात जवानों को निशाना बनाया गया। वक्फ के नाम पर प्रदर्शन कर रहे इस्लामी कट्टरपंथियों ने बीएसएफ जवानों पर पत्थर बरसाए और उनकी गाड़ियां तोड़ दीं। रविवार को धुलियान इलाके में भी बीएसएफ के ऊपर कट्टरपंथियों ने फायरिंग की। इस फायरिंग में दो बालक घायल हो गए। बीएसएफ के किसी सुरक्षाकर्मी के घायल होने की सूचना नहीं है। मुर्शिदाबाद में इस्लामी भीड़ की हिंसा रोकने में पश्चिम बंगाल पुलिस के नाकाम होने के बाद कलकत्ता हाई कोर्ट ने शनिवार को केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती के आदेश दिए थे। इसके बाद मुर्शिदाबाद में बीएसएफ तैनात की गई थी। हिंसा में पहले पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। बीएसएफ के पहुंचने के बाद इस्लामी भीड़ ने उन्हें भी निशाने पर लिया।

हिंदुओं की हत्या और लूट जारी बीएसएफ पर भी हमला

दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर में तुलसी की माला पहने एक हिंदू व्यक्ति को मुस्लिम भीड़ ने बुरी तरह पीटा और अधमरा कर दिया। उसकी एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसमें वह अस्पताल में इलाज के दौरान अपनी पीड़ा बता रहा है। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने बताया है कि मुर्शिदाबाद के शमशेरपुर में इस्लामी भीड़ के हमलों से बचने के लिए सैकड़ों लोग भाग कर दूसरी जगह जा रहे हैं। अपना घर-बार छोड़ने वालों में अधिकांश महिलाएं हैं। बड़ी संख्या में बच्चे और पुरुष भी इलाका छोड़ रहे हैं। इससे पहले मुर्शिदाबाद में इस्लामी भीड़ ने एक हिंदू पिता-पुत्र की हत्या कर दी थी। वह लोग मूर्तिकार थे। इस्लामी भीड़ के हमले में 15 से अधिक पुलिसकर्मी भी घायल हैं। वहीं इस दौरान भी राज्य में लगातार वक्फ के खिलाफ प्रदर्शन की अनुमति ममता सरकार दिए जा रही है। मुर्शिदाबाद में इस्लामी कट्टरपंथियों की हिंसा में तीन लोगों की मौत हो चुकी है,

▶10 पर

सियाचिन के वीर सपूतों को भारतीय सेना ने दी सलामी

सियाचिन, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सियाचिन दिवस की 41वीं वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन पर तिरंगा फहरा कर वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी। हर साल 13 अप्रैल को सियाचिन दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो 1984 में शुरू किए गए ऑपरेशन मेघदूत की याद दिलाता है। यह वह दिन है जब भारतीय सेना ने दुनिया के सबसे ऊंचे और सबसे कठिन युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर अपने शौर्य के झंडे गाड़े थे।

वर्ष 1984 में पाकिस्तान की संभावित सैन्य कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद भारत ने सियाचिन ग्लेशियर पर रणनीतिक स्थानों को सुरक्षित करने के लिए ऑपरेशन मेघदूत शुरू किया। 13 अप्रैल 1984 को भारतीय सैनिकों ने बिलाफोंड ला और सियाला दर्रों पर कब्जा कर लिया और पूरे सियाचिन क्षेत्र को अपने नियंत्रण में ले लिया। यह ऑपरेशन लेफ्टिनेंट जनरल एमएल छिब्बर, लेफ्टिनेंट जनरल पीएन हून और मेजर जनरल शिव शर्मा के नेतृत्व में शुरू हुआ था।

▶10 पर

बांग्लादेश में हिंदू संस्कृति की शिनाख्त मिटाने का फैसला

ढाका, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली कट्टरपंथी इस्लामी सरकार ने बांग्लादेश से हिंदू संस्कृति की शिनाख्त मिटाने की ठान ली है। यूनुस सरकार लगातार हिंदुओं और उनसे जुड़ी परंपराओं, प्रतीकों और संस्कृतियों को नष्ट करने की कोशिशों में लगी हुई है। सनातन परंपराओं को इस्लामी परंपराओं को अनुसार ढाला जा रहा है। इसी क्रम में बांग्लादेश ने यूनेस्को से मान्यता प्राप्त मंगल शोभायात्रा का नाम और कंटेंट बदलने का फैसला किया है।

यूनुस सरकार ये सारे बदलाव इसलिए कर रही है क्योंकि उसे लगता है कि ये हिंदू संस्कृति को दिखाता है। इसलिए 14 अप्रैल को बंगाली नववर्ष 1432 मनाएगा। बंगाली नववर्ष के मौके पर निकाले जाने वाले जुलूस मंगल शोभायात्रा के नाम को भी बदल दिया गया है।

▶10 पर

कर्नाटक में मुसलमानों को आरक्षण देने का रास्ता साफ

बेंगलुरु, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण बढ़ाने की तैयारी है। इसकी सिफारिश कर्नाटक में की गई जाति जनगणना रिपोर्ट में की गई है। ओबीसी आरक्षण में बढ़ोतरी का सीधा फायदा मुस्लिमों को होने वाला है। मुसलमान कर्नाटक राज्य में सबसे बड़ा ओबीसी समूह है। जाति जनगणना की यह रिपोर्ट हाल ही में कर्नाटक कैबिनेट के सामने पेश की गई है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार इस जातिगत जनगणना के नए सर्वे पर 17 अप्रैल को बैठक करने वाली है। इस सर्वे में ओबीसी आरक्षण 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 51 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है। इसी रिपोर्ट में मुस्लिम आरक्षण को भी 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 8 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है। 17 अप्रैल को होने वाली कैबिनेट बैठक में इस आरक्षण को लेकर फैसला लिया जा सकता है। इसी बैठक में यह रिपोर्ट सार्वजनिक करने सम्बन्धित फैसला भी हो सकता है। कर्नाटक की जाति जनगणना रिपोर्ट में की गई सिफारिश अगर मानी जाती हैं,

▶10 पर

पश्चिमी सीमा पर सेना की तैयारियों का लिया जायजा

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ने वज्र कोर का दौरा किया और पश्चिमी सीमाओं पर इसकी परिचालन तैयारियों का जायजा लिया। सेनाध्यक्ष ने सभी रैंकों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने सैनिकों के उच्च मनोबल, व्यावसायिकता और अटूट समर्पण की सराहना करते हुए उनसे सेना के परिचालन उत्कृष्टता के सटीक मानकों को बनाए रखने पर जोर दिया। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (जीओसीइनसी) लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार भी थे।

व्यापक ब्रीफिंग के दौरान वज्र कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने सेना प्रमुख को मौजूदा सुरक्षा माहौल और कोर की तत्परता की स्थिति के बारे में जानकारी दी। जनरल द्विवेदी ने बाद में अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैन्य बलों की जमीनी स्तर की तैयारियों को प्रत्यक्ष रूप से समझने के लिए चुनिंदा अग्रिम जगहों का दौरा किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस दौरे का मुख्य आकर्षण सेना प्रमुख का भूतपूर्व सैनिकों से बातचीत करना और राष्ट्र निर्माण में

▶10 पर

एक हजार सैनिकों की बर्खास्तगी नेतन्याहू को पड़ सकती है भारी

तेल अवीव, 13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इज़राइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने गाज़ा युद्ध की आलोचना करने के आरोप में करीब 1000 रिज़र्व सैनिकों की बर्खास्तगी का ऐलान कर दिया है। ऐसे में देश के हालात को देखते हुए कहा जा रहा है कि बहुत जल्द इसका परिणाम नेतन्याहू सरकार को भुगतना पड़ सकता है। युद्ध को लेकर देश में नेतन्याहू का विरोध पहले से हो रहा है, ऐसे में सैनिकों की बर्खास्तगी का मामला आग में घी डालने जैसा प्रतीत हो रहा है। वैसे भी इसे इज़राइली सेना में अब तक की सबसे बड़ी बर्खास्तगी मानी जा रही है, जो युद्ध के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बोलने को कारण की गई है। यहां बताते चलें कि जिन सैनिकों को बड़ी संख्या में बर्खास्त किया गया उन सैनिकों ने नेतन्याहू सरकार के नाम एक सार्वजनिक पत्र लिख कर युद्ध से वापस लौटने को कहा था। इस पत्र में कहा गया था कि गाज़ा में जारी जंग अब सैन्य नहीं, बल्कि राजनीतिक मकसदों की पूर्ति कर रही है। उन्होंने युद्धविराम की मांग करते हुए कहा कि, यह लड़ाई न तो बंधकों को छुड़ा पा रही है और न ही हमास को खत्म कर रही है। इसके चलते सैनिक, बंधक और आम नागरिक मारे जा रहे हैं। इस सार्वजनिक पत्र पर सैकड़ों रिटायर्ड अफसरों और वायुसेना के रिज़र्व कर्मियों ने दस्तखत किए थे, जिसमें प्रसिद्ध रिज़र्व नेविगेटर अलोन गुर का नाम भी शामिल है। इससे नाराज नेतन्याहू सरकार ने एक हजार रिजर्व सैनिकों को बर्खास्त कर दिया। आईडीएफ के प्रवक्ता ने कहा कि यह बयानबाज़ी सैन्य अनुशासन और एकता के खिलाफ है। हमारी प्राथमिकता देश की सुरक्षा है। जब हम कई मोर्चों पर जूझ रहे हैं, तब ऐसे सार्वजनिक बयानों से हमारी एकता और सैन्य नीति कमजोर होती है। सेना प्रमुख ईयार जमीर और वायुसेना नेतृत्व ने यह निर्णय लिया।

न्यूज ब्रीफ

न्यूयार्क में प्लेन क्रेश, एक की मौत

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयार्क में एक प्लेन क्रैश होने खबर आ रही है। इस प्लेन में दो लोग सवार थे, इनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा कोलंबिया काउंटी के कोपेक इलाके के पास हुआ। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के प्रवक्ता के मुताबिक विमान कोलंबिया काउंटी एयरपोर्ट की तरफ जा रहा था। लेकिन जैसे ही वह एयरपोर्ट से करीब कुछ ही दूर रहा होगा, तभी हादसा हो गया। विमान कीचड़ भरे खेत में जा गिरा। बताया जाता है कि विमान का हादसा शनिवार की शाम को हुआ, लेकिन जानकारी काफी देर बाद लगी। नेशनल टांसपोर्टेशन सुरक्षा बोर्ड हादसे की जांच के लिए टीम मौके पर भेजी है। लेकिन खराब मौसम और बर्फ के कारण बचाव टीम को मौके पर पहुंचने में काफी दिक्कत आ रही हैं।

यूक्रेनी दूतावास का दावा, भारतीय दवा गोदाम पर रुस ने दागी मिसाइल

कीव। भारत में यूक्रेनी दूतावास ने कहा कि रूस ने शनिवार को यूक्रेन में एक भारतीय दवा कंपनी के गोदाम पर मिसाइल दागी। सोशल मीडिया पर पोस्ट में यूक्रेनी दूतावास ने आरोप लगाया कि यद्यपि रूस, भारत के साथ दोस्ती का दावा करता है, लेकिन वह जानबूझकर यूक्रेन में भारतीय व्यवसाय को निशाना बना रहा है। यूक्रेनी दूतावास ने कहा कि यूक्रेन में भारतीय दवा कंपनी कुसुम के गोदाम पर रूसी मिसाइल दागी गई। रुस बच्चों और बुजुर्गों के लिए बनी दवाइयों को नष्ट कर रहा है ।

एक तरफ बातचीत का ऑफर दूसरी तरफ ईरान के खिलाफ तैनात एयरक्राफ्ट, फाइटर जेट्स और जवान

तेहरान। मध्य पूर्व की उथल-पुथल भरी धरती फिर हथियारों की गर्जना से गूंज रही है। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ जो सैन्य तैनाती शुरू की है, वह सिर्फ एक सामान्य डिफेंस स्ट्रैटजी नहीं, बल्कि ये एक चेतावनी है। अमेरिका ने जिस तरह से ईरान को घेरा है। बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स से लेकर फुल कैपेबिलिटी एयरक्राफ्ट कैरियर्स और साइप्रस से लेकर इजराइल तक...जिस तरह का मिलिट्री कॉर्डिनेशन अमेरिका ने तैयार किया है, उससे पता चलता है कि अमेरिका अब सिर्फ धमकी देने के मूड में नहीं है। अमेरिका ने ईरान से बातचीत से पहले जिस तरह से इस क्षेत्र में फोर्स तैनात की है, उससे आशंका है कि अगर ये बातचीत फेल होती है तो फिर क्या होगा परमाणु डील फेल होने पर अमेरिका करेगा क्या बड़ी कार्रवाई अमेरिका ने हिंद महासागर के डिएगो गार्सिया द्वीप में बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स के 6 यूनिट तैनात कर दिए हैं। इसके अलावा इजराइल की रक्षा के लिए अमेरिकी थाड एयर डिफेंस सिस्टम को तैनात किया है और इतना सब करने के बाद अब अमेरिका ने अपने दूसरे एयरक्राफ्ट कैरियर को भी मिडिल ईस्ट की तरफ रवाना कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर मिडिल ईस्ट के करीब पहुंच चुका है। इसमें 90 फाइटर जेट्स और 6000 से ज्यादा चालक दल के सदस्य हैं। परमाणु समझौते को लेकर अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच यानी शनिवार को ओमान में बैठक होने वाली है। वहीं ईरानी के सरकारी टीवी चैनल ने घोषणा की थी कि ईरानी उप विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के बीच ओमान में शनिवार की बैठक की कोई भी तस्वीर जारी नहीं की जाएगी। जिससे ये संकेत मिलते हैं कि ये बैठक आमने-सामने की बातचीत वास्तव में हो सकती है। जिससे पहले ईरान ने इनकार कर दिया था। एक डिप्लोमेटिक सूत्र ने बताया कि हूती विद्रोहियों के खिलाफ चल रहे अमेरिकी अभियान के बीच, जिन्हें ईरान का समर्थन हासिल है, ईरान इस क्षेत्र में अपने मिलिशिया के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। सूत्र के मुताबिक ईरान का मानना है कि उसके मिलिशिया अपने उद्देश्यों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं और अब वह कम से कम अपने मिसाइल कार्यक्रम की सुरक्षा करना चाहता है।

बीबीआईएन मोटर वाहन समझौता प्रोटोकॉल तैयार, वर्ष 2015 में भूटान में मोटर वाहन समझौते पर हुए थे हस्ताक्षर

काठमांडू, 13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल (बीबीआईएन) के बीच यात्री, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात के आवागमन के लिए मोटर वाहन समझौते (एमवीए) पर हस्ताक्षर करने के एक दशक बाद, चार दक्षिण एशियाई देशों ने सुचारू परिवहन सुनिश्चित करने के लिए प्रोटोकॉल को अंतिम रूप दे दिया है। यह प्रोटोकॉल दक्षिण एशिया में अपनी तरह का पहला प्रोटोकॉल है। मोटर वाहन समझौते के अलावा बीबीआईएन देश क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा के लिए इंटरकनेक्टेड ग्रिड के बारे में भी सहमत हो सकते हैं।

बीबीआईएन-एमवीए का उद्देश्य यात्रियों, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात के माध्यम से अंतर-क्षेत्रीय व्यापार और कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए बाधाओं और नियमों को दूर करना है। हालांकि हाल ही में भारत के द्वारा बांग्लादेश को दी गई महत्वपूर्ण ट्रांसशिपमेंट सुविधाओं को रद्द करने के भारत के हालिया फैसले से चार देशों के बीच एमवीए के निष्पादन में बाधा डाल सकती है। गौरतलब है कि बांग्लादेश के सड़क परिवहन और पुल मंत्री, भूटान के सूचना और संचार मंत्री, भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग और शिपिंग मंत्री और नेपाल के भौतिक बुनियादी ढांचे और परिवहन मंत्री ने 15 जून 2015 को थिम्पू, भूटान में बीबीआईएन मोटर वाहन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। नेपाल के यातायात मन्त्रालय के सचिव केशव शर्मा के मुताबिक प्रोटोकॉल के अनुसार भूटान को छोड़कर तीन अन्य हस्ताक्षरकर्ता सभी प्रकार के वाहनों को उनके बीच चलने की अनुमति देंगे। इनमें कार्गो वाहन परमिट के तहत तीन श्रेणियों – हल्के वाणिज्यिक वाहन (7,500 किलोग्राम तक), मध्यम वाणिज्यिक वाहन (7,500-12,000 किलोग्राम) और भारी वाणिज्यिक वाहन (12,000 किलोग्राम से ऊपर) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने से पहले 2015 से लेकर 2018 तक कई चरण का परीक्षण किया गया। इसने दिखाया कि यात्रियों, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात की निर्बाध आवाजाही संभव है। कार्गो ट्रायल रन नवंबर, 2015 में कोलकाता-ढाका-अगरतला मार्ग (600 किमी) के बीच आयोजित किया गया था। 29 अगस्त से 5 सितंबर 2016 तक ढाका और दिल्ली (1,780 किमी) के बीच,

जबकि 23 अप्रैल, 2018 को भारत के माध्यम से ढाका से काठमांडू तक एक यात्री बस को परीक्षण के रूप में चलाया गया था। बीबीआईएन-एमवीए के निष्पादन का समर्थन करने वाले एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अनुसार अब प्रस्तावित ट्रायल रन मार्ग काठमांडू-भैरहवा-सुनौली-लखनऊ-कानपुर-नई दिल्ली और नेपाल और भारत के बीच काठमांडू-बीरगंज-रक्सौल-कोलकाता हैं। इसी तरह काठमांडू-काँकडभिट्टा-पानीटंकी-सिलीगुड़ी-फुलबारी-बंगलाबांधा-मोंगला व चटोग्राम मार्ग नेपाल, भारत और बांग्लादेश के बीच एक परीक्षण मार्ग के रूप में प्रस्तावित है। संबंधित देशों के अधिकारियों ने मार्च 2022 में नई दिल्ली में मुलाकात की थी और मोटर वाहन समझौते को निष्पादित करने के लिए एक समयबद्ध कार्य योजना तैयार करने पर सहमति व्यक्त की है। इनमें अधिक परीक्षण करने का सुझाव दिया और एडीबी से परीक्षण का समर्थन करने का अनुरोध किया।

एमवीए के कॉन्सेप्ट पेपर के अनुसार बैंक ने बाद में एक तौर-तरीका प्रस्तावित किया था। ट्रायल रन बांग्लादेश, भारत और नेपाल के बीच या केवल दो देशों के बीच आयोजित किए गए थे। भूटान ने बीबीआईएन-एमवीए पर हस्ताक्षर किए हैं और प्रोटोकॉल को अपनी सहमति दी है लेकिन उसने ट्रायल रन में भाग नहीं लिया। एडीबी के कंट्री डायरेक्टर मखूतर खामुंदखनोव के मुताबिक एडीबी द्वारा बनाई जा रही एशियाई राजमार्ग एक गलियारा होगा जो बीबीआईएन-एमवीए के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एडीबी ने मार्ग सामंजस्य (मार्ग-आधारित मूल-गंतव्य विश्लेषण), मार्ग पहचान, शुल्क निर्धारण, सीमा पार वाहन बीमा और नेपाल के लिए बीबीआईएन निहितार्थ अध्ययन पर निष्कर्ष निकाला है। उन्होंने कहा कि नेपाल के पास चार भारतीय बंदरगाहों-कोलकाता, हल्दिया, विशाखापत्तनम और मुंद्रा तक सीधी पहुंच होगी। प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षरकर्ता दो साल के भीतर, समझौते के तहत चलने वाले वाहनों की कुशल ट्रैकिंग के लिए उपयुक्त सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म स्थापित करेंगे। राष्ट्र वाहन और कार्गो आवाजाही की निगरानी और सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन के लिए एक साझा इलेक्ट्रॉनिक मंच स्थापित करेंगे। शर्त यह भी है कि वाहनों के चालक दल को हस्ताक्षरकर्ता देशों के नागरिक होना चाहिए। वे वैध पासपोर्ट या अन्य दस्तावेजों के आधार पर यात्रा करेंगे। जब सीमा पार यात्रा के लिए वीजा की आवश्यकता होती है, तो ड्राइवरों और चालक दल द्वारा वीजा के लिए आवेदन को समझौते के अनुसार जारी किए गए उसके क्रू पहचान पत्र को सत्यापित किया जाएगा।

नेतन्याहू के भड़कते हुए कनाडाई पीएम ने दे दी सफाई

तेल अवीव,13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

गाज़ा संकट को लेकर कनाडा और इज़राइल के बीच राजनयिक तनाव देखने को मिल रहा है। वैसे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इजराइल के भड़कने के बाद अपने बयान पर सफाई दे दी है, लेकिन मामला शांत होता दिख नहीं रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी द्वारा गाज़ा पर दिए गए एक बयान पर इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कड़ी आपत्ति जताई और बयान वापस लेने को कहते हुए कड़ी चेतावनी दे दी।

यहां बताते चलें कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी एक सार्वजनिक समारोह में बोल रहे थे, तभी एक फिलिस्तीन समर्थक व्यक्ति ने उन्हें बीच में टोका और कहा – गाज़ा में नरसंहार हो रहा है। इस पर जवाब देते हुए कार्नी ने कहा– मुझे पता है, इसीलिए हमारे यहां हथियारों पर प्रतिबंध है। पीएम कार्नी के इस बयान पर नेतन्याहू ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें बयान वापस लेने की नसीहत दे दी। उन्होंने लिखा, कि कनाडा ने हमेशा सभ्यता का पक्ष लिया है, इसलिए प्रधानमंत्री कार्नी को भी वही करना चाहिए। उन्हें अपना बयान तुरंत वापस लेना चाहिए। इज़राइल, जो कि एकमात्र यहूदी देश है, हमास के खिलाफ न्यायपूर्ण तरीके से लड़ रहा है। बढ़ते विवाद के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सफाई दी है। पीएम कार्नी ने कहा कि भीड़ के शोर में सुनाई ही नहीं दिया कि गाजा शब्द के साथ नरसंहार भी कहा गया है। शोर अधिक था और उन्हें सिर्फ 'गाज़ा' शब्द ही सुनाई दिया, 'नरसंहार' शब्द सुनाई ही नहीं दिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका बयान किसी विशेष स्थिति का समर्थन या विरोध से जुड़ा हुआ नहीं था।

यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्ति को बातचीत सही दिशा की ओरः ट्रम्प

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्ति के लिए बातचीत शायद सही दिशा की ओर जा रही है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक एयर फोर्स वन में ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत का सिलसिला शुरू हो चुका है, जो कि ठीक दिशा की ओर जा रहा है। लेकिन ऐसा समय भी आता है जब आपको कुछ कर दिखाना होता है। या फिर चुप हो जाना होता है। डोनाल्ट ट्रम्प का बयान ऐसे समय आया है, जब बीते दिनों अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकाफ ने सलाह दी थी कि यदि अमेरिका यूक्रेन बंटवारे वाली रूस की शर्त मान लेता है तो युद्ध विराम संभव है। इस बयान को लेकर खलबली देखी गई थी ।लेकिन अब डोनाल्ड ट्रम्प के हाल के बयान के बाद इसे अमेरिका की ओर से एक तरह के यूक्रेन-रूस युद्ध के मुद्दे पर उनका पक्ष माना जा रहा है।

म्यांमार में फिर लगे भूकंप के तेज झटके 5.1 रही तीव्रता..........लोग घरों से भागे

नेपीडॉ,13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

म्यांमार में रविवार सुबह एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों ने लोगों को हिला कर रख दिया। सुबह 7 बजकर 54 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.1 मापी गई है। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था।

म्यांमार में एक बार फिर आए भूकंप के झटकों के बीच राहत की खबर यह रही कि इस बार किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन अचानक आए झटकों के कारण लोग भयभीत होकर अपने घरों से बाहर निकल आए। इस भूकंप के तीव्र झटके ऐसे समय में महसूस हुए हैं जबकि 28 मार्च को म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप की त्रासदी अभी भी लोगों के जेहन में ताज़ा है। उस समय 7.7 तीव्रता वाले भूकंप ने मांडला क्षेत्र को बुरी तरह झकझोर दिया था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस त्रासदी में करीब 3600 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 5000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

संचार तंत्र पर भी पड़ा असर

भूकंप से म्यांमार के मोबाइल संचार तंत्र को भी भारी नुकसान पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कुल 6730 संचार स्टेशन प्रभावित हुए, जिनमें से अब तक करीब 6000 की मरम्मत की जा चुकी है।

दुनियाभर से मिल रही है मदद

म्यांमार में आई इस आपदा के बाद भारत, अमेरिका, चीन जैसे देशों ने अपने राहत एवं बचाव दल भेजे हैं। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी चिकित्सा सहायता और आवश्यक संसाधन मुहैया कराए हैं।

रविवार सुबह आए भूकंप से लोगों की चिंता बढ़ गई। मेइकतिला शहर में रविवार सुबह आए 5.5 तीव्रता के भूकंप का केंद्र मांडले और नैपीदा के बीच जमीन से 10 किमी नीचे था। फिलहाल इस भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्र में बार-बार आ रहे भूकंपों को देखते हुए सतर्कता बनाए रखना बेहद जरूरी है।

इजराइल ने सेंट्रल गाजा स्थित अस्पताल में किए हवाई हमले, इमरजेंसी वार्ड तबाह, राफा से कटा गाजा का संपर्क

गाजा पट्टी,13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इजराइल ने गाजा पर हमले और तेज कर दिए हैं, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई है। शनिवार देर रात इजराइली सेना ने सेंट्रल गाजा स्थित अल-अहली अरब बैपटिस्ट अस्पताल को निशाने पर लेते हुए हमले किए हैं। अस्पताल स्टाफ के अनुसार, परिसर की एक बिल्डिंग पर दो मिसाइलें दागी गईं, जिससे इमरजेंसी और रिसेप्शन विभाग पूरी तरह नष्ट हो गया।

स्थानीय सूत्रों ने बताया कि हमले से ठीक पहले अस्पताल प्रशासन को एक फोन कॉल आया, जिसमें इमारत खाली करने को कहा गया। कॉल के कुछ ही मिनट बाद विस्फोट हुआ, जिससे आसपास की इमारतों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इजराइली सेना की ओर से अभी तक इस हमले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। हालांकि पहले इजराइल की ओर से दावा किया गया था कि उसी इलाके से उस पर रॉकेट दागे गए थे।

राफा का संपर्क गाजा पट्टी से टूटा

इस बीच इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने पुष्टि की है कि इजराइली डिफेंस फोर्स ने मोराग कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया है। यह कॉरिडोर गाजा के दक्षिण में स्थित एक रणनीतिक रास्ता है जो राफा को गाजा पट्टी के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। इससे अब राफा पूरी तरह अलग-थलग पड़ गया है। इसके साथ ही काट्ज़ ने गाजा के निवासियों को चेतावनी देते हुए कहा है, कि यह हमास को खत्म करने और बंधकों की रिहाई के लिए अंतिम मौका है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो यही हाल गाजा के अन्य हिस्सों का भी होगा।

इस प्रकार से इलराइल द्वारा लगातार हो रहे हमलों से गाजा में मानवीय संकट गहरा गया है। अस्पतालों पर हमले और नागरिक इलाकों में हो रही तबाही ने राहत और बचाव कार्यों को और मुश्किल बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें अब इस भयावह युद्ध के रुकने पर टिकी हुई हैं।

शख्स ने किया तीन बार मरकर लौटने का दावा

लंदन । सदियों से इंसान यह जानने की कोशिश कर रहा है कि मृत्यु के बाद क्या होता है, लेकिन अब तक इस सवाल का कोई ठोस और सार्वभौमिक जवाब नहीं मिला है। आमतौर पर वही कहानियां सामने आती हैं जो उन लोगों ने बताई हैं जो कुछ पल के लिए मौत के करीब जाकर लौट आए हैं। इन्हीं अनुभवों को आधार बनाकर लोग जीवन के उस रहस्य को समझने की कोशिश करते हैं जो मौत के बाद शुरू होता है। कुछ लोगों को यह अनुभव सुखद लगता है, तो कुछ ने डरावनी कहानियां भी सुनाई हैं। ऐसे ही एक शख्स हैं डैनियन ब्रिंक्ले, जिन्होंने दावा किया है कि वे तीन बार मरकर फिर ज़िंदा हुए हैं। 74 वर्षीय डैनियन ने अपनी जिंदगी और मृत्यु के अनुभवों को किताब के रूप में दुनिया के सामने रखा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पहली बार 1975 में उन पर टेलीफोन का खंभा गिर गया था, जिसके चलते वे 28 मिनट तक मृत रहे और फिर लौट आए। दूसरी बार 1989 में उनकी ओपन हार्ट सर्जरी के दौरान मौत हुई, लेकिन वे फिर जीवित हो गए। तीसरी बार ब्रेन सर्जरी के वक्त उनकी मृत्यु हुई, परंतु फिर से उन्हें जीवन मिल गया। अपने पहले अनुभव के बारे में डैनियन ने बताया कि उन्हें एक अंधेरी सुरंग से होकर गुजरना पड़ा, जिसके बाद वे एक चमकदार जगह पर पहुंचे। वहां उन्हें अपने पूरे जीवन की घटनाएं एक-एक कर फ्लैशबैक में दिखाई दीं। इसके बाद एक चमकदार रौशनी के साथ वे वापस लौट आए। दूसरी बार की मौत के बाद वे एक कांच जैसे शहर पहुंचे, जिसे उन्होंने स्वर्ग बताया। वहां फरिश्तों ने उन्हें अध्यात्मिक और मानसिक शक्ति के उपयोग के तरीके सिखाए। इन अनुभवों के बाद डैनियन अब लोगों को सलाह देते हैं कि मौत उतनी डरावनी नहीं है जितना हम उसे समझते हैं।

शासकों के लिए आज भी आदर्श हैं विक्रमादित्य : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि महाराजा विक्रमादित्य ने अपने शासन काल में कला संस्कृति, साहित्य और विज्ञान के विकास को संरक्षण और संवर्धन के साथ जो मूल्य स्थापित किए, कालान्तर में वे ही भारत की सांस्कृतिक आदर्श एवं पहचान बने।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ शनिवार शाम यहां लाल किला परिसर स्थित माधौदास पार्क में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आयोजित सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति एवं अन्य अतिथियों ने इस तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन आयोजन का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन 14 अप्रैल तक लगातार जारी रहेगा।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़. ने कहा कि हमारी संस्कृति एक मिसाल है कि भारतीय जीवन मूल्यों के साथ जीवन कितना सहज और सरल हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीयता हमारी पहचान है और राष्ट्रवाद हमारा परम धर्म है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने शासनकाल में राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारा देश बदल रहा है। भारत में भूतल की गहराई से आकाश की ऊंचाइयों तक हर तरफ विकास ही विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदर्शिता से भारत की पुरानी प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित और जीवंत हो रही है। उन्होंने कहा कि भाषा हमारी सांस्कृतिक चेतना की धुरी है। हमें अपनी भाषा पर गर्व करना चाहिए। हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रसार और भारतीय ज्ञान परम्पराओं पर आधारित शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है।

उपराष्ट्रपति ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिल्ली में किए जा रहे इस महा आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई और साधुवाद देते हुए कहा कि केंद्र एवं दिल्ली सरकार के साथ मिलकर यह सिलसिला आगे भी जारी रहना चाहिए। हमें हमारी संस्कृति के संवर्धन के लिए हमेशा प्रयास करना चाहिए और उन्हें खुशी है कि मध्यप्रदेश में यह काम बड़ी ही लगन और कुशलता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखना है और इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने के भी प्रयास हमें करना चाहिए।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश, उपराष्ट्रपति की धर्मपत्नी डॉ. श्रीमती सुदेश धनखड़, मप्र के प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति श्री शिवशेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव आनंद विभाग श्री राघवेंद्र कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार डा. श्रीराम तिवारी, डॉ अतुल जैन सहित मध्यप्रदेश एवं दिल्ली सरकार के मंत्रीगण, विधायकगण तथा विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन के 250 से अधिक कलाकारों सहित बड़ी संख्या में मध्यप्रदेश एवं दिल्ली के कलाप्रेमी नागरिकगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्राट वीर विक्रमादित्य के शासनकाल को भारतीय इतिहास का गौरवशाली काल बताते हुए कहा कि हमारी संस्कृति को सहेजने और संवारने में विक्रमादित्य का अमिट योगदान है। उन्होंने सिर्फ़ शासन को सुशासन की व्यवस्था में बदला। वे अदम्य साहस, धीरता वीरता और संवेदनशीलता के प्रतीक थे। उन्होंने अपनी प्रजा को कर्जमुक्त किया। वे अनेकानेक गुणों से युक्त थे। गरीबों, लाचारों, वंचितों को उनका हक दिलाने की प्रेरणा हमें सम्राट वीर विक्रमादित्य से ही मिलती है।

उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य हमारे लिए सदैव स्तुत्य रहेंगे। उन्होंने हमें जनता की सेवा की सीख दी है। वे अपनी प्रजा का सुख-दुख देखने के लिए भेष बदलकर प्रजा के बीच जाते थे। उनकी यह संवेदनशीलता बताती है कि प्रजा के सुख में ही शासक का सौख्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति सदैव समृद्ध रही है और आगे भी रहेगी। हमारी संस्कृति मां गंगा की अविरल धारा की तरह लगातार बहती रहेगी। हमें अपने गौरवशाली अतीत पर नाज है और यह भावना हमें नई पीढ़ी तक भी पहुंचानी है। देश की राजधानी दिल्ली में विक्रमादित्य महानाट्य के महामंचन के मूल में हमारी यही मंशा है। उन्होंने सभी से इस आयोजन का लाभ उठाकर अपने इतिहास के गौरवशाली काल को देखने, समझने और आनंद लेने की अपील की।

केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का आयोजन देश के इतिहास को जीवंत करने के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक चेतना को भी मजबूती प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल भारत के सांस्कृतिक उत्कर्ष का उच्चतम समय था। उनके शासन पर आधारित महानाट्य का मंचन विक्रमादित्य के उस स्वर्णिम युग का मंचन है। वे ज्ञान, विज्ञान कौशल के पोषक और वीरता की मिसाल थे। वे आदर्श शासक थे। उन्होंने अपने नवरत्नों के जरिए भारत की संस्कृति को उच्चतम स्तर पर ले जाने का प्रयास किया। वीर विक्रमादित्य के शासनकाल का मंचन एक नई धारा है, एक नया सोपान है, जिसका आगाज मध्यप्रदेश सरकार ने किया है। उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि डॉ. यादव ने दिल्ली की जनता को विक्रमादित्य के चरित्र और शौर्य को देखने और समझने का अवसर दिया है। दिल्लीवासियों का परम सौभाग्य है कि आज ये दिन दिल्ली को देखने को मिला। सौभाग्य की बात है कि शौर्य और पराक्रम के प्रतीक सम्राट विक्रमादित्य पर महानाट्य मंचन यहां हो रहा है। दिल्लीवासी आज इतिहास से रुबरू हो रहे हैं। वे सम्राट विक्रमादित्य के चरित्र को अपनी आंखों से देख रहे हैं।

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन 13 एवं 14 अप्रैल को भी होगा। इसमें 250 कलाकार सम्राट विक्रमादित्य की जीवन गाथा को जीवंत कर रहे हैं। इस महानाट्य के दृश्यों को सजीव बनाने के लिए पालकी, रथ, घोड़ों और एलईडी ग्राफिक्स के स्पेशल इफेक्ट का प्रयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा 'विक्रमादित्यकालीन मुद्रा और मुद्रांक' की प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केंद्रित 'आर्ष भारत' प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है। इसमें 100 से अधिक ऋषियों के जीवन और योगदान को प्रदर्शित किया जा रहा है। जनसम्पर्क विभाग द्वारा 'मध्यप्रदेश का विकास एवं उपलब्धियां' विषय पर और पर्यटन एवं उद्योग विभाग द्वारा भी प्रदर्शनियां भी यहां लगाई गई हैं।

गोयल ने वाइब्रेंट बिल्डकॉन में स्वस्थ विकास के वैश्विक मानक बनाने का किया आह्वान

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कैपेक्सिल के वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 को संबोधित करते हुए उद्योग जगत के हितधारकों से स्थिरता में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने, आयात निर्भरता को कम करने, स्वच्छ और हरित निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने तथा भूकंपरोधी और मॉड्यूलर बुनियादी ढांचे की दिशा में काम करने का आह्वान किया।

श्री गोयल ने निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की बढ़ती ताकत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ताकत वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) से लेकर मेक इन इंडिया के तहत घरेलू विनिर्माण के काम में दिख रही है। उन्होंने आवास, बुनियादी ढांचे, वाणिज्यिक अचल संपत्ति, रेलवे, हवाई अड्डों, राजमार्गों और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''सीमेंट और इलेक्ट्रिकल्स से लेकर सुरक्षा प्रणालियों और स्वचालन तक हर तत्व इस पारिस्थितिकी तंत्र में एक भूमिका निभाता है।

श्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तेजी से बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत मंडपम और यशोभूमि जैसे विश्व स्तरीय सम्मेलन केंद्रों की परिकल्पना की थी, दोनों ही महामारी के दौरान बनाए गए थे। इन अत्याधुनिक स्थलों ने जी20 शिखर सम्मेलन, भारतटेक्स, भारत मोबिलिटी और स्टार्टअप महाकुंभ जैसे वैश्विक कार्यक्रमों की मेजबानी की है।

श्री गोयल ने कई प्रमुख सरकारी पहलों को सूचीबद्ध किया, जिनमें 20 नए स्मार्ट औद्योगिक शहर, 50 गंतव्यों में बेहतर पर्यटन बुनियादी ढांचा और 100 नए औद्योगिक प्लग-एंड-प्ले हब शामिल हैं। उन्होंने कहा, अगर हमें आज की 4 ट्रिलियन(4 लाख करोड़) डॉलर की अर्थव्यवस्था से 2047 तक 30-35 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, तो हर नागरिक को विकसित भारत 2047 में योगदान देना होगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि आज भारत एकता के साथ भविष्य की कल्पना कर रहा है, सहयोग को बढ़ावा दे रहा है और एकजुट होकर काम कर रहा है। श्री गोयल ने कहा, वाइब्रेंट बिल्डकॉन हमारे निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को एक साथ लाने की शुरुआत मात्र है।

बैसाखी के अवसर पर उपस्थित लोगों को बधाई देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कोविड-19 महामारी के दौरान किसानों की भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवधानों के बावजूद, भारत ने महीने दर महीने निर्बाध खाद्य वितरण सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा, ''महामारी के चरम के दौरान भी, भारत ने गरीबों को भोजन उपलब्ध कराने और लाखों लोगों को अभाव से बाहर निकालने के अपने मिशन को जारी रखा।

भारत की खाद्य सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास के बीच संबंध बताते हुए, श्री गोयल ने कहा कि वाइब्रेंट बिल्डकॉन देश की तीव्र शहरीकरण, सभी के लिए आवास और लॉजिस्टिक्स परिवर्तन का समर्थन करने की क्षमता का उदाहरण है। उन्होंने कहा, यह मंच हमारी विनिर्माण और बुनियादी ढांचे की ताकत को दर्शाता है, जो वैश्विक निवेश को आकर्षित करने और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

अंत में, श्री गोयल ने वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरने की भारत की क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें साहसिक लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे श्रम बल को उचित वेतन मिले और निरंतर नवाचार करते रहें। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए - भारत विकास, नवाचार और समावेशी विकास में दुनिया का नेतृत्व करेगा।

फिर विवादों में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि

जय श्री राम का नारा लगवाने पर पद से हटाने की उठी मांग

चेन्नई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। इस बार उन पर एक कॉलेज कार्यक्रम के दौरान 'जय श्री राम' का नारा लगवाने का आरोप लगा है। इस घटना के बाद शिक्षा विशेषज्ञों के संगठन स्टेट प्लेटफॉर्म फॉर कॉमन स्कूल सिस्टम-तमिलनाडु (एसपीसीएसएस-टीएन) ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राज्यपाल को उनके पद से हटाने की मांग की है।

राज्यपाल आरएन रवि 12 अप्रैल को मदुरै में मौजूद एक सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किए गए थे। वहां एक साहित्यिक प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देने के लिए राज्यपाल पहुंचे थे। अपने भाषण के दौरान उन्होंने छात्रों से तीन बार 'जय श्री राम' कहने को कहा। बस इसी बात को लेकर विवाद खड़ा हुआ है।

एसपीसीएसएस-टीएन का कहना है कि राज्यपाल ने इस प्रकार का नारा लगवाकर संविधान की धर्मनिरपेक्षता की भावना का उल्लंघन किया है। संगठन के महासचिव पी.बी. प्रिंस गजेन्द्र बाबू ने कहा कि राज्यपाल का यह कृत्य भारतीय संविधान के अनुच्छेद 159 (राज्यपाल की शपथ) का उल्लंघन है। उन्होंने कहा, 'भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और शिक्षा भी एक धर्मनिरपेक्ष गतिविधि है। ऐसे में किसी विशेष धर्म के भगवान का नाम लेकर नारा लगवाना न सिर्फ गलत है, बल्कि यह राज्यपाल की संवैधानिक जिम्मेदारियों के खिलाफ भी है।

संविधान के अनुसार, भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह संविधान का पालन करे, उसके आदर्शों और संस्थाओं का सम्मान करे, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।

साथ ही वैज्ञानिक सोच, मानवता, और सुधार की भावना को विकसित करे। राज्यपाल, जो संविधान की रक्षा, संरक्षण और समर्थन की शपथ लेते हैं, उनसे उम्मीद की जाती है कि वे धर्मनिरपेक्षता की भावना का पालन करें और सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण रखें।

संगठन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अपील की है कि राज्यपाल को तत्काल उनके पद से हटाया जाए क्योंकि उन्होंने अपने संवैधानिक कर्तव्यों का उल्लंघन किया है। संगठन ने यह भी कहा कि ऐसा कार्य शिक्षा क्षेत्र को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास है, जो स्वीकार नहीं किया जा सकता।

साढ़े तीन साल में मोदी सरकार ने सहकारिता क्षेत्र में बड़ा बदलाव किया है : अमित

भोपाल, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि देश में सहकारिता आंदोलन में कभी 'अनियमन' की स्थिति थी, लेकिन केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने साढ़े तीन सालों के दौरान सहकारिता के क्षेत्र में बड़ा बदलाव किया है।

श्री शाह ने यहां राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, राज्य के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और पशुपालन मंत्री लखन पटेल समेत अनेक जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के मध्य समझौते पर हस्ताक्षर भी हुए, जिसके तहत राज्य में डेयरी क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाए जाएंगे।

श्री शाह ने अपने संबोधन में कहा कि एक समय था, जब देश में सहकारिता आंदोलन में अनियमन था। कुछ राज्यों में यह काफी आगे था। कुछ जगह इसका सरकारीकरण हुआ, तो कुछ जगह पूरी तरह विनाश हुआ। देश में सहकारी आंदोलन बटा हुआ था, इसकी मुख्य वजह यह थी कि कानूनों में समय के साथ बदलाव नहीं किया गया। देश में जिस तेजी से परिस्थितियां बदलीं, उनके अनुरूप कानून नहीं बदले गए। उस समय कभी भी राष्ट्रीय स्तर पर समग्रता के साथ विचार नहीं हुआ।

श्री शाह ने कहा कि लेकिन मोदी सरकार ने देश में 75 साल बाद केंद्रीय सहकारिता विभाग का गठन किया। इसका मंत्री उन्हें (श्री शाह) बनाया गया। उन्होंने मंत्री बनने के बाद सबसे पहले प्राथमिक सहकारी समितियों में सुधार के लिए आदर्श बाय लॉज बनाए और उन्हें सभी राज्यों को भेज दिया। श्री शाह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी राज्यों ने इन बाय लॉज को लागू कर दिया और इसके साथ ही सहकारिता क्षेत्र में सुधार प्रारंभ हो गया। उन्होंने कहा कि वे सभी राज्यों को इस बात के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि इन सुधारों की वजह से अब पैक्स 20 से ज्यादा काम करने लगे हैं और उनकी आय भी बढ़ी है, जबकि एक समय पैक्स केवल अल्पकालीन किसान ऋण से संबंधित कार्य करते थे, जिससे उन्हें सिर्फ आधा प्रतिशत का मुनाफा होता था। अब पैक्स आयुष्मान भारत से जुड़ी सस्ती दवाएं बेच रहा है। जल वितरण का कार्य भी कर रहे हैं। आने वाले समय में ये और अधिक काम करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से मुहैया कराए गए 25 हजार करोड़ रुपए के खर्चे से पूरे देश में पैक्स का कंप्यूटराइजेशन कर दिया गया है। इस कार्य में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर रहा।

श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि, सहकारिता और पशुपालन के क्षेत्र में ढेर सारी संभावनाएं हैं। अब इन्हीं संभावनाओं का दोहन करने का निर्णय लिया गया है। श्री शाह ने बताया कि आज वे यहां पर एनडीडीबी और एमपी फेडरेशन के बीच हुए समझौते के साक्षी बने हैं। मध्यप्रदेश में साढ़े पांच करोड़ लीटर दुग्ध उत्पादन है, जो देश का नौ प्रतिशत है। जबकि सरकारी डेयरियों में इसका एक प्रतिशत से भी कम संग्रहण होता है। उनका कहना है कि किसान जब ओपन मार्केट में दूध बेचने जाता है, तो उसका शोषण होता है। अब किसानों का शोषण रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अब प्राथमिक डेयरियों का विस्तार करना है। दुग्ध संग्रहण बढ़ाना है। पशुओं की नस्ल सुधारना है, ताकि दुग्ध उत्पादन बढ़ सके और दूध से जुड़े अन्य उत्पादों का भी उत्पादन हो सके।

केंद्रीय मंत्री ने मध्यप्रदेश से संबंधित अनेक आकड़े प्रस्तुत किए और कहा कि अब शेष 83 प्रतिशत गांवों तक दुग्ध सहकारी संघों के पहुंचने का मार्ग खुल गया है। अब अनुबंध के तहत पांच साल में 50 प्रतिशत गांवों में दुग्ध उत्पादन समितियां बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने संबंधित विभागों से आग्रह किया कि इस दौरान दुग्ध गुणवत्ता की जांच और किसानों को हर सप्ताह भुगतान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने समझौते के तहत तए किए गए लक्ष्यों के संबंध में कहा कि इनका फिर से निर्धारण किया जाना चाहिए। अब मध्यप्रदेश में सुशासन है, इसलिए और बेहतर लक्ष्य तय करके इन्हें हासिल किया जा सकता है।

इसके पहले अपने संबोधन में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है और इस समझौते से दुग्ध उत्पादक किसानों की आय बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए भी प्रयास कर रही है। कार्यक्रम को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री शर्मा और सहकारिता मंत्री श्री सारंग ने भी संबोधित किया।

केरल को एक नवंबर तक 'अत्यधिक गरीबी मुक्त' राज्य घोषित कर दिया जायेगा: विजयन

कन्नूर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने रविवार को कहा कि प्रदेश को आगामी एक नवंबर तक 'अत्यधिक गरीबी मुक्त' राज्य घोषित कर दिया जायेगा।

श्री विजयन ने आज यहां पिनाराई कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि उनके 'धर्मादम विधानसभा क्षेत्र' को केरल के 140 विधानसभा क्षेत्रों में से अत्यधिक गरीबी उन्मूलन वाला पहला क्षेत्र घोषित किया गया है।

यह पहल तीन साल पहले एक व्यापक सरकारी परियोजना के साथ शुरू हुई थी जिसका उद्देश्य पूरे राज्य में अत्यधिक गरीबी को खत्म करना था। इस प्रयास में विभिन्न विभागों, विशेष रूप से स्थानीय स्वशासन संस्थानों द्वारा समन्वित हस्तक्षेप शामिल था, जो एकजुट होकर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा , राज्य में हालांकि अत्यधिक गरीबी की दर एक प्रतिशत से कम थी, लेकिन हमने इस चुनौती को गंभीरता से लिया और इसे पूरी तरह से खत्म करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया। कुल 64002 व्यक्तियों की पहचान की गयी और उनमें से प्रत्येक के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों के उत्थान के लिए सूक्ष्म योजनाएं विकसित की गयी।

कपिल शर्मा पर भड़के मुकेश खन्ना, याद किया पुराना किस्सा बोले - नया नया पैदा हुआ...!

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान मुकेश खन्ना ने बताया कि कैसे मशहूर कॉमेडियन ने उन्हें नजरअंदाज किया। इस वजह से मुकेश ने महाभारत के एक स्पेशल एपिसोड के लिए कपिल शर्मा शो में आने से इनकार कर दिया। उनके बीच विवाद की शुरुआत अवॉर्ड फंक्शन में हुई थी। यह पूरा मामला सालों पहले गोल्ड अवॉर्ड्स में शुरू हुआ था जब कपिल, जो इंडस्ट्री में नए थे, ने करीब 20 मिनट तक उनके बगल में बैठे रहने के बावजूद उन्हें नजरअंदाज किया।

कपिल ने मुकेश खन्ना को हेलो-हाय नहीं किया, तब भी जब उन्हें अवॉर्ड दिया जा रहा था। इस मुद्दे पर बात करते हुए मुकेश ने कहा, मुझे कपिल शर्मा क्यों पसंद नहीं हैं और मैंने उनके शो में जाने से क्यों इनकार कर दिया, और यह कहानी सभी के लिए एक आंख खोलने वाली कहानी होनी चाहिए, ताकि वे समझ सकें कि फिल्म इंडस्ट्री वास्तव में कैसे काम करती है।

मुकेश ने आगे कहा, गोल्ड अवॉर्ड्स में मुझे एक अवॉर्ड दिया जा रहा था और कपिल शर्मा,

जो इंडस्ट्री में नया नया पैदा हुआ था इत्तेफाकन मेरे बगल में आकर बैठ गया और उसने मुझे विश तक नहीं किया। उसने मुझे इग्नोर किया। वह लगभग 20 मिनट तक वहां बैठे रहे और जैसे ही उनका नाम आया, उन्होंने अवॉर्ड लिया और घर चले गए। मुकेश ने कपिल के बर्ताव से अपमानित महसूस किया खासकर तब जब अमिताभ बच्चन और ऋतिक रोशन जैसे दूसरे इंडस्ट्री के सीनियर कलाकारों ने साथ काम ना करने के बावजूद उनका सम्मान किया है। मुकेश ने कहा, मैं अमित जी से कई बार फ्लाइट में मिल चुका हूं। मैं लंदन से वापस आ रहा था और वह भी। हम एक-दूसरे को नहीं जानते थे लेकिन वह जानते थे कि हम दोनों एक्टर हैं, इसलिए हमने बात की। ऋतिक रोशन और मैं एयरपोर्ट पर खड़े थे और वह मुझसे मिले और मुझसे कहा, 'इस समय इस एयरपोर्ट पर दो सुपरहीरो खड़े हैं।'

मुकेश खन्ना ने डबल मीनिंग वाले डायलॉग और अभद्र चुटकुलों का हवाला देते हुए कपिल शर्मा की आलोचना की। उन्होंने ना केवल अपने पिछले मुद्दों के चलते, बल्कि एक सीन के कारण भी शो में आने से इनकार कर दिया जिसमें कपिल ने शक्तिमान की ड्रेस पहनी थी। इसे मुकेश ने कैरेक्टर की वैल्यूज का अपमान माना।

फिल्म कृष 4 प्रियंका चोपड़ा हुई शामिल!

ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी दो फिल्मों को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं, पहली वॉर 2 और दूसरी कृष 4 है। इन दोनों ही फिल्मों के लिए फैंस बेहद एक्साइटेड हैं। इस बीच 'कृष 4' की रिलीज डेट को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। इसी के साथ फिल्म की शूटिंग और कहानी के बारे में जानकारी मिली है।

कृष 4 से जुड़े एक करीबी सूत्र के अनुसार, ऋतिक रोशन और आदित्य चोपड़ा ने प्रियंका चोपड़ा को कृष 4 की लीड एक्ट्रेस के लिए लॉक कर लिया है। सोर्स ने कहा, ऋतिक और प्रियंका एक सफल जोड़ी हैं और उनके बीच बेहतरीन वर्क रिलेशन्स है।कृष्ट 4 में PC का आना कोई बड़ी सोचने की बात नहीं थी, क्योंकि कहानी कोई मिल गया से कृष, कृष 3, और अब चौथे भाग के सफर को जारी रखती है। एक्ट्रेस, ऋतिक रोशन की फ्रैंचाइजी को आगे बढ़ाने के विजन से काफी प्रभावित हुईं और उन्हें फिल्म का निर्देशन करने की चुनौतियों को संभालते हुए देखकर खुशी हुई।

मालूम हो कि एक्ट्रेस का नाम प्रभास की अनटाइटल्ड फिल्म के लिए सामने आ रहा था, लेकिन पिछले दिनों खबर आई कि एक्ट्रेस इस फिल्म से बाहर हो गई हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कृष 4 की कहानी टाइम ट्रैवल के कॉन्सेप्ट पर आधारित रहेगी, जो मार्वल ब्लॉकबस्टर 'एवेंजर्स: इनफिनिटी वॉर' और 'एवेंजर्स: एंडगेम' से प्रेरित हो सकती है। मेकर्स का मानना है कि फिल्म को कई टाइमलाइन्स में बनाया जाएगा, जिसमें पास्ट से लेकर प्रेजेंट तक सभी में ये किरदार ट्रैवेल करेंगे। फिल्म के शूटिंग की शुरुआत 2026 में शुरू हो जाएगी।

फिटनेस में यंग एक्टर्स को टक्कर देते हैं सुनील शेट्टी

63 की उम्र में भी दिखते हैं हैंडसम हंक

90 के दशक में बॉलीवुड में एंट्री लेने वाले स्टार्स शाहरुख खान, सलमान खान, अजय देवगन और अक्षय कुमार आज भी यंग और फिट नजर आते हैं, लेकिन इन सबके बीच सुनील शेट्टी ने अपनी फिटनेस से इन सभी स्टार्स को पीछे छोड़ा हुआ है। शाहरुख खान से सलमान खान तक स्टार्स की उम्र 55 से 60 साल के बीच है। आमिर खान भी 59 साल के हैं, लेकिन 63 की उम्र में सुनील शेट्टी जैसी फिटनेस इनमें से किसी भी स्टार की नहीं है। अक्षय कुमार की फिटनेस भी कम नहीं है, लेकिन उम्र में वह सुनील शेट्टी से 6 साल छोटे हैं। सुनील शेट्टी 60 प्लस होकर भी इतने फिट क्यों हैं, यह एक्टर ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था। चलिए जानते हैं

63 में इतने फिट क्यों हैं सुनील शेट्टी?

जब सुनील शेट्टी ने साल 1992 में फिल्म बलवान से बॉलीवुड डेब्यू किया था, तो लोग उनकी मसल्स देखकर हैरान हो गये थे। सुनील को उनकी दमदार बॉडी के चलते ही फिल्मों में काम मिला था। एक्टर को शुरू से ही फिट रहने का शौक है और वह कभी भी अपनी फिटनेस से कंप्रोमाइज नहीं करते हैं। एक इंटरव्यू में अपनी फिटनेस के बारे में एक्टर ने कहा था, '60 की उम्र में मेरे पिता मेरे जैसे फिट नहीं थे, जबकि मेरा और उनका जिम और ट्रेनर एक ही था, हमने एक जैसी डाइट ली, एक जैसे ही गाने सुने, लेकिन मैंने अपनी ट्रेनिंग घर में भी ली, मैंने अपना वर्कआउट किया, लेकिन मेरा वर्कआउट यहीं खत्म नहीं होता है, मैंने अपने खाने, समय, ऑफिस के काम और मेंटल हेल्थ पर भी काम किया, मैंने खुद को गार्डनिंग किया, बस यही अंतर है'।

एक्टर का लाइफस्टाइल

सुनील शेट्टी की फिटनेस के उदाहरण देखने के लिए उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर जा सकते हैं, जहां एक्टर का लाइफस्टाइल प्रेरित करने वाला है। सुनील शेट्टी दो बच्चों के पिता हैं और अब तो वह नाना भी बन गए हैं। एक्टर की बेटी अथिया शेट्टी ने एक बेबी को हाल ही में जन्म दिया है। इस उम्र में सुनील शेट्टी आज भी बॉलीवुड में एक्टिव हैं और एक्शन सीन करते हैं। एक्टर बॉलीवुड के अलावा मलयालम, तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और इंग्लिश भाषी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उनको पिछली बार सीरीज 'हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा' में एसीपी विक्रम चौहान के किरदार में देखा गया था।

अजय देवगन की रिजेक्ट की हुई इन फिल्मों से शाहरुख खान की चमक गई थी किस्मत

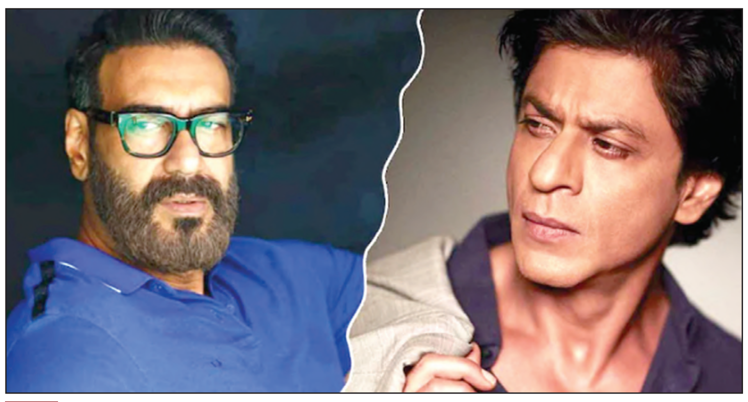

बॉलीवुड के 'सिंघम' अजय देवगन 90 के दशक के वो स्टार हैं, जो शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार और आमिर के टाइम के आसपास पर्दे पर उतरे थे। 90 के दशक के इन सभी स्टार्स के मुकाबले अजय देवगन का डेब्यू सबसे ज्यादा दमदार और हिट रहा था। अजय ने साल 1991 में एक्शन रोमांटिक फिल्म फूल और कांटे से बॉलीवुड में दस्तक दी थी। फिल्म के गाने और एक्टर का दो बाइक पर खड़े होने वाला एक्शन आज भी पॉपुलर है। इसके अगले साल ही अजय ने मार्शल आर्ट फिल्म जिगर की थी, जो सुपरहिट हुई और इसके बाद उनका करियर जम गया। अजय को बॉलीवुड में तीन दशक से ज्यादा का समय हो गया है और इस दौरान एक्टर ने कई ऐसी फिल्में भी ठुकराई जो ब्लॉकबस्टर साबित हुईं।

डर (1993)

सनी देओल और शाहरुख खान स्टारर बेहतरीन फिल्म डर को भुला पाना मुश्किल है। इसमें शाहरुख का रोल काफी खतरनाक और खौफनाक था, जो पहले अजय को ऑफर हुआ था। 90 के दशक में उभरते एक्टर्स नेगेटिव करने से बच रहे थे, लेकिन शाहरुख ने बता दिया कि एक्टिंग में दम हो तो नेगेटिव रोल करके भी हिट हुआ जा सकता है।

करण अर्जुन (1995)

राकेश रोशन के करियर की ब्लॉकबस्टर फिल्म करण-अर्जुन एक कल्ट क्लासिक फिल्म है। यह पहली बार था, जब शाहरुख और सलमान खान पहली बार पर्दे पर साथ में आए थे। शाहरुख ने अर्जुन और सलमान ने करण का रोल प्ले किया था। राकेश रोशन ने करण के रोल के लिए पहले अजय को चुना था। फिल्म की स्क्रिप्ट दमदार ना बताकर अजय ने इसे रिजेक्ट कर दिया।

कुछ-कुछ होता है (1998)

करण जौहर को फिल्म कुछ-कुछ होता है में एक स्पेशल रोल के लिए एक खास एक्टर की जरूरत थी। करण जौहर इस रोल के लिए सभी एक्टर्स के पास गए और लेकिन सलमान से नहीं मिले। बाद में खुद सलमान ने करण को कॉल कर कहा, 'और भी सर्च बाकी है या मैं आज जाऊं? इस पर करण जौहर बहुत खुश हुए। सलमान को अमन वर्मा का रोल मिला, जिसे अजय देवगन समेत कई एक्टर्स ने ठुकरा दिया था। सलमान को सपोर्टिंग रोल के लिए फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला था।

सूर्यवंशम (1999)

हर हफ्ते टीवी पर आने वाली अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म सूर्यवंशम में भानु प्रताप के बेटे हीरा ठाकुर का रोल पहले अजय देवगन को ही ऑफर हुआ था, लेकिन 'सिंघम' ने इस रोल को करने से मना कर दिया था, जिसके बाद खुद अमिताभ ने अपने ही बेटे का रोल प्ले किया। फिल्म पिट गई, लेकिन टीवी पर बार-बार आने के चलते यह फिल्म खूब पॉपुलर हो गई है, जिस पर मीम्स भी बनते हैं।

बाजीराव मस्तानी (2015)

संजय लीला भंसाली की फिल्म बाज-ीराव मस्तानी एक हिट फिल्म है, जिसमें रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा ने काम किया था। रणवीर से पहले संजय ने अजय को बाजीराव के लिए रोल के लिए चुना था, लेकिन एक्टर ने डेट्स और स्क्रिप्ट से जुड़ी कुछ समस्याओं के चलते फिल्म करने से इनकार कर दिया।

पद्मावत (2018)

संजय लीला भंसाली ने बाजीराव मस्तानी के बाद फिल्म पद्मावत के लिए भी अजय देवगन को अहम रोल ऑफर किया था। शाहिद कपूर ने फिल्म में महरवाल रत्न सिंह का किरदार किया था, जो पहले अजय देवगन को ऑफर हुआ था। 'सिंघम' को यह कैरेक्टर पसंद नहीं आया। बता दें, पद्मवात भी भंसाली घराने की हिट फिल्मों में से एक है।

हसीन दिलरुबा बनकर दिलों पर राज करने वाली तापसी एक फिल्म का चार्ज करती करोड़ों

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू एक बार फिर अपनी फिल्म 'हसीन दिलरुबा' की तीसरी किस्त के लिए चर्चे में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिये 'फिर आई हसीन दिलरुबा' के अगले पार्ट को लेकर अपडेट दिया है कि यह फिल्म एक बार फिर ओटीटी पर तीन गुना पागलपन के साथ लौटने वाली है। इस बीच एक्ट्रेस अपनी एक फिल्म के लिए कितना चार्ज करती हैं और उनकी नेट वर्थ कितनी है,

तापसी पन्नू एक लग्जरी लाइफ स्टाइल जीती हैं। अपनी फिटनेस और फैशन स्टेटमेंट पर ही एक्ट्रेस लाखों रुपए खर्च कर देती हैं। उछइउ की रिपोर्ट के मुताबिक, तापसी पन्नू की नेटवर्थ लगभग 50 करोड़ है। एक्ट्रेस की मोटी कमाई फिल्मों से होती है, जिसके लिए वह एक से दो करोड़ रुपए फीस चार्ज करती हैं। इसके अलावा उनकी तगड़ी कमाई ब्रांड एंडोर्समेंट्स से भी हो जाती है। एक ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए वह 2 करोड़ रुपये वसूलती हैं। तापसी पन्नू के पास मुंबई, महाराष्ट्र में एक 3 इक्ध फ्लैट है, जिसका नाम उन्होंने पन्नू पिंड रखा है। इस घर की कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये है। एक्ट्रेस को लग्जरी कार्स का भी काफी शौक है। उनके कलेक्शन में जीप कंपास, BMW 3 सीरीज, BMW X1, ऑडी -8L, मर्सिडीज GLE 250D जैसी कार्स शामिल हैं।

तापसी पन्नू ने लल्लनटॉप को दिए एक

इंटरव्यू में बताया था कि वह अपनी डाइट पर खूब पैसे खर्च करती हैं। उन्होंने कहा था- मैं घर जाऊंगी तो मुझे चार बातें सुनने को मिलेगी। अपने डायटिशियन पर इतना ज्यादा पैसा क्यों खर्च कर रही हो। उन्होंने बताया कि वो 1 लाख हर महीने डायटिशियन को देती हैं। मेरी हर पिक्चर और समय के हिसाब से जरुरत होती है कि किस समय किस तरह का खाना खाना है।

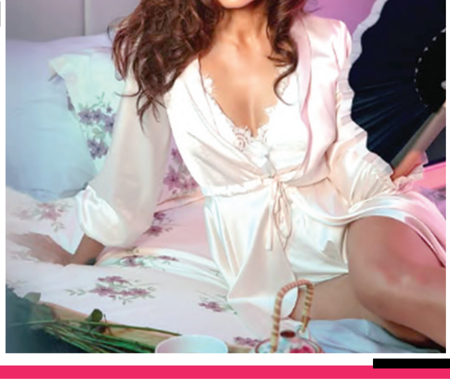

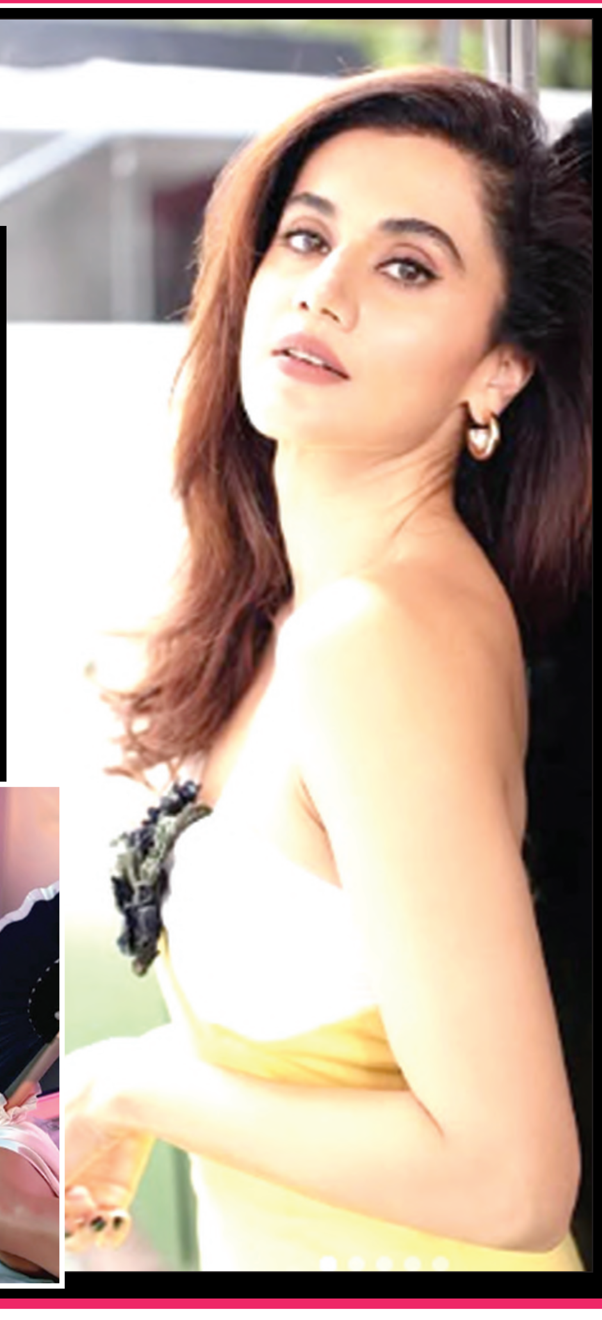

सूर्य आज करेंगे अपनी उच्च राशि मेष में गोचर

सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करना संक्रांति कहलाता है। वर्तमान समय में सूर्य मीन राशि में हैं। सूर्य के धनु और मीन राशि में रहने पर खरमास लगता है। इस दौरान कोई भी शुभ काम नहीं किया जाता है। अतः शादी-विवाह समेत सभी मांगलिक कार्य नहीं किए जा रहे हैं। 14 अप्रैल को सूर्य मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे। उस दिन से शुभ कार्य किए जा सकते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 14 अप्रैल को ग्रहों के राजा सूर्य मेष राशि में गोचर करेंगे। सूर्य आत्मा का कारक माना जाता है। सूर्य के मजबूत रहने से करियर और कारोबार में मन मुताबिक सफलता मिलती है। व्यक्ति ऊंचा मुकाम हासिल करने में कामयाब होता है। इसके लिए ज्योतिष लोगों को सूर्य मजबूत करने की सलाह देते हैं। सूर्य को मजबूत करने के लिए रोजाना सूर्य देव को जल का अर्घ्य दें। साथ ही सूर्य चालीसा का पाठ करें। इसके अलावा, पिताजी के साथ संबंध मधुर रखना चाहिए। पिता के आशीर्वाद से जातक अपने जीवन में खूब तरक्की और उन्नति करता है।

ग्रहों के राजा कहे जाने वाले सूर्य देव 14 अप्रैल को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे। मेष राशि में सूर्य उच्च का फल देते हैं। ज्योतिष में सूर्य को एक महत्वपूर्ण ग्रह माना गया है। सूर्य को आत्मा और पिता का कारक भी कहा गया है। सूर्य शुभ होने पर व्यक्ति को उच्च पद की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य को सिंह राशि का स्वामी माना गया है। मेष इसमें उच्च माना जाता है। वहीं सूर्य तुला राशि में नीच का हो जाता है।

मीन से निकलेंगे सूर्य

सूर्य 14 अप्रैल को मेष राशि में प्रवेश करेंगे। जहां पर ये इस राशि में 14 मई तक रहेंगे। मेष राशि सूर्यदेव की उच्च की राशि होते हैं और इस राशि के स्वामी ग्रह मंगल होते हैं। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कोई भी ग्रह जब अपनी उच्च राशि में रहता है तब इसका शुभ फल जातकों के जीवन पर पड़ता है। सूर्य के उच्च की राशि में गोचर करने से कई राशि के लोगों को फायदा मिलने के संकेत हैं।

शुरू होंगे मांगलिक कार्य

सूर्य देव के मीन राशि में गोचर से मीन मलमास प्रारंभ हो जाता है । जिसकी वजह एक माह तक यानी सूर्य के मीन राशि में रहते विवाह आदि मंगल कार्यों पर रोक लग जाती है। सूर्य के मीन से निकलकर मेष राशि में गोचर के साथ मीन मलमास समाप्त हो जायेगा और इसकी वजह से रुके हुए मांगलिक कार्यक्रम, विवाह आदि फिर से शुरू हो जाएंगे।

देश–दुनिया पर असर

शेयर बाजार में गिरावट के साथ बिजनेस की गति कुछ थमेगी। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल–पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रणाली में सुधार के भी योग बनेंगे। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। रेल दुर्घटना होने की संभावना। महिलाओं के लिए समय शुभ नहीं है। कोई बड़ी फिल्म अभिनेत्री से दुखद समाचार। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप–प्रत्यारोप का दौर चलेगा। मनोरंजन फिल्म नाटक फैशन डांसर कॉमेडी चर्चा में रहेंगे।

उपाय

श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें । भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें ।

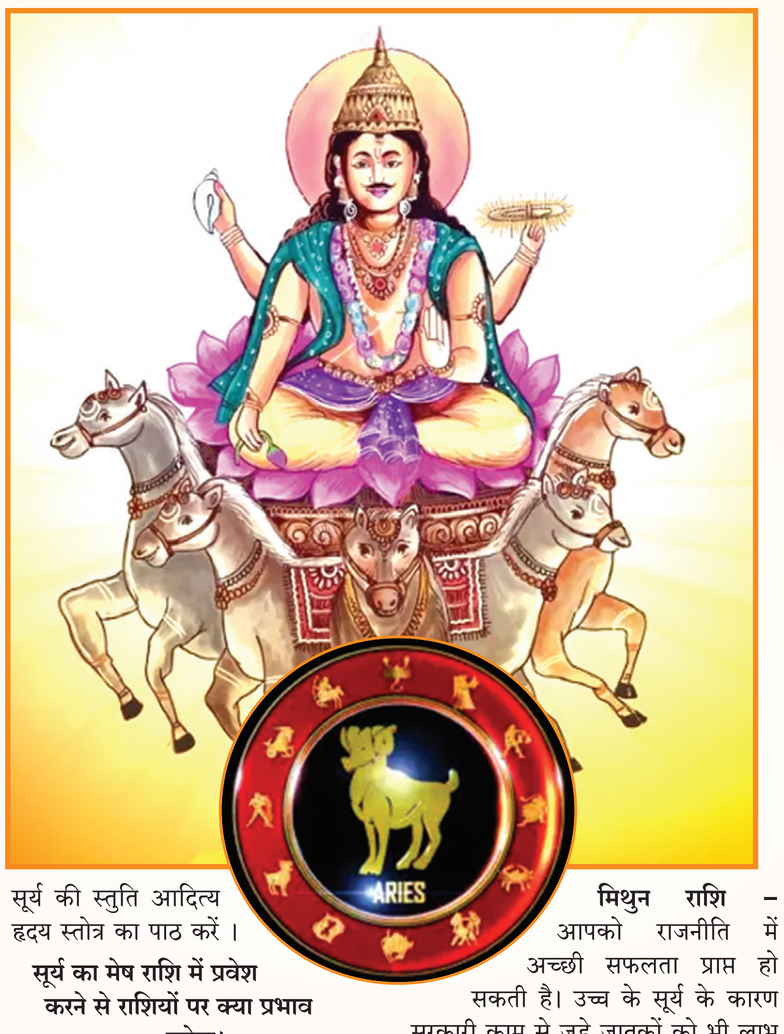

सूर्य का मेष राशि में प्रवेश करने से राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि – सरकार और राजनीति से जुड़े लोगों को अच्छा फायदा होने की उम्मीद है। वैवाहिक जीवन में थोड़ा तनाव दिखाई पड़ रहा है इसलिए पत्नी के साथ किसी भी प्रकार के वाद विवाद को जन्म नहीं दे।

वृष राशि – मानसिक तनाव और परिवार की ओर से कष्ट संभव है। इस गोचर के दौरान आपके खर्च में वृद्धि होगी और विदेश यात्राओं से कोई ख़ास लाभ नहीं होगा। इस समय आपके अपनी मां के साथ रिश्तें बिगड़ सकते हैं।

मिथुन राशि – आपको राजनीति में अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। उच्च के सूर्य के कारण सरकारी काम से जुड़े जातकों को भी लाभ होता हुआ दिखाई दे रहा है। परिवार के साथ यात्रा का योग दिखाई दे रहा है।

कर्क राशि – कार्यस्थल पर उच्च पद देने का काम करने वाली है। किसी काम के सिलसिले में यात्रा भी करेंगे। इस समय आपके घर में किसी मांगलिक आयोजन का मौका भी बन सकता है।

सिंह राशि – धार्मिक यात्रा पर जाने का मौका मिलने वाला है। पिता के साथ आपके मतभेद सामने आ सकते हैं वहीं उनकी सेहत का भी ध्यान रखना होगा। कई समय से अटका हुआ निवेश इस समय पूरा हो सकता है।

कन्या राशि – इस समय आपको चोट लगने की आशंका है वही किसी बीमारी का भी आगाज़ जीवन में हो सकता है। इस समय किसी को धन उधार नहीं दे वरना आपका पैसा अटक सकता है।

तुला राशि – आप अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें और आलस्य को त्याग दें। सरकार से जुड़कर आप कोई अच्छा काम शुरू कर सकते हैं। इस समय किसी मित्र के साथ कोई काम शुरू करना चाह रहे है तो उसे टाल दें।

वृश्चिक राशि – आपके सभी शत्रुओं का नाश होगा। इस समय आप अपने कार्यस्थल पर लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होंगे। आपके जीवन में इस समय विदेश यात्रा और धन लाभ के योग दिखाई दे रहे हैं।

धनु राशि – प्रेम और शिक्षा का विचार होता है। इस समय छात्र वर्ग को पढ़ाई में समस्या आ सकती है। प्रेम प्रसंग असफल हो सकते हैं। इस समय आपको सलाह दी जाती है कि अपने प्रेमी को धोखा न दें।

मकर राशि – आपके लिए समय बेहद कठिन होने वाला है। आपके खिलाफ शत्रु साजिश करेंगे। इस समय आप किसी भी प्रकार की कोई आर्थिक डील न करें तो अच्छा होगा। इस दौरान आपके खर्चों में वृद्धि होगी।

कुंभ राशि – आपके साहस में वृद्धि होगी और आपकी यात्राओं से आपको फायदा होगा। इस समय धार्मिक यात्राओं के योग भी बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए समय शुभ है।

मीन राशि – आपकी वाणी थोड़ी कठोर हो सकती है। इस समय आपको वाहन चलाते समय भी सावधानी रखनी है। ससुराल पक्ष से कोई भी आर्थिक लेनदेन नहीं करने की सलाह आपको दी जाती है।

इन राशियों पर पड़ेगा बुरा असर

तुला राशि – सूर्य का गोचर वृषभ राशि में हो रहा है। ऐसे में तुला राशि के जातकों को सबसे अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके बुरे प्रभाव से बचने के लिए सूर्य देव के वैदिक मंत्रों का जाप करें।

मकर राशि – मकर राशि के जातकों को भी सूर्य के गोचर के दौरान सावधानी रखने की जरूरत है। इस दौरान इस राशि के लोगों को आर्थिक नुकसान हो सकता है। साथ ही पारिवारिक जीवन में भी तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में भगवान सूर्य को रोजाना अर्घ्य दें।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के जातकों को भी सूर्य के गोचर के दौरान सतर्क रहना चाहिए। इस दौरान इन्हें दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही क्रोध पर नियंत्रण रखने की सलाह दी जाती है। साथ ही सूर्य देव के कवच का पाठ करें।

सूर्य गोचर के दौरान इन बातों का रखें ध्यान

* अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।
* क्रोध पर नियंत्रण रखें।
* किसी भी प्रकार के वाद–विवाद से बचें।
* वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।
* रोजाना सूर्य देव की पूजा विधि अनुसार करें।
* सूर्य को अर्घ्य दें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

आज मेष संक्रांति और 16 को संकष्टी चतुर्थी मनाई जाएगी

वैशाख माह की शुरुआत आज यानी 13 अप्रैल से हो गई है और अब इस माह का नया सप्ताह भी कुछ ही समय में शुरू होने वाला है। धार्मिक दृष्टि से वैशाख माह के पहले सप्ताह को अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इस सप्ताह में कई व्रत और पर्व मनाए जाएंगे, जिनका विशेष महत्व है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि इस सप्ताह में पड़ने व्रत–त्योहारों की डेट और शुभ मुहूर्त के बारे में।

मेष संक्रांति २०२५ शुभ मुहूर्त

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सूर्य देव के राशि परिवर्तन की तिथि पर संक्रांति मनाई जाती है। इस बार 14 अप्रैल को मेष संक्रांति मनाई जाएगी। इस दिन सूर्य मेष राशि में प्रवेश करेंगे।

विकट संकष्टी चतुर्थी २०२५ शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी 16 अप्रैल को दोपहर 01 बजकर 16 मिनट से शुरू होगी और 17 अप्रैल को दोपहर 03 बजकर 23 मिनट पर खत्म होगी। इस प्रकार 16 अप्रैल को विकट संकष्टी चतुर्थी मनाई जाएगी।

मासिक जन्माष्टमी २०२५ शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 20 अप्रैल को शाम 07 बजे शुरू होगी और 21 अप्रैल को शाम 06 बजकर 58 पर खत्म होगी। अष्टमी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण की पूजा निशा काल में करने का विधान है। ऐसे में मासिक कृष्ण जन्माष्टमी 20 अप्रैल को मनाई जाएगी। इसी दिन कालाष्टमी का पर्व भी भी मनाया जाएगा। कालाष्टमी के दिन काल भैरव की पूजा–अर्चना करने का विधान है।

वैशाख माह में करें इन मंत्रों का जप

ॐ बृहस्पते अति यदर्यो अर्हाद् द्युमद्विभाति क्रतुमज्जनेषु ।
यद्दीदयच्छवस ऋतप्रजात तदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम्।।
वृंदा,वृन्दावनी,विश्वपुजिता,विश्वपावनी ।
पुष्पसारा,नंदिनी च तुलसी,कृष्णजीवनी ।।
एत नाम अष्टकं चैव स्त्रोत्र नामार्थ संयुतम ।
य:पठेत तां सम्पूज्य सोभवमेघ फलं लभेत।।
ॐ वासुदेवाय विघ्माहे वैधयाराजाया धीमहि तन्नो धन्वन्तरी प्रचोदयात् ।।
ॐ तत्पुरुषाय विद्महे अमृता कलसा हस्थाया धीमहि तन्नो धन्वन्तरी प्रचोदयात् ।।

पत्नी क्रोधित होती है तो पति क्यों डर जाते हैं!

जानें कैसे शुरू हुआ यह सिलसिला

पत्नियां अक्सर घर लेट आने पर, कोई खास दिन या समान भूलने पर अपने जीवनसाथी से क्रोधित हो जाती हैं। उनका गुस्सा दूर से ही देखकर पति डर जाते हैं। ऐसी छोटी–मोटी नोक–झोक अक्सर पति–पत्नी के बीच होती रहती है। यह रुठने–मनाना आज से ही नहीं बल्कि बहुत पुराने समय से चला आ रहा है। इस सिलसिले की कहानी की जड़ को ढूंढेंगे तो आप भगवान शिव और देवी सती की कहानी तक पहुंच जाएंगे।

देवी सती और शिव जी की कथा में पति और पत्नी की तनातनी

यह कथा देवी सती से संबंधित है। देवी सती ने पिता दक्ष की इच्छुक के विरुद्ध जाकर शिवजी से विवाह किया था, लेकिन उनके पिता दक्ष प्रजापति शिवजी को पसंद नहीं करते थे। ऐसे में वह हर समय भगवान शिव को अपमानित करने की तरकीब लगाते रहते थे। एक बार देवी सती के पिता दक्ष ने यज्ञ का आयोजन किया। जिसमें देवी सती और शिवजी को छोड़कर सभी देवी देवता और ऋषि मुनियों को आमंत्रित किया गया था। यह बात जैसे ही सती तक पहुंची वह तुरंत अपने पिता के यहां यज्ञ में जाने के लिए तैयार हो गईं। शिवजी ने देवी सती को समझाया, हमें वहां बिना निमंत्रण के नहीं जाना चाहिए। इस पर देवी सती ने कहा कि पिता के पास जाने के लिए आमंत्रण की जरूरत नहीं होती है। और वह पिता के यज्ञ में जाने के लिए हठ कर बैठीं।

शिवजी के बार–बार मना करने और समझाने पर पर देवी सती को क्रोध आ गया। इसके बाद देवी सती अपने आदिशक्ति रूप में प्रकट हो गईं और और इन्हें ने दसों दिशाओं से दस देवियों को प्रकट किया और जो दश महाविद्याएं कहलायीं। इन महाशक्तियों ने दसों दिशाओं से शिवजी को घेर लिया जिससे शिवजी भी घबरा गए तब देवी का क्रोध शांत हुआ। और शिवजी को न चाहते हुए भी देवी सती को पिता दक्ष के यज्ञ में जाने दिया। और यहीं से सभवतः पत्नी से पतियों के डर का सिलसिला शुरू हुआ। तो बताइए कैसी लगी आपको यह रोचक कथा।

अक्षय तृतीया पर करें इन वस्तुओं का दान, दूर होगी आर्थिक तंगी

अक्षय तृतीया का पर्व हिंदू धर्म में बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी की विशेष पूजा–अर्चना करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन किया गया कोई भी काम शुभ फल देता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल अक्षय तृतीया का पर्व 30 अप्रैल को मनाया जाएगा। कहते हैं कि इस दिन दान जरूर करना चाहिए। इससे अन्न और धन में बरकत होती है, तो चलिए यहां जानते हैं कि इस मौके पर क्या दान करना शुभ माना जाता है।

अक्षय तृतीया पर दान का महत्व

अक्षय तृतीया पर दान करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन दान करने से भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और सभी दुखों का नाश होता है। हिंदू धर्म में दान का विशेष महत्व है। ऐसे में इस दिन ज्यादा से ज्यादा दान करें, लेकिन दान करते समय इस बात का ध्यान रखें कि इसके बारे में किसी को जानकारी न हो।

अक्षय तृतीया पर करें ये दान

अन्न – अक्षय तृतीया पर अन्न का दान सबसे महत्वपूर्ण दान माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस मौके पर अन्न का दान करने से घर में बरकत आती है।

वस्त्र – अक्षय तृतीया पर वस्त्र का दान भी बहुत शुभ माना गया है। ऐसे में जरूरतमंदों को कपड़ों का दान जरूर करें।

सोना–चांदी– इस दिन सोने और चांदी का दान भी अच्छा माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और धन और समृद्धि प्रदान करती हैं।

छाता – अक्षय तृतीया के दिन छाता का दान भी बहुत ही अच्छा माना जाता है। ऐसा करने से जीवन में आने वाली मुश्किलों का अंत होता है।

दान करते समय इन बातों का रखें ध्यान

दान करते समय मन में कोई गलत भाव न रखें।
दान करने के लिए हमेशा अच्छी वस्तुओं का उपयोग करें।
जरूरतमंदों को ही दान करें।
दान करते समय किसी भी प्रकार के अहंकार से बचें।

सोने–चांदी का नहीं है बजट, तो अक्षय तृतीया पर लें ये चीजें

अक्षय तृतीया का पर्व हिंदू धर्म में बहुत ही विशेष माना जाता है। इस दिन सोना–चांदी खरीदना बहुत ही शुभ माना जाता है, लेकिन अगर आपका बजट सोना–चांदी खरीदने का नहीं है, तो आप अक्षय तृतीया पर अन्य शुभ चीजें भी खरीद सकते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल अक्षय तृतीया का पर्व 30 अप्रैल को मनाया जाएगा।

अक्षय तृतीया पर खरीदें ये शुभ चीजें

मिट्टी के बर्तन – अक्षय तृतीया पर मिट्टी के बर्तन खरीदना बहुत ही शुभ माना जाता है। मिट्टी को शुद्ध और पवित्र माना जाता है। इसलिए, मिट्टी के बर्तन खरीदने से घर में सुख–समृद्धि आती है।

पीतल के बर्तन – पीतल के बर्तन भी अक्षय तृतीया पर खरीदना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि पीतल के बर्तन खरीदने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

धार्मिक पुस्तकें – अक्षय तृतीया पर धार्मिक पुस्तकें खरीदना भी बहुत ही शुभ माना जाता है। वहीं, इस मौके पर शास्त्र पढ़ने से ज्ञान और सकारात्मकता बढ़ती है।

तुलसी का पौधा – अक्षय तृतीया पर पौधे लगाना भी बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसे में इस मौके पर तुलसी का पौधा जरूर लगाएं। ऐसा करने से घर में सुख–शांति बनी रहती है।

श्री यंत्र – अक्षय तृतीया पर श्री यंत्र खरीदना बहुत अच्छा माना जाता है। श्री यंत्र को धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में आप इसे भी खरीद सकते हैं।

कौड़ी – अक्षय तृतीया पर कौड़ी खरीदना उत्तम माना जाता है। कौड़ी को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में आप इस दिन कौड़ी भी खरीद सकते हैं।

गंगाजल – गंगाजल को बहुत ही पवित्र माना जाता है। ऐसे में आप अक्षय तृतीया के दिन गंगाजल घर ला सकते हैं। इससे आपके घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होगी।

अक्षय तृतीया का पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। अक्षय तृतीया को बहुत ही शुभ दिन माना जाता है, इसलिए इस दिन कोई भी शुभ कार्य किया जा सकता है। अक्षय तृतीया पर सोना–चांदी खरीदना शुभ माना जाता है, लेकिन अगर आपका बजट नहीं है, तो आप अन्य शुभ चीजें भी खरीद सकते हैं।

संपादकीय

बड़ी कूटनीतिक जीत

लगभग डेढ़ दशक के प्रयासों के बाद, देश को दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए। भारतीय खुफिया एजेंसियां से यदि इस बड़ी साजिश की कड़ियां सही तरह से जोड़ पायी तो आतंकवाद की उर्वरा भूमि बने पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सकेगा। यही वजह है कि 26/11 के दहला देने वाले मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के रास्ते अवरोध खड़े करने में प्रत्यक्ष-परोक्ष तौर पर पाक समर्थकों द्वारा कोशिशें की गई। वे सारे कानूनी उपाय अपनाए गए जो राणा का प्रत्यर्पण रोक सकते थे। बहरहाल, इस प्रत्यर्पण से उन शहीदों के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, जिनकी इस आतंकी हमले में मृत्यु हुई थी। अब तक उनके परिजनों को इस बात का मलाल था कि सोलह साल बाद भी सभी अपराधियों को सजा नहीं मिली सकी है। साथ ही राणा की पूछताछ से होने वाले खुलासों से आतंकवाद की पाठशाला बने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के प्रयासों को भी बल मिलेगा। निश्चित रूप से तहव्वुर राणा के खिलाफ भारतीय कानून व न्याय व्यवस्था के मानकों के अनुरूप ही कार्रवाई होगी। साथ ही अजमल कसाब की तरह उसकी अपनी बात कहने को कानूनी मदद भी दी जाएगी। हालांकि, अब तक पाकिस्तान मुंबई आतंकी हमले में अपना हाथ होने से लगातार इनकार करता रहा है, लेकिन सभी प्राथमिक सूचनाएं और ठोस सबूत पाक की तरफ इशारा करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वह अपनी धरती पर कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के बड़े गुर्गों को संरक्षण देकर उनका बचाव करता रहा है। ऐसे में हमारी जांच एजेंसियों के अधिकारी तहव्वुर राणा से सख्त पूछताछ से सच्चाई सामने लाने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही ठोस निष्कर्षों के आधार पर पाकिस्तान पर दबाव बना सकता है कि वह अपनी जमीन आतंकवादियों को पालने-पोसने में इस्तेमाल न होने दे। इसके अलावा आतंकी संगठनों पर पर्याप्त दबाव बनाए, ताकि फिर मानवता के खिलाफ मुबई हमले जैसे घटनाक्रम न दोहराए जा सकें। बहरहाल, तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण पाकिस्तान तथा दूसरे देशों में भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे लोगों व संगठनों के लिये साफ संदेश गया है कि इंसानियत के दुश्मन दुनिया के किसी भी कोने में कानून की ओट में बच नहीं सकते। साथ ही पाकिस्तान को आईना दिखा दिया गया है जो तहव्वुर राणा को कनाडा का नागरिक बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा था। निश्चित रूप से इस सफलता में भारत के राजनीतिक व कूटनीतिक प्रयासों की भी बड़ी भूमिका रही है। भारतीय अधिकारियों ने इस दिन के लिये कड़ी मेहनत की। हालांकि, अभी इस रहस्य से पर्दा उठना बाकी है कि अमेरिका ने क्यों अपने नागरिक डेविड कोलमैन हेडली को भारत को सौंपने से परहेज किया। जबकि उसने इस बड़े अपराध में बड़ी भूमिका निभाई थी। हेडली व राणा आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकी संगठनों व पाक खुफिया एजेंसियों के संपर्क में लगातार बने रहे थे।

आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए। भारतीय खुफिया एजेंसियां से यदि इस बड़ी साजिश की कड़ियां सही तरह से जोड़ पायी तो आतंकवाद की उर्वरा भूमि बने पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सकेगा। यही वजह है कि 26/11 के दहला देने वाले मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के रास्ते अवरोध खड़े करने में प्रत्यक्ष-परोक्ष तौर पर पाक समर्थकों द्वारा कोशिशें की गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीतिक जीत एवं भारत की कानून की बड़ी सफलता है

राणा के बहाने पाकिस्तान का पूरा आतंकी सच उजागर हो

ललित गर्ग

क्रूरता एवं अमानवीयता का डरावना मंजर एवं देशवासियों की आंखों को गमगीन करने वाले इस आतंकी हमले के मास्टरमाइंड राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिये एक उजली किरण बनकर प्रस्तुत हुई है। 26-11-2008 एक ऐसी डरावनी तारीख है जिसे याद करके देशवासी सिहर जाते हैं। दहशत की तस्वीरें आंखों के सामने आ जाती हैं। यह तारीख मुम्बई के पुराने घाव को न केवल कुरेदती है कि 150 करोड़ का यह देश अब तक क्यों नहीं राणा का प्रत्यर्पण कराकर उसे दर्दनाक सजा दे पाया।

मुंबई में भीषण, खौफनाक एवं दर्दनाक आतंकी हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल रहने वाले पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाया जाना किसी उपलब्धि से कम नहीं है, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीतिक जीत एवं भारत की कानून की बड़ी सफलता है। लगभग 170 लोगों की दर्दनाक मौत, क्रूरता एवं अमानवीयता का डरावना मंजर एवं देशवासियों की आंखों को गमगीन करने वाले इस आतंकी हमले के मास्टरमाइंड राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिये एक उजली किरण बनकर प्रस्तुत हुई है। 26-11-2008 एक ऐसी डरावनी तारीख है जिसे याद करके देशवासी सिहर जाते हैं। दहशत की तस्वीरें आंखों के सामने आ जाती हैं। यह तारीख मुम्बई के पुराने घाव को न केवल कुरेदती है बल्कि टीस भी पैदा करती है कि 150 करोड़ का यह देश अब तक क्यों नहीं राणा का प्रत्यर्पण कराकर उसे दर्दनाक सजा दे पाया। अब राणा के भारत के शिकंजे में आ जाने से 26-11 के घावों पर कुछ मरहम लगेगा क्योंकि मुम्बई एवं देश आज भी जख्मों का हिसाब मांगती है। देर आये दुरस्त आये की कहावत को चरितार्थ करते हुए अब देश का खतरनाक दुश्मन हाथ आ गया है तो उसे ऐसी सजा दी जाये कि न केवल पाकिस्तान, पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एवं दुनिया में आतंक फैलाने वाले सहम जाये कि भविष्य में ऐसी घटना करने का दुस्साहस न कर सके। यह तो तय है कि राणा से पूछताछ में कई राज खुलेंगे, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि क्या उसे फांसी की सजा देना संभव होगा? भारत सरकार को ऐसे कूटनीतिक एवं साहसिक प्रयत्न करने होंगे, जिससे उसे फांसी की सजा देना संभव हो सके और वह भी कम से कम समय में। मुंबई हमले के दौरान पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब को सजा देने में चार साल लग गए थे। इतनी देरी राणा के मामले में नहीं होनी चाहिए। यह ऐसा मामला है, जिस पर देश के साथ दुनिया की भी निगाह होगी। राणा की सजा से ही भारत के न्यायतंत्र की त्वरता एवं तत्परता सामने आयेगी। क्योंकि खूंखार आतंकियों को सजा देने में देरी से आतंक से लड़ने की प्रतिबद्धता पर प्रश्नचिह्न टंकते है। 17 साल बाद आज भी महानगर मुम्बई की वह काली रात एवं गोलियों की गूंज से सब दहल उठते है, सहम जाते हैं। उस दिन

पाक प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने एक साथ कई जगहों पर हमला किया। लियो पोल्र्ड कैफे और छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से शुरू हुआ मौत का दर्दनाक तांडव ताजमहल होटल में जाकर खत्म हुआ। जिसमें आतंकवाद निरोधक दस्ते यानि एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे, मुम्बई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त अशोक कामटे और पुलिस इंस्पैक्टर विजय सालस्कर शहीद हुए। आतंकवादी कसाब को जिन्दा पकड़ने वाले साहसी सब इंस्पैक्टर तुकाराम को कौन भुला सकता है, जो एक दूसरे आतंकवादी की गोलियों का शिकार होकर भी, जान की बाजी लगाकर कसाब को पकड़ने में सफलता पायी, भले ही इस एकमात्र पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब को सजा-ए-मौत दी गई लेकिन इस हमले ने क्रूरता के जो निशान छोड़े वे आज भी मुम्बई में मौजूद हैं, भारत के जन-जन के हृदय पटल पर अंकित है। कौन नहीं जानता कि तहव्वुर राणा ने दाऊद सईद गिलानी यानि डेविड कोलमैन हेडली के साथ मिलकर हमले की साजिश रची थी। डेविड हेडली ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मुम्बई में फर्स्ट वर्ल्ड इमीग्रेशन सर्विसिज के नाम से एक कम्पनी का कार्यालय खोला और खुद को बिजनेसमैन के रूप में पेश किया। धीरे-धीरे उसने फिल्म जगत में नामी-गिरामी हस्तियों से जान-पहचान बढ़ाई। भारत यात्रा के दौरान उसने मुम्बई एवं देश के अन्य हिस्सों की रेकी की जहां पर हमला किया जाना था। पाकिस्तानी पिता और अमरीकी माँ की औलाद हेडली अमरीका में एक समय रंगीन ज़िन्दगी गुज़ार चुका था जिसके दौरान ड्रग्स की तस्करी के लिए उसे जेल भी हुई थी। भारत ने हेडली के प्रत्यर्पण के लिए भी अनुरोध किया था, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उसे छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि कई मामलों और डेनमार्क में एक हमले की नाकाम साजिश सहित 12 आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार की थी। उसने लश्कर, आईएसआई और अलकायदा के राज अमेरिका को बताए तब से ही हेडली अमेरिका की सम्पत्ति बन गया है। फिलहाल हेडली का अमेरिका में सुरक्षित रहना बड़े सवाल खड़े करता है। इस बीच भारत ने राणा को मोस्ट वॉन्टेड घोषित कर दिया और 28 अगस्त 2018 भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने, युद्ध छेड़ने, हत्या, जालसाजी और आतंकवादी हमले के आरोपों पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अब सवाल यह है कि अमेरिका ने राणा को तो भारत के हवाले कर दिया लेकिन वह डेविड हेडली के मामले में क्यों खामोश है? राणा को भारत लाया जाना, भारत के शिकंजे में आना भारत की बहुत बड़ी कूटनीतिक जीत है। राणा पाकिस्तानी सेना का पूर्व अधिकारी है। चूंकि उसने आतंकी संगठन लश्कर एवं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से मिलकर मुंबई हमले की साजिश रची थी, इसलिए उससे गहन पूछताछ करके पाकिस्तान को नए सिरे से न केवल बेनकाब करना होगा, बल्कि उस पर इसके लिए दबाव भी बनाना होगा कि वह मुंबई हमले के अन्य गुनहगारों को भी दंडित करे। इस हमले के गुनहगार पाकिस्तान में खुले घूम रहे हैं। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को भारत भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि राणा ने कई हथकंडे अपनाए लेकिन अमेरिकी अदालतों में उसकी सारी याचिकाएं ठुकरा दी गईं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की यह आज तक की सबसे बड़ी जीत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इसके लिए कूटनीतिक प्रयास करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भारत विश्व के सर्वाधिक पाकिस्तान पोषित आतंकवाद प्रभावित देशों में से एक है। 26-11 के मुंबई हमलों के अलावा 2008 में ही जयपुर विस्फोट, काबुल में भारतीय दूतावास के अलावा अहमदाबाद, दिल्ली और असम के विस्फोट भी शामिल थे। यह संतोषजनक तो है कि अमेरिका ने देर से सही, राणा को भारत को सौंप दिया। यदि ट्रंप फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं बनते तो शायद राणा को भारत लाना और मुश्किल होता।

दृष्टि कोण

अब ओबीसी पर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति

कांग्रेस के सामने लक्ष्य स्पष्ट हैं कि उसे अपने खोये जनाधार को पाने के लिए खासी मशक्कत करनी है। उसे जहां बीजेपी के सामने सबसे बड़ा विकल्प बना रहना है। वहीं उसे अपने जनाधार के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संघर्ष उन दलों से भी करना है जो उसके साथ अभी इंडिया गठबंधन में खड़े दिखते हैं। ये सारा खेल उस सियासी समीकरण का है जिसमें कांग्रेस अपनी दमदार उपस्थिति दिखाने की जद्दोजहद में जुटी है। इसी दायरे में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस से ओबीसी के छिटकने की बात कही। आजादी के बाद से कांग्रेस की सियासी रणनीति में उच्च जातियों, मुस्लिम और दलितों का ऐसा समीकरण रहा जिसका तोड़ विपक्ष के पास लंबे समय तक नहीं रहा। जनसंघ या तमाम समाजवादी दलों की सियासत मंचों पर तो मुखर रही लेकिन राजनीति के जोड़-घटाने में लगभग डेढ़ दशक तक ये पार्टियां लोकसभा या राज्यों के चुनाव में अंकों की तालिका में बस अपनी उपस्थिति ही जताती रहीं। साठ के दशक के अंत और सत्तर के दशक के शुरुआत में राजनीति के उथल पुथल के दौर में कई बदलाव देखने को मिले। कांग्रेस में खुलकर गुटबाजी और राजनीतिक पैंतरेबाजी देखने को मिली। हालांकि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कुशल नेतृत्व ने उस समय की स्थितियों को संभाल लिया। उनके नेतृत्व वाले धड़े को ही असली कांग्रेस के रूप में स्वीकार कर लिया गया। लेकिन कांग्रेस का जनाधार पहली बार यहीं से खिसकना शुरू हुआ था। इसी के चलते यूपी, बिहार जैसे राज्यों में विपक्ष की सरकारें बनीं। हालांकि, 71 के युद्ध के बाद इंदिरा गांधी के करिश्माई नेतृत्व से फिर से कांग्रेस को एक बड़ा आधार मिला। अगर 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए चुनाव परिणामों को छोड़ दें, तो उसके बाद कांग्रेस अपने जनाधार को वापस पाने के लिए लगातार जूझती रही है। 90 के दशक में कांग्रेस के लिए यह लड़ाई और कठिन हो गई। मंडल-कमंडल के बीच कांग्रेस का गलियारा छोटा हो गया। पूर्व पीएम वीपी सिंह ने ठंडे बस्ते में पड़ी मंडल आयोग की सिफारिश लागू की और ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू हुआ। तब भविष्य की राजनीति की थाह न ले कांग्रेस ने इसका विरोध किया। कांग्रेस ने अपनी सियासी रणनीतियों में जिन जातियों को फोकस किया उसमें पिछड़ी जातियां नहीं थीं। लेकिन फिर भी कांग्रेस के प्रभामंडल में पिछड़ी जातियों के वोट कांग्रेस को पड़ते रहे।

उसके लिए इन जातियों को अपने साथ जोड़ने की पहल बहुत ज्यादा नहीं हुई। दूसरी तरफ इसी दौर में यूपी में सपा, बिहार में आरजेडी, ओडिशा में बीजू जनता दल, कर्नाटक में जनता दल यू जैसे दल उभरे और अपनी पृष्ठभूमि में सशक्त हुए। राजनीति की बयार को समझने वाले कांशीराम ने 1984 में बसपा को स्थापित किया तो उनके अपने लक्ष्य स्पष्ट थे। ज्यादा वक्त नहीं लगा। एक दशक से भी कम समय में यूपी में सपा-बसपा का एक मजबूत चक्रव्यूह तैयार हुआ। इसी बारीक सियासी पेंच को समझना होगा कि जहां पिछड़ी अति पिछड़ी जातियां सपा आरजेडी जैसे दलों के साथ जुड़ गईं, वहीं बाबरी मस्जिद ढहने के बाद मुस्लिमों ने कांग्रेस से किनारा कर दिया। कांग्रेस आज तक अपने जनाधार की कोशिश में है। दूसरी तरफ राममंदिर आंदोलन ने बीजेपी के लिए सत्ता का रास्ता बनाया। इसके साथ ही सामाजिक समीकरणों में बीजेपी ने पिछड़ी जातियों और दलितों के बीच उन समूहों को साधने की कोशिश की जो अपने को कहीं उपेक्षित महसूस कर रहे थे। खासकर 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बीजेपी ने ओबीसी को प्रभाव में लाने के लिए जतन किए। यही नहीं बीजेपी ने अपनी बिसात बिछाते हुए हरियाणा मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में ओबीसी मुख्यमंत्री दिए वहीं ओडिशा में आदिवासी समाज के नेता को नेतृत्व सौंपा। इसी ओबीसी की पिच पर कांग्रेस अब बीजेपी और दूसरे दलों से जूझना चाहती है। कांग्रेस के अधिवेशन से ठीक पहले राहुल गांधी के इस बयान के अपने मायने हैं कि हम ब्राह्मण, दलित मुस्लिम में ही उलझ गए ओबीसी हमसे दूर हो गया। कांग्रेस अब महसूस कर रही है कि तमाम कोशिशों के बाद भी वह सपा व आरजेडी जैसे तमाम दलों से अल्पसंख्यकों के आधार को छीन नहीं पा रही है।

कुछ अलग

सस्ते लोन की आस

अमेरिका के टैरिफ युद्ध से उपजी वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच केंद्रीय बैंक ने सावधानी के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। शेयर बाजारों के ध्वस्त होने के बाद आर्थिक मंदी की आहट अमेरिका समेत पूरी दुनिया में महसूस की जा रही है। वैश्विक प्रतिकूलताओं के बीच केंद्रीय बैंक द्वारा हाल ही में दूसरी बार रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती अनिश्चितता के बीच सावधानी का ही संकेत है। केंद्रीय बैंक ने अब रेपो दर 6.25 से घटाकर 6 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस साल यह दूसरी बार कटौती है। जबकि पहली कटौती पांच साल बाद की गई थी। यह कदम वैश्विक अस्थिरता के प्रति रिजर्व बैंक की चिंता को ही दर्शाता है। निश्चित रूप से आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में मौद्रिक नीति समिति द्वारा समायोजन के साथ बदलती प्राथमिकताओं का संकेत दिया है। अब बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति के बजाय विकास को गति देना है। निर्विवाद रूप से केंद्रीय बैंक ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका से उपजे व्यापार तनाव और टैरिफ संकट के बीच आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है। ये हालात घरेलू स्तर पर खपत में कमी करके मंदी की आशंका बढ़ा सकते हैं। साथ ही विकास में निजी निवेश की संभावनाओं पर भी भारी पड़ सकते हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के पूर्वानुमान को संशोधित करके 6.5 फीसदी कर दिया है। जो आने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर पैदा होने वाली चिंताओं को ही रेखांकित करता है। निश्चित रूप से यह फैसला आवास और ऑटो ऋण ले चुके लोगों के लिये राहत भरी खबर है क्योंकि रेपो रेट घटने पर ऋण लेने वालों की ईएमआई घट सकती है। साथ ही यह कदम नये ऋण लेने वाले लोगों को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिलने की संभावना भी बढ़ गई है। हालांकि, उन लोगों को कुछ निराशा हो सकती है जो बैंकों में सावधि जमा राशि के जरिये जीवनयापन करते हैं। ऐसे में ब्याज दरों में गिरावट से उनका वास्तविक रिटर्न कम हो सकता है। फलतः निवेश को प्रोत्साहन देने के लिये नई रणनीति बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, रेपो दरों में कटौती मौद्रिक अनुशासन का एक जरूरी उपकरण है, लेकिन ये अंतिम रामबाण उपचार भी नहीं है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति के दबाव व मुद्रा अस्थिरता के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए। जिससे महंगाई बने रहने की चिंता भी पैदा हो सकती है। जरूरी है कि केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में की गई कटौती का लाभ बैंक यथाशीघ्र अपने ऋण लेने वाले ग्राहकों को प्रदान करें। बहरहाल, दरों की यह कटौती केंद्रीय बैंक की विकास को गति देने की मंशा को ही जाहिर करती है। लेकिन यह कदम तभी प्रभावकारी हो सकता है जब राजकोषीय उपायों और संरचनात्मक सुधारों को गति प्रदान की जाए। बहरहाल, आम आदमी के लिये यह सुखद है कि उसकी ईएमआई कम हो जाएगी। साथ ही नये लोन भी सस्ते होंगे। जिससे हाउसिंग क्षेत्र में डिमांड बढ़ेगी। साथ ही लोग रियल एस्टेट में अधिक निवेश कर सकेंगे। निश्चित रूप से इस कदम से रियल एस्टेट सेक्टर को नई ताकत मिलेगी। वहीं उद्योग जगत ने भी केंद्रीय बैंक के फैसले का स्वागत किया है। उद्योग जगत लंबे समय से ब्याज दरों में कटौती की मांग करता रहा है, जबकि केंद्रीय बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की बनी रही थी।

देश दुनिया से

संघीय कशमकश और तमिल राजनीति

विधानमंडल से पास हुए विधेयकों को रोकने की शक्ति को लेकर 2023 में, पंजाब राज्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि राज्यपाल निर्वाचित विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर समयबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए बाध्य हैं। अदालत के इस बार के फैसले ने उस समयबद्धता को परिभाषित भी कर दिया है। इससे विधानमंडल से पास हुए विधेयकों के बारे में राज्यपालों का विशेषाधिकार सीमित हो गया है। इस निर्णय का महत्व तमिलनाडु के राज्यपाल की निंदा से कहीं अधिक है। राज्यपाल अब जांच के बहाने कानून को अनिश्चितकाल तक विलंबित नहीं कर सकते। न्यायालय ने एक संवैधानिक सिद्धांत की पुष्टि की है कि राजभवनों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करना चाहिए। अब सिद्धांत यह बना है कि किसी विधेयक को जब विधानमंडल दुबारा राज्यपाल के पास भेजें, तब उसे स्वीकृति दे दी जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल को 'शीघ्रता से काम करना चाहिए' और किसी विधेयक को अनिश्चितकाल तक रोककर वे 'पॉकेट वीटो' का इस्तेमाल नहीं कर सकते। अनुच्छेद 200 को अनुच्छेद 163 के साथ पढ़ा जाना चाहिए, जो राज्यपाल को कैबिनेट की सलाह पर काम करने के लिए बाध्य करता है। यदि कैबिनेट की सलाह के विपरीत राज्यपाल किसी विधेयक को मंजूरी नहीं देते हैं या उसे सुरक्षित रखते हैं, तो उन्हें ऐसा तीन महीने के भीतर करना होगा। दोबारा पारित विधेयकों के लिए समय-सीमा घटाकर एक महीना कर दी गई है। राज्यपालों के मामले में भारत का अनुभव निराशाजनक रहा है। इस पद का दुरुपयोग लगभग सभी ताकतों ने अलग-अलग वक्त पर किया है। दिल्ली में जिसकी सरकार रही उसने राज्य सरकारों को बर्खास्त करने में राज्यपालों का सहारा लिया। दशकों से देश राज्यपालों की भूमिका को लेकर विमर्श कर रहा है, पर रास्ता अभी तक नहीं निकला है। हां, इतना जरूर हुआ कि सुप्रीम कोर्ट के बोम्मई मामले में फैसले के बाद राज्यों में सरकारों की बर्खास्तगी का चलन खत्म हो गया और सरकारों के बनने-बिगड़ने का स्वीकृत सिद्धांत बन गया। इस बार के फैसले से राज्यों की प्रशासनिक स्वायत्तता बढ़ेगी और संवैधानिक पदों का कामकाज नियंत्रित होगा, जिसका प्रभाव पूरे देश पर पड़ेगा। यह न्यायिक-हस्तक्षेप ऐसे समय में हुआ है, जब गैर-भाजपा दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों और सरकारों के बीच तनाव चरम पर है। इस संवैधानिक सफलता का राजनीतिक श्रेय एमके स्टालिन की डीएमके सरकार को जाता है, पर वहीं मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 'नीट' से छूट हासिल करने में तमिलनाडु सरकार को मुंह की खानी पड़ी है। इस मामले को लेकर भी वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटा चुके हैं, पर यह मामला उतना सरल नहीं है, जितना राज्यपालों के विशेषाधिकार का है। इस दौरान 'नीट' को लेकर कई तरह की शिकायतें सामने आई हैं, पर उच्चतम न्यायालय ने उसे लगातार बरकरार रखा है। राज्य सरकार ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है, पर संवैधानिक-व्यवस्थाएं उसके पक्ष में नहीं हैं। पिछले कुछ महीनों में तमिलनाडु सरकार ने तीन भाषा सूत्र, चुनाव-क्षेत्र परिसीमन और नीट परीक्षा जैसे मसलों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। तीनों मामलों के कारण राजनीतिक-कोलाहल तो हुआ है, पर बुनियादी तौर पर कुछ हुआ नहीं है। यह सब अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा के चुनाव की पूर्व-पीठिका तैयार कर रहे हैं। बुधवार को एमके स्टालिन की अध्यक्षता में विधायक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि तमिलनाडु सरकार चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 'नीट' से राज्य को छूट दिलाने के लिए अपना कानूनी संघर्ष जारी रखेगी। 'नीट' के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा 2023 में सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका के माध्यम से अपने प्रयासों को तेज करने के अलावा, आवश्यक हो तो एक नया मामला दायर करने के बारे में भी विधि-विशेषज्ञों से परामर्श किया जाएगा। पिछले हफ्ते ही खबर आई थी कि राष्ट्रपति ने 'तमिलनाडु अंडरग्रेजुएट मेडिकल डिग्री कोर्सेस बिल, 2021' को मंजूरी नहीं दी, जिसके बाद, मुख्यमंत्री ने विधायक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई थी। तमिलनाडु का यह विधेयक सितंबर, 2021 में विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया था। राज्यपाल द्वारा विधेयक लौटाए जाने के बाद फरवरी, 2022 में एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई थी। इसके बाद विधेयक को विधानसभा में फिर से पारित किया गया और राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया। केंद्र सरकार की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति ने इस विधेयक पर मंजूरी रोक दी। शुक्रवार 4 अप्रैल को विधानसभा में इसकी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने केंद्र सरकार पर राज्य द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'नीट' की शुरुआत के बाद, ग्रामीण और वंचित छात्रों के लिए मेडिकल कोर्स करना मुश्किल हो गया है, जो कोचिंग क्लास का खर्च नहीं उठा सकते। यह प्रणाली भविष्य में राज्य के ग्रामीण और अविकसित क्षेत्रों में प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सेवाओं को भी प्रभावित करेगी। 'नीट' को शहरी छात्रों के पक्ष में बनाया गया है, जो कोचिंग क्लास का खर्च उठा सकते हैं। यह सामाजिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है। डीएमके की दीर्घकालीन राजनीति में केंद्र से प्रतिस्पर्धा एक महत्वपूर्ण कारक है। 'नीट' से छूट हासिल करना राज्य के दशकों पुराने नीतिगत विमर्श का फिलहाल अनिर्णीत अध्याय है। केंद्रीय नीति के खिलाफ राज्य का कानून बनाने का इतना लंबा कोई अन्य प्रयास नहीं रहा है। सितंबर, 2017 में, 'नीट' विरोधी दो विधेयकों का राष्ट्रपति भवन में यही हश्र हुआ। चार साल बाद, सत्तारूढ़ डीएमके ने, जिसने 'नीट' से छूट को अपना चुनावी वादा बनाया था, जस्टिस एके रंजन कमेटी की सिफारिशों के आधार पर विधानसभा में विधेयक पारित किया। राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए इसे आगे बढ़ाने के बजाय राज्यपाल आरएन रवि ने पहले इसे पांच महीने बाद सदन को लौटा दिया।

आप का नजरिया

झूठा आश्वासन

वक्फ कानून बनाने के बाद से ही पामि बंगाल में बवाल मचा हुआ है। लेकिन शनिवार को पामि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनजा ने एक सही सवाल पूछा कि जब यह कानून राज्य में लागू ही नहीं होगा फिर हिसा क्यों हो रही है? उन्होंने राज्य वासियों से शांति बनाए रखने की अपील की। दरअसल राज्य में शांति कायम करने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनजा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के एक पोस्ट में लिखा, ''जिस कानून की बात हो रही है, वह वेंद्र सरकार ने बनाया है, राज्य सरकार से इसका कोई लेना देना नहीं है। हमने कानून का समर्थन नहीं किया और यह राज्य में यह लागू नहीं होगा।'' मजे की बात तो यह है कि मुख्यमंत्री, राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव वुमार और कानून व्यवस्था के एडीजी जावेद शमीम ने स्पष्ट रूप से कहा कि वुछ पार्टियां मुसलमानों को भड़का रही हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। सच तो यह है कि मुख्यमंत्री और उनके शीर्ष पुलिस अधिकारियों का यह आरोप बिल्वुल सही है कि वुछ लोग मुस्लिम समाज को वक्फ विधेयक के खिलाफ भड़का तो रहे हैं। किन्तु उनका यह कहना कि वक्फ विधेयक वेंद्र ने बनाया है इसलिए वह राज्य में लागू नहीं होगा, शत प्रातिशत असत्य है। आश्वासन देने का तरीका सही हो सकता है किन्तु शासन द्वारा झूठ बोलकर एक पूरी कौम को भ्रमित करना भी राज धर्म के विरुद्ध है। असल में पामि बंगाल सरकार कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों पर इस बात का आरोप लगा रही हैं कि वे मुसलमानों को वक्फ विधेयक के खिलाफ भड़का रही हैं। मुख्यमंत्री और उनके शासकीय तंत्र की आशंका सही हो सकती है किन्तु मुस्लिम समाज ममता के इस आश्वासन पर भी भरोसा नहीं करता कि संसद में पारित हुआ वक्फ विधेयक संसद में पारित होने के बाद किसी राज्य सरकार की इच्छा पर निर्भर नहीं रहता। असल में हमारे राजनेताओं की मुश्किल ही यही है कि वह झूठा आश्वासन देने के लिए भी वुतर्व का सहारा लेते हैं। उन्हें इस बात का एहसास नहीं है कि मुस्लिम समाज में भी लोगों को यह जानकारी है कि कानून बनते वैसे हैं और लागू वैसे होते हैं? हैरानी होती है कि मुस्लिम समाज से मात्र यह कहना कि जब वक्फ विधेयक में विभिन्न आपत्तिजनक प्रावधानों पर आपत्ति की समीक्षा सुप्रीम कोर्ट करने को तैयार है तो हिसक आंदोलन करने की जरूरत क्यों पड़ी। जिस तरह वक्फ कानून के खिलाफ लोगों को सड़कों पर उतारने वाले झूठ बोलकर भड़का रहे हैं, ठीक उसी प्राकार राज्य सरकार और उसका तंत्र भी झूठे आश्वासन देकर मुस्लिम समाज को हिसक झड़प से बचने की सलाह दे रहा है। हमारे राजनेताओं की प्रावृत्ति का स्थाई भाव ही बन गया है कि वे जनता को महामूर्ख समझते हैं, इसलिए मूर्ख बनाना अपना अधिकार समझते हैं। जिस विधेयक पर संसद से पारित होने पर राष्ट्रपति का हस्ताक्षर हो गया और वह राष्ट्रीय कानून बन गया इसके बावजूद किसी राज्य की मुख्यमंत्री आश्वासन दे कि उस कानून को वह अपने राज्य में लागू नहीं होने देंगी तो इस पर मात्र यही पूछा जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन अच्छा है दिन भर उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों के साथ कहीं बाहर जाने का प्रोग्राम बनेगा अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हो सकता हैं. पड़ोस में कोई विवाद होने पर आप स्वयं सकारात्मक रहें.व्यायाम करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज धरती को प्रणाम करें कर दर्शन करें , दिन बढीया बितेगा . आप अपने कारोबार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं.दिन के पीछले भाग मे कुछ आराम का व्यवहार करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आमदनी मे बढोतरी होगी पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें कार्यशैली मे बदलाव करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए.शिवजी पर काले तिल चढाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लोगों से व्यवहार करते समय चौकन्ना रहने की जरुरत हैं उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा.खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दिन मिलाझुला रहेगा लेन–देन और निवेश के मामलों में नई नीति अपना होगा . आपके आसपास चहल–पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे फिर भी सिद्धि मिलेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लाभ मिलेगा चिंता मुक्त होंगे किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो मुश्किलें ही आएगी काम नही होंगे चलती हुई व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख छात्रों के लिए समय अनुकूल हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप के काम बनेंगे आप की प्रशंसा होगी कुछ लोग आपसे प्रभावित भी हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी .उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.इससे आपको सफलता मिलेगी । कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.गाय को गेहूँ गुड और नंदी को भूसा खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य उपासना करें आरोग्यता मिलेगी सूर्य अष्टक का पाठ करें आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग हैं आज आप गुस्से और व्यवहार मे बदलाव बहुत जरुरी

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज व्यापार मे और कार्य शैली मे साथ ही साथ बिजनेस में कुछ बदलाव करना पड सकता हैं किसी खास मामले को लेकर परिवार से बातचीत हो सकती है. ऑफिस के काम या अपने किसी शौक के कारण आप व्यस्त हो सकते हैं . कुछ जिम्मेदारियां और जरूरी काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. निवेश करने या किसी को आर्थिक मदद देने के पहले सलाह कर लें. नए जमीन और वाहन खरीदने का विचार बन रहा है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आय के स्त्रोत खुले रहेंगे वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. व्यापार के कारण यात्रा सम्भव हैं नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए समय अनुकूल हैं आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे दाम्पत्यजीवन सुखमय बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बडे बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर काम आरंभ करें कार्य सिद्ध होंगे जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा..सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.सीनियर आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में पदोन्नति और प्रशंसा मिल सकती है.दोस्तों के साथ मौज–मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.शिवजी पर दूध जल चढाए।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 अप्रैल 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा प्रातः 08:27 तक
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 12:13 तक
योग : वज्र रात्रि 10:36 तक
करण : कौलव प्रातः 08:27 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से मध्यान्ह तक , डॉ अम्बेडकर जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार तारबंदी योजना पर दे रही है अनुदान

- जानवर फसल नहीं कर पाएंगे बर्बाद
- किसानों को 50% या 40 हजार तक का अनुदान

जयपुर,13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में किसानों को खेतों की सुरक्षा के लिए भी अनुदान दिया जाता है। कृषि विभाग और उद्यानिकी विभाग की तारबंदी योजना के तहत ये अनुदान दिया जाता है। दिनों विभागों ने इस योजना के आवेदन की नई गाइडलाइन जारी की है। इस बार तारबंदी योजना के नियमों में बदलाव किया गया है। इस बदलाव के अनुसार, पहले 6 बीघा भूमि होने पर ही तारबंदी योजना का लाभ मिलता था, अब सरकार ने 2 बीघा भूमि पर भी योजना का लाभ देने की घोषणा की है। ऐसे में कम जमीन वाले किसान भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे।

नीलगाय, जंगली पशुओं तथा निराश्रित पशुओं से फसलों को होने वाले नुकसान से बचाने व रोकथाम के लिए तारबंदी कार्य पर 6 बीघा (1।5 हेक्टेयर) के स्थान पर 2 बीघा (0।5 हेक्टेयर) भूमि पर अनुदान दिया जाएगा। नई गाइड लाइन के अनुसार विभाग द्वारा अधिक किसानों तक को लाभान्वित करने के लिए तारबंदी योजना में बदलाव किए हैं। इन बदलावों से किसानों को काफी फायदा होगा। किसान अधिक लाभ उठा सकेंगे वहीं विभाग को लक्ष्य प्राप्त करने में आसानी होगी। गत वर्षों में विभाग की तारबंदी के लक्ष्य पूरे नहीं होने पाने से बजट लेप्स हो जाता है।

इस योजना में अब सभी श्रेणियों के किसानों को लाभ दिया जाएगा। एक किसान के पास न्यूनतम 0।5 हेक्टेयर या 2 बीघा भूमि एक स्थान पर हो, समूह में न्यूनतम 2 किसानों के पास 0।5 हेक्टेयर भूमि होनी चाहिए। योजना में पति–पत्नी को भी अलग–अलग लाभ दिया जाएगा। किसान तारबंदी या जाल बंदी में करंट नहीं छोड़ सकते है।

कटिदार तारबंदी/ चैनलिक/वर्गाकार जाली पर भी अनुदान रहेग। अनुदान पाने के लिए जीएसटी बिल देना होग। व्यक्तिगत 0।5 हेक्टेयर पर अधिकतम 400 रनिंग मीटर तारबंदी करने पर 50% या 40 हजार रुपए तथा लघु सीमांत किसानों को 60% अधिकतम 48 हजार रुपए (8000 रुपए राज्य योजना से) दिया जाएगा। समूह में तारबंदी करने वाले सभी श्रेणियों के किसानों को 50 प्रतिशत या 40 हजार अनुदान दिया जाएगा।

जनता को बेहाल छोड़कर कलेक्टर पहुंचे कश्मीर छुट्टियां मनाने

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कलेक्टर को झूठ बोलने पर लताड़ा

करौली,13 अप्रैल (एजेंसियां)। क्लास से बंक मारकर और झूठ बोलकर केवल स्कूल तथा कॉलेज के स्टूडेंट ही तफरी नहीं करते हैं बल्कि आला अधिकारी भी ऐसा करने में पीछे नहीं है। राजस्थान में तो ऐसा करते हुए एक कलेक्टर ही पकड़े गए। करौली कलेक्टर नीलाभ सक्सेना जरुरी काम से घर जाने की छुट्टी लेकर गर्मी में कश्मीर की वादियों में तफरी करने पहुंच गए। लेकिन सूबे के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने उनका झूठ पकड़ लिया और जिला स्तरीय अधिकारियों के सामने कलेक्टर साहब की क्लास लगा डाली।

दरअसल सीएस सुधांश पंत हाल ही में सवाई माधोपुर जिले के दौरे पर पहुंचे थे। उन्होंने वहां सवाई माधोपुर और करौली के जिला स्तरीय सभी अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली थी। इस दौरान करौली के अधिकारियों को ऑनलाइन मिटिंग से जोड़ा गया। उस समय करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना अवकाश पर थे। करौली जिला कलेक्टर को भी ऑनलाइन मीटिंग से जुड़वाया गया। इस दौरान सीएस सुधांश पंत ने कलक्टर से पूछा आप कहा हो? इस पर कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने कहा सर मैं अभी जम्मू–कश्मीर हूं।

कलेक्टर बोले आपने तो होम टाउन जाने के लिए छुट्टी ली थी

बस इतना सुनते ही सीएस सुधांश पंत ने उनको लताड़ लगा डाली। पंत ने कहा कि आपने सीएस से ही झूठ बोला और छुट्टी लेकर कश्मीर पहुंच गए। आपने तो जरूरी काम से होम टाउन (लखनऊ) जाने के लिए छुट्टी ली थी। आप झूठ बोलकर जनता को गर्मी में बेहाल छोड़कर कश्मीर में घूम रहे हो। यदि जिले के लीडर ही इस तरह करेंगे तो अधीनस्थ क्या करेंगे? जनता गर्मी में पानी–बिजली से परे–शान हो रही है और आप कश्मीर में छुट्टी मना रहे हो।

सीएस का कड़ा रुख देखकर अन्य अधिकारी सन्न रह गए। वहीं कलेक्टर साहब की भी सिट्टी पिट्टी गुम हो गई। राजस्थान में इन दिनों गर्मी के कारण बिजली–पानी की खासा दिक्कत हो रही है। बिजली पानी की किल्लत से परेशान लोग सड़कों पर आ रहे हैं। सीएस पंत ने दौसा में अधिकारियों की ली बैठक के दौरान खासतौर पर पीएचईडी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसिल करते हुए साफ हिदायत दी थी कि अति आवश्यक होने पर वे जिला कलेक्टर से ही छुट्टी ले सकेंगे। लेकिन करौली में तो खुद कलेक्टर ही छुट्टी पर थे।

सरकारी स्कूल में मिला शराब का गोदाम पुलिस देखकर रह गई हैरान

भीलवाड़ा पुलिस ने स्कूल से 31 लाख की अवैध शराब जब्त की

भीलवाड़ा,13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में शराब तस्करी जोरों पर है। आए दिन पुलिस अवैध शराब से भरे ट्रक के ट्रक पकड़ती है। शराब तस्कर भी पुलिस को चकमा देने के लिए नित नए–नए तरीके अपनाते हैं। लेकिन इस बार तस्करों ने अवैध शराब को छिपाने के लिए जो ठिकाना चुना उसे देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। भीलवाड़ा जिले में तस्करों ने अवैध शराब को एक बंद पड़े स्कूल में छिपा दिया। पुलिस ने जब स्कूल को खुलवाकर देखा तो उसमें करीब 31 लाख रुपये की अवैध शराब मिली। पुलिस ने इस शराब को जब्त कर लिया है।

भीलवाड़ा के करेड़ा थानाधिकारी पूरणमल ने बताया कि शनिवार को इलाके के शिवपुर गांव में देवीलाल मेवाड़ा के फार्म हाउस पर हरियाणा निर्मित शराब की ट्रक खाली होने की सूचना मिली थी। मुखबिर की सूचना पर करेड़ा थाना पुलिस और डीएसटी ने संयुक्त रूप से वहां छापा मारा। लेकिन वहां कुछ नहीं मिला। इस बीच पुलिस को बंद पड़े स्कूल भवन में शराब छिपाई हुई होने की सूचना मिली। इस पर पुलिस ने वहां के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की तलाश ली।

तलाशी के दौरान स्कूल के एक बंद कमरे में भारी मात्रा में अवैध शराब भरी हुई मिली। पुलिस ने वहां से हरियाणा निर्मित विभिन्न ब्रांड की शराब के 353 कार्टन बरामद किए। स्कूल में बनाए गए इस शराब के गोदाम को देखकर सभी हैरान रह गए। स्कूल से जब्त की गई शराब का बाजार मूल्य करीब 31 लाख 1760 रुपये है। जांच में सामने आया कि मर्ज होने के कारण यह स्कूल बंद कर दिया गया था। तस्करों ने इसी बात का फायदा उठाया और वहां अवैध शराब का ट्रक खाली करवा दिया।

शराब तस्करों को लगा कि स्कूल भवन होने के कारण किसी को शक नहीं होगा। लेकिन मुखबिर ने उनके प्लान पर पानी फेर दिया। अब पुलिस शराब तस्करों का पता लगाने में जुटी है। यहां यह शराब किसने रखवाई इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस पूरे मामले की कड़ी से कड़ी जोड़ने में लगी है। इस मामले में स्थानीय लोगों की मिलीभगत से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

खाटूश्यामजी जा रहे परिवार की कार ट्रेलर से टकराई, 5 लोगों की मौत

जयपुर,13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा–मनोहरपुर हाईवे पर आज सुबह–सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया है। यहां जमवारामगढ़ इलाके में एक ट्रेलर और कार में आमने–सामने से जबर्दस्त भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद दोनों वाहन पलट गए। हादसे में कार में सवार पांचों लोगों की मौत हो गई। ये सभी एक ही परिवार के थे और खाटूश्यामजी के दर्शनों के लिए जा रहे थे। ये सभी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शवों को कार से निकलवाकर उनको स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

जानकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब सवा आठ बजे दौसा–मनोहरपुर हाईवे पर स्थित नेकावाला टोल प्लाजा के पास हुआ। ट्रेलर और कार दोनों आमने सामने से इस कदर भिड़े कि वहां तेज धमाका हुआ। उसके बाद दोनों वाहन खाई में पलट गए। हादसा होते ही वहां लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने पुलिस को सूचित किया अपने स्तर पर लोगों को बचाने का प्रयास शुरू कर दिया। कार में पांच लोग सवार थे। ये लोग यूपी से खाटूश्यामजी दर्शन करने जा रहे थे।

कार पलटने से पांचों लोग उसमें बुरी तरह से फंसकर रह गए। इस बीच पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बाद में पुलिस और लोगों ने मिलकर कार में फंसे घायलों को जैसे तैसे करके बाहर निकाला। लेकिन तब तक दो लोगों की मौत हो चुकी थी। बाद में पुलिस ने मृतकों और घायलों को तत्काल स्थानीय अस्पताल में पहुंचाया। वहां तीनों घायलों को भी मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक मासूम बच्चा शामिल है। पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त कर उनके परिजनों को सूचित किया। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत से उनके परिजन बहदवास हो गए और वे अस्पताल दौड़े। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस वाहनों को खाई से निकलवाने में जुटी है।

हरियाणा में गर्मी से अस्पतालों में मरीजों की बढ़ी संख्या!

दस्त, बुखार और उल्टी के मरीजों की संख्या अधिक

अंबाला,13 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा में इन दिनों मौसम ने करवट ली है और अप्रैल माह की शुरुआत से ही लगातार गर्मी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। वहीं बदलते मौसम के कारण लोगों को काफी परेशानी शुरू हो रही हैं, तो दूसरी तरफ हस्पतालो में भी जझऊ में मरीजों की लगातार संख्या बढ़ रही हैं। बता दें कि बढ़ती गर्मी के साथ साथ ज्यादतर मरीज उलटी,दस्त व फीवर के ही निकलकर सामने आ रहे हैं। क्योंकि इस मौसम मे ज्यादातर लोग लापरवाई करते हैं और जिस कारण उन्हें ये परेशानी झेलनी पड़ती है।

हस्पताल में अपनी पत्नी का इलाज करवाने आये एक प्रीतम सिंह ने बताया कि मौसम बदलने के कारण उनकी पत्नी को दस्त लग गए हैं और जिसका इलाज करवाने के लिया वह नागरिक अस्पताल आए हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक हस्पताल काफी अच्छा है और मरीजों का इलाज भी डॉक्टर सही तरह से कर रहे हैं। वहीं उन्होंने बताया कि सरकारी हस्पतालों मे भी ज्यादातर मरीज पहुंचे रहे हैं, जहाँ पर डॉक्टर्स इलाज के साथ–साथ उन्हें इस गर्मी से बचाव की भी सलाह दे रहे हैं।

ज्यादा जानकारी देते हुए नागरिक हस्पताल के डॉक्टर जितेंद्र चौहान ने बताया कि बढ़ती गर्मी के कारण यहाँ मरीजों की संख्या बढ़ रही है, और ज्यादातर मरीज लूज़ मोशन व फीवर के आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मौसम में सबसे पहले तो अपने आपको बचाना चाहिए, क्योंकि सबसे ज्यादातर लू लगने का खतरा रहता हैं, जिससे फीवर हो सकता हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में हमें बासी खाना व कटे हुए फल वगैरह खाने से बचना चाहिए, क्योंकि इसके कारण भी हम बीमार हो सकते हैं।

बारिश और ओले गिरने से 2 लोगों की मौत

मंडियों में भीगी गेंहू, 4 जिलों में ओलावृष्टि के बाद मौसम हुआ सुहावना

चंडीगढ़,13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर भारत में मौसम के करवट बदलने के बाद हरियाणा में बारिश और ओले गिरे हैं। यहां पर बिजली गिरने से दो लोगों की मौत भी हो गई। वहीं, अनाज मंडियों में बारिश के पानी में गेंहू की फसल भीगने से किसानों को खासा नुकसान हुआ। शुक्रवार को प्रदेश के कई इलाकों में बादल छाए हुए हैं। वहीं, कुछ जगह हल्की धूप भी निकली है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार दिन और शाम के बाद हरियाणा के कुछ इलाकों में बारिश हुई। इस दौरान जींद, कैथल और सोनीपत में ओले भी गिरे। उधर, फतेहाबाद में आसमानी बिजली गिरने से मां की मौत हो गई, जबकि 13 साल की बेटी घायल है। रेवाड़ी के धारूहेड़ा में आंधी में पोल गिरने से युवक की मौत हो गई।

टोहाना विधानसभा के गांव नागला में में बिजली गिरने की यह घटना सामने आई। घटना के समय महिला और उसकी 13 वर्षीय बेटी खेत से चने इकट्ठा कर घर लौट रही थीं। अचानक मौसम खराब हो गया और तेज हवाओं के साथ बिजली गरजने लगी और बारिश से बचने के लिए दोनों एक पेड़ के नीचे खड़ी हो गईं। तभी पेड़ पर बिजली गिर गई, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई और बेटी घायल हो गई। घायल बेटी को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। महिला के पति सुभाष ने बताया कि उनकी पत्नी और बेटी खेत में चने इकट्ठा कर रही थीं। मौसम खराब होता देख वे घर लौट रही थीं, लेकिन रास्ते में तेज बारिश आ गई। बारिश से बचने के लिए वे एक पेड़ के नीचे खड़ी हो गईं, तभी बिजली गिरने से उनकी पत्नी की मौत हो गई और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई।

चरखी दादरी में अनाज मंडी में हजारों क्विंटल अनाज खराब मौसम के बीच खुले में पड़ा हुआ है। बीती रात बारिश होने से गेहूं और सरसों की ढेरियां और बैग भीग गए। गुरुवार को श्रमिक ढेरियों और बैग के पास से पानी निकालते नजर आए। हालांकि, मार्केट कमेटी के अधिकारी अनाज के ज्यादा नहीं भीगने और तिरपाल तेज हवा में उड़ने की बात कहकर आढ़तियों का बचाव करते दिखे। वहीं, धीमी गति से उठान होने के कारण मंडी में लगातार परेशानियां बढ़ रही हैं।गौरतलब है कि चरखी दादरी सहित प्रदेश के अन्य जिलों में गेहूं और सरसों की आवक जोरों पर है। क्षेत्र के किसान बनाए गए खरीद केंद्रों पर एमएसपी के तहत सरकारी खरीद में फसल बेचने के लिए संबंधित मंडी और खरीद केंद्रों पर पहुंच रहे हैं।

विनेश ने इनाम की राशि से खेल अकादमी बनाने की बनाई योजना

चंडीगढ़,13 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद के जुलाना से कांग्रेस विधायक और पूर्व ओलंपिक कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट को सरकार ने पेरिस ओलंपिक में बढ़िया प्रदर्शन करने के लिए चार करोड़ रुपये और प्लॉट इनाम में दिया है। सरकार ने विनेश को चार ऑप्शन दी थी, जिसमें से अब विनेश ने नकद राशि और प्लॉट का विकल्प चुना है। वहीं, इस चार करोड़ रुपये की राशि को लेकर विनेश ने अपनी अगली प्लानिंग भी शेयर की है। साथ ही सरकार का भी आभार जताया है।

विनेश फोगाट ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा कि खिलाड़ी की मेहनत को सम्मान मिले–यही असली जीत है। मुझे जनता ने बहुत कुछ दिया है–प्यार, सम्मान, विश्वास, हिम्मत और हौंसला। अब वक्त है इस सबका ऋण चुकाने का।आगे विनेश लिखती हैं कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते और जिस संघर्ष का मैं हिस्सा रही हूँ, उसे देखते हुए मेरी ज़िम्मेदारियाँ अब सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि उन हज़ारों सपनों की हैं जो खेल के ज़रिए एक सुरक्षित वातावरण में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।। यह हमेशा मेरा सपना रहा है कि मैं अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाएं और अच्छा खेल वातावरण दे सकूँ। अब वह समय आ गया है। सर्व–समाज और हरियाणा सरकार द्वारा मुझे ओलंपिक्स में मेरे प्रदर्शन के लिए जो मान–सम्मान दिया गया है मैं उसके लिए हमेशा आभारी रहूँगी।विनेश ने कहा कि सरकार द्वारा दी जाने वाली यह पुरस्कार राशि केवल एक इनाम नहीं है–यह एक अवसर है, एक ज़रिया है उस सपने को साकार करने का, जो मैं सालों से देखती आ रही हूँ। इसलिए इस पुरस्कार राशि का उपयोग अंतरराष्ट्रीय लेवल की खेल एकेडमी की स्थापना में किया जाएगा, जहाँ युवा खिलाड़ी बेहतरीन संसाधनों के साथ अपनी प्रतिभा को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकें। एक ऐसी अकैडमी जहाँ युवा खिलाड़ी न सिर्फ संसाधनों की कमी से मुक्त हों, बल्कि उन्हें वो सम्मान और प्रेरणा भी मिले जो हर मेहनती खिलाड़ी का अधिकार है। इसीलिए मुझे आप सब के सहयोग की ज़रूरत पड़ेगी, क्योंकि यह सिर्फ मेरा नहीं, हम सबका सपना है और इसे पूरा करना भी हम सबकी ज़िम्मेदारी है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें

करणी सेना के अध्यक्ष ने किया सपा को धूल चटाने का आह्वान

तुम्हें राम की सौगंध है, सपा का सफाया करना है

आगरा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन द्वारा महावीर राणा सांगा के खिलाफ दिए गए बयान पर करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने आने वाले विधानसभा चुनाव में सपा को ध्वस्त करने का क्षत्रियों से आह्वान किया है। उन्होंने अपनी अपील में राम के वंशज क्षत्रियों को राम की सौगंध दिलाते हुए वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को पराजित करने की अपील की। करणी सेना ने सपा सांसद के खिलाफ कल आगरा में रक्त स्वाभिमान सम्मेलन का आयोजन किया था, जिसमें पूरे देश से लाखों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में वक्ताओं ने शूरवीर राणा सांगा के जीवन पर प्रकाश डाला और उन पर बेजा टिप्पणी करने वाले सपा सांसद की भर्त्सना की। डॉ. राज सिंह शेखावत ने कहा कि हम पूर्वजों का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। सुमन के माफी मांगने पर भी माफ नहीं करेंगे। इसका बदला लिया जाएगा। उन्होंने क्षत्रियों से कहा कि रामजीलाल सुमन जिस गांव में जाएं, वहां एक भी क्षत्रिय हो तो बदला जरूर लें।

करणी सेना के दिवंगत राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी शीला गोगामेड़ी ने कहा कि हमारी रगों में राणा सांगा और महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों का रक्त है। हमारे इतिहास के बारे में जो हाथ उठेगा वह काट दिया जाएगा, जो सिर उठेगा वह भी काटा जाएगा। शाम चार बजे के बाद ओकेंद्र राणा बुलेट से पगड़ी पहनकर फिल्मी अंदाज में सम्मेलन में पहुंचे तो युवाओं ने घेर लिया। किसी तरह मंच तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि हम राम के वंशज हैं। तुम्हें राम की सौगंध है, सपा का सफाया करना है। उन्होंने कहा कि सांसद पुलिस के घेरे में दुबक गया है।

प्रतापगढ़ के राजा भैया तो सम्मेलन में नहीं पहुंचे मगर उनके जनसत्ता दल के एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह ने कहा कि महापुरुष किसी जाति के नहीं होते हैं। उन्हें जाति बंधन में नहीं बांधना चाहिए। राजा भैया आपके साथ हैं। भाजपा विधायक धर्मपाल ने कुछ बोलने से परहेज किया मगर आयोजक उनके एक इशारे पर सम्मेलन समाप्त करने पर सहमत हो गए। इससे साफ है कि आयोजन के पीछे केवल जयंती मनाना ही नहीं बल्कि राजनीतिक उद्देश्य भी रहा।

वाराणसी गैंग-रेप का मामला

बड़े सेक्स रैकेट का पर्दाफाश

वाराणसी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी में छात्रा से गैंगरेप के मामले ने अब एक बड़े सेक्स रैकेट का रूप ले लिया है। पुलिस ने इस केस में अब तक 12 आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनके 14 मोबाइल फोन से 546 लड़कियों के न्यूड और आपत्तिजनक वीडियो बरामद हुए हैं। ये वीडियो व्हाट्सएप के जरिए उत्तर प्रदेश समेत महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में शेयर किए गए थे। वहीं, पीड़िता की हालत खराब बताई जा रही है। लगातार नशे की वजह से वो पीलिया की शिकार हो गई है।

रैकेट के सरगना अनमोल गुप्ता (कांटिनेंटल कैफे का मालिक) के कब्जे से दो आईफोन बरामद हुए हैं, जिनमें कैफे के अंदर तैयार किए गए अश्लील वीडियो, आपत्तिजनक तस्वीरें और ग्राहकों का पूरा डेटा मौजूद है। अनमोल गुप्ता इन वीडियो का इस्तेमाल नए ग्राहकों को जोड़ने और पुराने ग्राहकों को बनाए रखने के लिए करता था। पुलिस ने बताया कि अब तक गिरफ्तार 12 में से अधिकांश आरोपी ड्रग एडिक्ट हैं। पूछताछ में पता चला कि इन युवकों को नशे की लत अनमोल गुप्ता ने ही लगवाई। छात्रा ने जिन लड़कों की पहचान की, पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मोबाइल से मिले कंटेंट की फोरेंसिक जांच आगरा की विधि विज्ञान प्रयोगशाला में की जा रही है। छात्रा की हालत अभी भी मानसिक रूप से अस्थिर है। उसे बार-बार ड्रग्स दिया गया था, जिससे उसका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। डॉक्टर की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है और पुलिस सुरक्षा में उसे घर भेजा गया है। इस बीच, उसे हेपेटाइटिस-बी की शिकायत हो चुकी है, जिसकी वजह से उसकी हालत बेहद खराब हो गई है।

इस मामले में तीन और आरोपित रेहान, जाहिर और मोहम्मद रजा भी पकड़े गए हैं, जो सीधे अनमोल के कैफे से जुड़े थे। पूछताछ में उन्होंने कबूल किया कि नशे में धुत होकर उन्होंने भी छात्रा के साथ ज्यादती की। जांच में यह भी सामने आया है कि अनमोल का पिता शरद गुप्ता भी पुराना सेक्स रैकेट संचालक है और दोनों पहले भी गिरफ्तार हो चुके हैं। तीन थानों की पुलिस ने बीते 72 घंटों में 41 से अधिक ठिकानों पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की है। चेतगंज एसीपी गौरव कुमार के नेतृत्व में स्पा सेंटर, कैफे होटल, ड्रिंक हाउस, और हुक्का बार पर छापे मार रही हैं। पुलिस अब तक 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाल चुकी है और जांच लगातार जारी है।

कांग्रेस ने अंबेडकर का अपमान किया: सीएम योगी

कुछ लोग वक्फ के नाम पर भड़का रहे हिंसा

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। सीएम योगी ने कहा कि 1976 में कांग्रेस ने संविधान में संशोधन किया। एक ऐसा शब्द जोड़ा, जिसके खिलाफ बाबा साहब ने खुद तर्क दिए थे। डॉ. अंबेडकर का अंतिम संस्कार बौद्ध रीति-रिवाजों के अनुसार किया गया था। उनका अंतिम संस्कार महाराष्ट्र के मुंबई शहर में चैतन्य भूमि पर हुआ था। लखनऊ में रविवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस द्वारा बाबा साहेब का अपमान किए जाने की बात कही।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने अंबेडकर का अंतिम संस्कार दिल्ली में नहीं होने दिया था। इस पुरानी पार्टी ने भारतीय संविधान के निर्माता का स्मारक बनाने से मना कर दिया था। इन्हीं लोगों ने बाबा साहब अंबेडकर को चुनाव हारने दिया। उनके महा परिनिर्वाण के बाद स्मारक भी नहीं बनने दिया। मुख्यमंत्री ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर भी विपक्ष को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि वक्फ के नाम पर हजारों एकड़ जमीन कब्जा की गई है। वक्फ के पास उसका कोई राजस्व रिकॉर्ड नहीं है। अब जब कार्रवाई हो रही है तो कुछ लोग हिंसा भड़का रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में घर से घसीटकर तीन हिंदुओं की हत्या कर दी गई। यूपी में आज जो लोग दलित हितैषी होने की बात कहते हैं। इन्हीं के पार्टियों से जुड़े लोगों ने गरीब, वंचितों और दलितों की सबसे ज्यादा जमीनें कब्जा की हैं।

दलित, शोषित और वंचितों के लिए नई उम्मीदों का दौर बना योगी का कार्यकाल

सामाजिक न्याय का बाबा साहब का सपना पूरा कर रही योगी सरकार

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सामाजिक न्याय के सिद्धांत को प्रेरणापुंज मानकर कार्य कर रही योगी सरकार ने पिछले 8 वर्षों में उत्तर प्रदेश में न केवल 6 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने में सफलता प्राप्त की है, वरन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के उत्थान के लिए कई उल्लेखनीय कदम भी उठाए हैं। शिक्षा, रोज-गार, आवास और सामाजिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में किए गए प्रयासों ने इन समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। दलितों, पिछड़ों और वंचितों के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारकर न केवल इन वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ा है, बल्कि उनके आत्मसम्मान और आर्थिक स्वावलंबन को भी बढ़ावा दिया है। सरकार की योजना है कि दलित, शोषित और वंचित परिवारों को ऐसी आर्थिक गतिविधियों के साथ जोड़ा जाए, जिससे प्रतिवर्ष कम से कम 1.25 लाख की आमदनी सतत तरीके से हो सके।

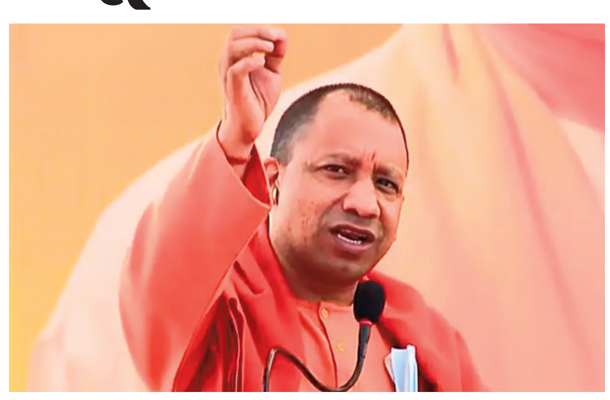

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा को शेरनी का दूध बताया था। उनके कथन की महत्ता को समझते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुसूचित जाति और जनजाति के बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। शिक्षा से वंचित ऐसे छात्र-छात्राओं की स्कॉलरशिप राशि में वृद्धि को सरकार की बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है। प्रदेश के गरीब और प्रतिभावान बच्चों को मुफ्त शिक्षा, किताबें, यूनिफॉर्म से लेकर थारू, कोल और मुसहर जैसी जनजातियों के बच्चों के लिए भी विशेष ध्यान दिया गया, जिससे उनकी पढ़ाई बिना रुकावट जारी रह सके। इसके साथ ही श्रमिकों के बच्चों के व्यवस्थित पठन पाठन के लिए प्रत्येक मंडल में सर्व सुविधायुक्त अटल आवासीय विद्यालय की चर्चा आज पूरे देश में हो रही है। वहीं इसके अलावा पहले चरण में 57 जनपदों में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय, उसके बाद सभी 350 तहसीलों में और फिर समस्त 825 विकास खंड में इस तरह के विद्यालयों की स्थापना भी अनुसूचित जाति और जनजाति के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के द्वार खोलेंगे। यह प्रयास शिक्षा के जरिए सामाजिक समानता की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है।

रोजगार के क्षेत्र में योगी सरकार ने एससी एसटी समुदायों के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत युवाओं को उद्योग और सेवा क्षेत्र में 25 लाख तक का ऋण और 25% सब्सिडी दी जा रही है। अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से छोटे व्यवसाय जैसे दुकान, टेलरिंग, और लॉन्ड्री के लिए ब्याज-मुक्त ऋण और अनुदान दिए गए। बाबा साहब अंबेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना ने गरीब परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद की। इन कदमों से हजारों युवाओं को नई राह मिली है। वहीं योगी सरकार ने एससी-एसटी समुदायों के लिए आवास और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष जोर दिया। भूमिहीन परिवारों को जमीन का पट्टा और प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान दिए गए।

इसके अलावा 1.86 करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन और 5 करोड़ आयुष्मान कार्ड में इन समुदायों को विशेष प्राथमिकता दी गई। राशन और पेंशन कार्ड से वंचित लोगों योजना का लाभ दिलाने के लिए सरकार के प्रयास को सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

प्रदेश में अनुसूचित जाति और जनजाति के खिलाफ होने वाले अत्याचारों को रोकने के लिए योगी सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत पीड़ितों को 22,500 से 8,25,000 रुपए तक की आर्थिक सहायता तुरंत दी जाती है। वहीं छुआछूत के खिलाफ नागरिक अधिकार संरक्षण कानून को भी यूपी में प्रभावी ढंग से लागू किया गया। इन कदमों से समाज में डर का माहौल खत्म हुआ और कमजोर वर्गों को सुरक्षा मिली है। इसके साथ ही योगी सरकार ने एससी-एसटी समुदायों की संस्कृति और पहचान को संरक्षित करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। लखनऊ में जनजातीय संग्रहालय के लिए बजट आवंटित किया गया, जो इन समुदायों की विरासत को सहेजेगा। थारू, मुसहर और सहरिया जैसी जनजातियों के लिए विशेष योजनाएं शुरू की गईं, जिनसे उनका सामाजिक और आर्थिक पुनरुद्धार हुआ। वृद्धाश्रमों में भी एससी-एसटी बुजुर्गों को मुफ्त भोजन और चिकित्सा सुविधाएं दी जा रही हैं, जिससे उनकी जिंदगी में सम्मान बढ़ा है।

खालसा पंथ के स्थापना दिवस बैसाखी पर सीएम योगी ने दी बधाई

सिखों ने अपने पराक्रम से हमेशा देश और धर्म की रक्षा की: योगी

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खालसा पंथ के स्थापना दिवस और बैसाखी पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। याहियागंज स्थित गुरुद्वारे में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी ने 1699 में खालसा पंथ की स्थापना कर देश और धर्म की रक्षा का संदेश दिया था। सीएम योगी ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना करने का उद्देश्य था कि सकल जगत में खालसा पंथ जागे, जगे धर्म हिंदू, सकल भंड भाजे। गुरु गोविंद सिंह जी ने औरंगजेब के क्रूर शासन के खिलाफ पंज प्यारों के साथ खालसा पंथ की नींव रखी। मुख्यमंत्री ने गुरु गोविंद सिंह जी महाराज द्वारा स्थापित खालसा पंथ के 325 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि सिख समुदाय ने हर विपरीत परिस्थिति में अपने शौर्य और पराक्रम से देश-धर्म की रक्षा की। उन्होंने गुरु नानक देव जी से शुरू हुई सिख परंपरा को विश्व में अनुपम बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब एक तरफ क्रूर औरंगजेब का शासन था, अत्याचार की पराकाष्ठा थी, जजियाकर के जरिए हिन्दुओं को पूरी तरह से इस्लाम में बदलने की क्रूर चाल थी, मंदिरों को तोड़ा जा रहा था और बहन बेटियों की इज्जत पर सरेआम हाथ डाला जा रहा था, उस समय अपने एक लाख शिष्यों के साथ देश और धर्म पर मंडरा रही इस ज्वलंत समस्या के खिलाफ प्रभावी शंखनाथ करने का कार्य दशमेश गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने किया। उन्होंने इसका नाम खालसा रखा। खालसा का मतलब, परमात्मा के विशेष जन, जो पूर्ण निर्मल मन से कार्य कर सकें। उनके उपदेश आज भी हमारे लिए प्रेरणा हैं। केवल सिखों के लिए नहीं बल्कि हर भारतीय के लिए प्रेरणा है। सीएम योगी ने कहा कि सिख कहीं भी होगा वह बिना झुके बिना डिगे अपने पथ पर आगे बढ़ता है इसीलिए सरदार कहलाता है।

सीएम योगी ने तराई और पंजाब में हो रहे धर्मांतरण की घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी ने बिना भेदभाव के पंज प्यारे चुने थे। गुरुद्वारों में आज भी हर व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के लंगर मिलता है, फिर भी धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। इसे रोकने और इसके कारणों का निवारण करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने पंज प्यारों का जिक्र करते हुए बताया कि लाहौर के दयाराम, दिल्ली के धर्मदास, द्वारका के मोहकम चंद, जगन्नाथ पुरी के हिम्मत राय और बीदर के साहेब चंद के रूप में बिना किसी भेद-भाव के खालसा पंथ की स्थापना की गई थी। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह को शहीद पिता का पुत्र और शहीद पुत्रों का पिता बताते हुए उनके बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के बंदे जहां कहीं भी गए हैं, उन्होंने अपने जज्बे, संघर्ष, शौर्य और पराक्रम से अपना लोहा मनवाया है।

मुख्यमंत्री ने तराई क्षेत्र के सिख युवाओं के विदेश पलायन पर भी चिंता जताई और कहा कि सिख समुदाय ने मलेरिया प्रभावित इस क्षेत्र को उपजाऊ बनाया, लेकिन अब इसे और मजबूती देने की जरूरत है। उन्होंने युवाओं से गुरु परंपरा के उपदेशों का पालन कर पुरुषार्थ के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिस पराक्रम और पुरुषार्थ के लिए गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी हमें उससे भागना नहीं है। जो भी कौम अपने पुरुषार्थ से डिगेगी उसके सामने संकट आएगा। हमें गुरु परंपरा के साथ उनके उपदेशों का अक्षरशः पालन करना चाहिए।

सीएम ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों की स्मृति में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस पूरे देश में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास से हुई थी, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं जयंती पर उत्तर प्रदेश में भव्य आयोजन की योजना है। राज्य सरकार के स्तर पर क्या क्या कार्यक्रम होने हैं, इसे लेकर प्रदेश की गुरुद्वारा कमेटी को व्यापक रूपरेखा तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर, गुरु गोविंद सिंह, चारों साहिबजादों और सिख योद्धाओं का बलिदान उनके स्वयं के लिए नहीं था, देश और धर्म के लिए था।

बिजली निजीकरण के खिलाफ 16 अप्रैल से चलेगा अभियान

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने निजीकरण पर मुख्य सचिव के बयान पर आपत्ति जताई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि दिल्ली, ओड़ीशा, चंडीगढ़ में निजीकरण सफलता की कहानी नहीं है बल्कि सार्वजनिक संपत्ति की लूट की कहानी है। समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा कि निजीकरण के विरोध में 16 अप्रैल से व्यापक जनसंपर्क किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि बिजली कर्मचारी किसी भी कुर्बानी के लिए तैयार हैं लेकिन निजीकरण के नाम पर उत्तर प्रदेश में किसी भी कीमत पर सार्वजनिक संपत्ति की लूट नहीं होने देंगे। ओडिशा के विद्युत नियामक आयोग के पूर्व अध्यक्ष उपेंद्रनाथ बेहरा को बैठक में बताना चाहिए था कि निजीकरण होने के 17 साल बाद ओड़ीशा के विद्युत नियामक आयोग ने वर्ष 2015 में तीनों निजी कंपनियों के लाइसेंस अक्षमता और भारी भ्रष्टाचार के चलते रद्द कर दिए थे। क्या यही सफलता की कहानी है? उन्होंने कहा कि असली सुधार सरकारी क्षेत्र में ही हुआ है। चंडीगढ़ का विद्युत विभाग लगातार मुनाफा कमा रहा था। सालाना मुनाफा लगभग 200 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष का था। करीब 22 हजार करोड़ रुपए की चंडीगढ़ विद्युत विभाग की परिसंपत्तियों को मात्र 871 करोड़ रुपए में बेच दिया गया। क्या यह सफलता की कहानी है? कुछ ऐसा ही दिल्ली में हुआ। दिल्ली में निजीकरण होने के समय कंपनी में 5431 कर्मचारी थे। एक वर्ष के अंदर ही 1970 कर्मचारियों को जबरन सेवानिवृत्ति दे दी गई। कर्मचारियों का क्लेम भुगतान नहीं किया गया।

बेंगलूरू ने राजस्थान को नौ विकेट से पीटा, सॉल्ट और कोहली ने जड़े अर्धशतक

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)।

आईपीएल 2025 के 28वें मैच में आरसीबी ने राजस्थान रॉयल्स को उसी के घर में 9 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने राजस्थान रॉयल्स की टीम उतरी और उसने बोर्ड पर 173 रन लगाए। जवाब में आरसीबी ने इस टारगेट को चेज करने में सिर्फ 17.1 ओवर लिए। आरसीबी के लिए इस मैच में फिल साल्ट ने 65 रन की पारी खेली, वहीं विराट कोहली ने नाबाद 62 रन बनाए।

हालांकि राजस्थान की टीम को विराट का विकेट पहले ही मिल जाता लेकिन रियान पराग की एक गलती ने ये मौका छीन लिया।रियान पराग ने विराट कोहली का एक आसान कैच छोड़ दिया।

यह कैच संदीप शर्मा के ओवर में छूटा। इस वजह से कोहली को आउट करने का एक सुनहरा मौका हाथ से निकल गया। बाद में यशस्वी जायसवाल की शानदार बल्लेबाजी और रियान पराग के साथ उनकी साझेदारी की बदौलत ठठ ने 173 रन बनाए।

संदीप शर्मा की गेंद पर विराट कोहली ने एक शॉट खेला।

गेंद हवा में ऊंची गई। रियान पराग मिड-ऑन से दौड़कर आए और कैच लेने की कोशिश की। लेकिन, वे कैच नहीं पकड़ पाए। यह एक आसान कैच था, पर पराग ने इसे छोड़ दिया। इससे वे निराश दिखे।

उन्होंने तुषार देशपांडे से कुछ बातें भी कीं। तुषार भी गेंद की तरफ आ रहे थे, लेकिन फिर पीछे हट गए।संदीप शर्मा ने खझङ में कोहली को 7 बार आउट किया है। वे लगभग आठवीं बार उन्हें आउट करने वाले थे। लेकिन, कैच छूटने की वजह से कोहली बच गए और उन्होंने दो रन बना लिए। पराग, जो कोहली को अपना आदर्श मानते हैं, कैच छोड़ने के बाद हैरान दिखे। सोशल मीडिया पर फैंस ने इस घटना पर खूब प्रतिक्रिया दी। अगर इस कैच को पराग पकड़ लेते तो आरसीबी की टीम के ऊपर दवाब आ सकता था और कहीं ना कहीं इस मैच में राजस्थान की टीम वापसी कर सकती थी।

न्यूज ब्रीफ

धवन के घर पहुंची सोफी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन पिछले कुछ समय से एक विदेशी युवती के साथ नजर आते रहे हैं जिससे उनके अफेयर की चर्चाओं को भी बल मिला है। इसके बाद सामने आया कि ये युवती आयरलैंड की सोफी शाइन है। अब धवन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें सोफी उनसे कह रही है कि मुझे आपके पास रहना है। धवन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और आमतौर पर अपने वीडियो साझा करते है। अब उन्होंने सोफी के साथ एक रील साझा की है। इस दौरान सोफी वीडियो बनाती दिखी। इस दौरान वह धवन से कहा रही हैं, मेरा यहां से जाने की मन नहीं, मुझे आपके पास रहना है। धवन ने कुछ दिन पहले ही बताया था, हाँ, मैंने आगे बढ़ने का फैसला कर लिया है। मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं प्यार में बदकिस्मत था बल्कि, मेरे चुनाव अनुभवहीनता से आए थे पर अब मेरे पास अनुभव है और यह काम आएगा। यह मेरे लिए एक सीखने का दौर था. गौरतलब है कि सोफी एक आयरिश प्रोडक्ट कंसल्टेंट हैं। वहीं धवन ने क्रिकेट के सारे फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है और अब वह विज्ञापनों के अलावा क्रिकेट कमेंट्री के साथ ही कई अन्य काम करते हैं।

शमी आईपीएल में सबसे अधिक रन देने वाले दूसरे गेंदबाज बने

हैदराबाद। अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड बना है जिससे वह भूलना चाहेंगे। पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए शमी आईपीएल में सबसे अधिक रन देने वाले दूसरे तेज गेंदबाज बने हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में शमी की गेंदों की जमकर पिटाई हुई और 4 ओवर में ही 75 रन निकल गये जबकि उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। मार्कस स्टॉयनिस ने उनके अंतिम ओवर में लगातार 4 छक्के लगाए। शमी ने अपने अंतिम ओवर में 27 रन दिये। यह आईपीएल के अब तक के इतिहास में दूसरी सबसे महंगी गेंदबाजी है। अब तक आईपीएल में 4 ओवर के स्पेल में सबसे अधिक रन देने के मामले में जोफ्रा आर्चर पहले नंबर पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले आर्चर ने इसी साल हैदराबाद के खिलाफ 76 रन दिये थे। शमी से पहले आईपीएल में सबसे अधिक रन लुटाने वाले भारतीय गेंदबाज मोहित शर्मा थे। मोहित ने पिछले साल गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हुए 4 ओवर में ही 70 रन दे दिये थे। तब शमी उनकी ही टीम में शामिल थे। वहीं इस बार शमी शमी गुजरात टाइटंस की जगह पर सनराइजर्स हैदराबाद से खेल रहे हैं।

काव्या ने अभिषेक की मां को गले लगाया

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली पारी से बेहद उत्साहित हैं। अभिषेक ने 141 रनों की आक्रामक पारी खेलकर सनराइजर्स को पंजाब किंग्स के खिलाफ बड़ी जीत दिलायी है। इस मैच में सनराइजर्स को जीत के लिए 246 रनों का बड़ लक्ष्य मिला था जो उसने आसानी से हासिल कर लिया। इसी को देखकर काव्या अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पायीं और उन्होंने अभिषेक की मां को गले से लगा लिया। इसपर उन्होंने भी काव्या को खुशी में हाथ चूम कर बधाई दी। अभिषेक ने इस मैच में 55 गेंदों पर ही 141 रन बना दिये थे। इस प्रकार 245 रन बनाने के बाद भी पंजाब की टीम ये मैच हार गयी। वहीं 4 लगातार हार के बाद हैदराबाद को पहली जीत मिली। काव्या ने अभिषेक के माता-पिता मंजू शर्मा और राज कुमार शर्मा को जाकर गले से लगा लिया। जब काव्या ने अभिषेक की मां को गले से लगाया तो उन्होंने भी प्यार से उनके हाथ को चूमा।

मुंबई ने दिल्ली को 12 रन से हराया

19वें ओवर में तीन बल्लेबाज रनआउट, करुण की मेहनत बेकार

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 29वें मैच में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हरा दिया। मुकाबले में मुंबई की टीम ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 205 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम 19 ओवर में 193 रन ही बनाकर सिमट गई। इस तरह लगातार पांच मैच में जीत के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स का अभियान रुक गया। वहीं मुंबई की टीम ने इस सीजन में अपनी दूसरी जीत हासिल की।

मुंबई के खिलाफ अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दिल्ली ने बिना किसी के स्कोर के अपना पहला विकेट गंवा दिया था। हालांकिस इसके बाद करुण नायर ने धमाकेदार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मैच को लगभग एक तरफा बना दिया था, लेकिन इसके बाद मुंबई ने स्पिन गेंदबाजों के दमदार खेल और जबरदस्त फील्डिंग से मैच को एक रहते अपने नाम कर लिया। मुंबई इंडियंस ने दिल्ली के अंतिम तीन विकेट लगातार रनआउट से हासिल किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत बहुत ही खराब रही थी। दिल्ली ने पारी के पहले ओवर में ही ओपनर बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैकगर्क का विकेट गंवा दिया। मैकगर्क को मुंबई के दीपक चाहर ने अपना शिकार बनाया था। हालांकि, इसके बाद दिल्ली के लिए करुण नायर और अभिषेक पोरेल ने मिलकर मोर्चा संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 119 रनों की जबरदस्त साझेदारी हुई। इस दौरान अभिषेक पोरेल 25 गेंद में 33 रन बनाकर आउट हो गए। अपनी इस पारी में उन्होंने 3 चौके और 1 छक्का भी लगाया।

पोरेल के आउट होने के बाद एक छोर से करुण नायर का तूफान जारी था, लेकिन मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों को एक वापसी का मौका जरूर मिला गया। आरसीबी के खिलाफ मिडिल ऑर्डर में दमदार बल्लेबाजी करने वाले केएल राहुल का इस मैच में बल्ला नहीं चल पाया। राहुल 13 गेंद में 15 रन बनाकर आउट हो गए। इसके अलावा कप्तान अक्षर पटेल ने 9 और ट्रिस्टन स्टब्स ने सिर्फ 1 रन बनाए।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस को टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी का न्योता मिला था। मुंबई की टीम ने दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में तिलक वर्मा (59), रयान रिकेल्टन (41), सूर्यकुमार यादव (40) और नमन धीर (नाबाद 38) की शानदार पारियों से निर्धारित 20 ओवर खेल में पांच विकेट पर 205 रन का मजबूत स्कोर बनाया।

मुंबई के लिए इस मैच में रोहित शर्मा और रिकलटन ने ओपनिंग साझेदारी में पांच ओवर में 47 रन जोड़े। रोहित अच्छी शुरुआत के बाद एक बार फिर बड़ी पारी खेलने से चूक गए। रोहित ने 12 गेंदों पर 18 रन में दो चौके और एक छक्का लगाया। विप्रज निगम ने रोहित को एलबीडबल्यू किया। रिकेल्टन ने 25 गेंदों पर 41 रन में पांच चौके और दो छक्के लगाए। सूर्यकुमार यादव ने 28 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों के सहारे 40 रन बनाए।

मुंबई की तरफ से तिलक वर्मा ने 33 गेंदों पर छह चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 59 रन की तूफानी अर्धशतकीय पारी खेली। यह उनका लगातार दूसरा अर्धशतक है। इसके अलावा नमन धीर ने मात्र 17 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए नाबाद 38 रन की जबरदस्त पारी खेली।दिल्ली के लिए दोनों कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव और विप्रज निगम बेमिसाल साबित हुए और मध्य ओवरों में टीम को विकेट दिलाए। कुलदीप ने चार ओवर में मात्र 23 रन देकर दो विकेट जबकि विप्रज ने चार ओवर में 41 रन देकर दो विकेट लिए।

हैदराबाद से हार पर पंजाब किंग्स के बॉलिंग कोच सुनील बोले-हमें डॉट बॉल प्रतिशत बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)।

पंजाब किंग्स के स्पिन-गेंदबाज कोच सुनील जोशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार पर कहा है कि हमारे बल्लेबाज अच्छी फार्म हैं, लेकिन गेंदबाजी में थोड़ी सुधार के साथ डॉट-बॉल प्रतिशत बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम आधे मौकों का फायदा नहीं उठा सके।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में शनिवार को पंजाब किंग्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। पंजाब किंग्स ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (23 गेंदों पर 42 रन), प्रियांश आर्य (13 गेंदों पर 36 रन), कप्तान श्रेयस अय्यर (36 गेंदों पर 82 रन) और मार्कस स्टोइनिस (11 गेंदों पर नाबाद 34 रन) की धमाकेदार पारियों की बदौलत 6 विकेट पर 245 बनाए थे। सनराइजर्स हैदराबाद ने इसके जवाब में अभिषेक शर्मा (55 गेंदों पर 141 रन) ट्रैविड हेड (37 गेंदों पर 66 रन) की बदौलत जीत सुनिश्चित की। सनराइजर्स हैदराबाद ने 18.3 ओवर में मात्र 2 विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स 5 मैचों में तीन जीत और दो हार के बाद प्वाइंट टेबल में छठे नंबर पर आ गई है। मैच पर विचार रखते हुए पंजाब किंग्स के स्पिन बॉलिंग कोच सुनील जोशी ने कहा कि मुझे लगता है कि इस मैच से सकारात्मक बात यह रही कि हमारे बल्लेबाज निश्चित रूप से शानदार फॉर्म में हैं। हालांकि, गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है और हमें अपना डॉट-बॉल प्रतिशत बढ़ाने की जरूरत है। इस विकेट पर गेंदबाजी करते समय हम यही चूक गए। अच्छे विकेट पर, बीच के ओवरों में डॉट-बॉल प्रतिशत ही एकमात्र अंतर हो सकता है। इसलिए यही महत्वपूर्ण है और हम आधे मौकों का फायदा नहीं उठा सके। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि गेंदबाजों ने कोई कसर नहीं छोड़ी, मेरा मतलब है कि यह एक अच्छा विकेट है। यह हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन करने का एक मौक़ा था, लेकिन सच तो यह है कि हमने अपने मौके गंवा दिए। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर का भी मानना है कि गेंदबाजी इकाई उस रात बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी, लेकिन उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि टीम अपनी रणनीतियों में सुधार करने के बाद मजबूत वापसी करेगी।

ला लीगा फुटबॉल

स्पेन में ला लीगा फुटबॉल में खेलते हुए खेलते हुए बार्सिलोना के पैड्री।

डेरेन गंगा की पत्नी का बनारस से है गहरा नाता

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर डेरेन गंगा भारतीय मूल से ताल्लुक रखते हैं। उनके पूर्वज वर्षों पहले भारत से त्रिनिडाड एंड टोबैगो जाकर बस गए थे। गंगा का जन्म त्रिनिडाड में हुआ और उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए 48 टेस्ट और 35 वनडे मैच खेले। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह कमेंट्री से जुड़े हुए हैं और वर्तमान में आईपीएल के वर्ल्ड फीड अंग्रेजी पैनल का हिस्सा हैं। डेरेन की पत्नी प्रणीता तिवारी भी भारत से जुड़ी हुई हैं। उनका पारिवारिक घर बनारस के अस्सी घाट पर है।

प्रणीता का जन्म ऑस्ट्रेलिया में हुआ था और वह अमेरिका तथा ऑस्ट्रेलिया में एड व सेल्स फर्म में काम कर चुकी हैं। उन्होंने लगभग पांच साल न्यूयॉर्क में बिताए। कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने त्रिनिडाड में गंगा जूस बार नाम से एक दुकान शुरू की, जो पिछले पांच वर्षों से सफलतापूर्वक चल रही है। खास बात यह है कि फुर्सत के समय में डेरेन गंगा खुद भी दुकान पर हाथ बंटाते हैं।

डेरेन और प्रणीता की पहली मुलाकात 2017 में अमेरिका में हुई थी। लंबे समय तक डेटिंग के बाद दोनों ने 2020 में शादी कर ली। प्रणीता भारत से गहरे जुड़ाव को हमेशा महसूस करती हैं और अक्सर अपने पति के साथ बनारस आती रहती हैं। डेरेन गंगा जब भी बनारस आते हैं, गंगा में डुबकी लगाना नहीं भूलते।

उन्होंने लगभग दो साल पहले अस्सी घाट पर स्नान किया था। गौरतलब है कि डेरेन की जूस दुकान पर अब तक कई दिग्गज क्रिकेटर आ चुके हैं, जिनमें ब्रायन लारा भी शामिल हैं। इस जोड़ी की कहानी खेल, संस्कृति और व्यवसाय का सुंदर संगम है।

चेन्नई सुपर किंग्स के पास अभी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका, सभी को उम्मीद थाला से

चेन्नई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2025 का अब तक का सीजन बेहद खराब साबित हो रहा है।5 बार की चैंपियन टीम ने अभी तक 6 मैच में से 5 में हार का सामना करना पड़ा है। चेन्नई सुपर किंग्स के क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब टीम लगातार मैच हारी है। ऐसा पहली बार हुआ हैं कि एमए चिदंबरम स्टेडियम में सीएसके ने हार की हैट्रिक लगाई हो। ॠतुराज गायकवाड़ के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद लगा था कि नए कप्तान एमएस धोनी के साथ सीएसके की किस्मत पलटेगी, मगर ऐसा नहीं हुआ। शुक्रवार को केकेआर के खिलाफ उन्हें 8 विकेट से शर्मनाक हार मिली। हालांकि हार के बावजूद उनके पास प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का मौका है।

सीएसके का प्लेऑफ समीकरण कुछ इसपर हैं, सीएसके ने आईपीएल 2025 में अभी तक 6 मैच खेले हैं जिसमें उन्हें 1 में जीत मिली है। टीम को अभी इस सीजन में 8 और मैच खेलने हैं। अगर सीएसके इन 8 में से 7 मुकाबले जीत जाती हैं, तब उनके खाते में 16 अंक आएंगे और आईपीएल के इतिहास में देखा गया है कि 16 अंक के साथ अक्सर टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर जाती है। वहीं अगर चेन्नई 8 के 8 मैच जीतने में कामयाब रहती है, तब उनके खाते में 18 पॉइंट्स हो जाएंगे, फिर निश्चित उन्हें नॉकआउट राउंड में जगह मिल जाएगी।

खराब फार्म के दौरान युवराज और सूर्यकुमार से सलाह ले रहा था : अभिषेक

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ 55 गेंदों में ही 141 रनों की तूफानी पारी खेलकर अपना फार्म हासिल किया है। इस मैच में अभिषेक की पारी से सनराइजर्स को शानदार जीत मिली है। आईपीएल के इस सत्र में ये पहली बार है जब अभिषेक ने अच्छी पारी खेली है। इस सत्र के शुरुआती मैचों में वह असफल रहे थे। अभिषेक ने कहा है कि जब वह रन नहीं बना पा रहे थे तो इस दौरान उन्होंने अपने मेंटर युवराज सिंह के अलावा सूर्यकुमार यादव से भी बात की थी। अभिषेक की आक्रामक पारी से ही हैदराबाद की टीम पंजाब किंग्स से मिले 246 रनों के लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही। मैच में धमाकेदार पारी खेलने के बाद अभिषेक ने कहा, यह जीत बहुत विषेष है क्योंकि मैं हार के सिलसिले को तोड़ना चाहता था। टीम इस जीत से पहले लगातार चार मैच हारी है। उन्होंने कहा, खराब फार्म के दौरान उन्होंने युवराज से भी बात की थी। इसके अलावा सूर्या से भी मुझे लगातार सहयोग मिलता रहा है।

एफपीआई ने अप्रैल में भारतीय शेयर बाजारों से निकाले 31,575 करोड़

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले 21 मार्च से 28 मार्च तक छह कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस निवेश से मार्च में एफपीआई की कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रही है। पिछले महीनों की तुलना में यह स्थिति में उल्लेखनीय सुधार है। फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे, जबकि जनवरी में यह निकासी और भी अधिक यानी 78,027 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2025 में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 1.48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। बाजार के जानकारों ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में उथल-पुथल भारत में एफपीआई निवेश को भी प्रभावित कर रही है। उनका मानना है कि मौजूदा उथल-पुथल थमने के बाद ही एफपीआई की रणनीति अधिक स्पष्ट हो पाएगी। उन्होंने कहा कि मध्यम अवधि में एफपीआई भारत में खरीदार बन सकते हैं, क्योंकि अमेरिका और चीन दोनों ही मौजूदा व्यापार युद्ध के चलते अपरिहार्य सुस्ती की ओर बढ़ रहे हैं। प्रतिकूल वैश्विक परिदृश्य में भी भारत वित्त वर्ष 2025-26 में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है।

21 मार्च से 28 मार्च तक एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे

न्यूज़ ब्रीफ

बाबा रामदेव की शरबत जिहाद को लेकर आलोचना, वीडियो में योग गुरु ने सॉफ्ट ड्रिंक्स को टॉयलेट क्लीनर के जैसा बताया

नई दिल्ली। पतंजलि योग गुरु बाबा रामदेव की आयुर्वेद कंपनी ने हाल ही में अपने नए विज्ञापन के माध्यम से धर्म के मामले पर चर्चा खड़ी की है। इस विज्ञापन में पतंजलि ने पुराने ढर्रे वाले शरबत ब्रांडों पर धन और धर्म की बर्बादी का तर्क दिया है। उन्होंने ग्राहकों से उनकी शरबत को सबसे आगे रखने की अपील की है, इसके साथ ही बाबा रामदेव द्वारा एक वीडियो में किए गए शरबत जिहाद के दावे को लेकर आलोचना भी दी गई है। बाबा रामदेव के वीडियो में उन्होंने सॉफ्ट ड्रिंक्स को टॉयलेट क्लीनर के जैसा बताया है, और उन्होंने इसे गर्मियों में प्यास बुझाने के बहाने से जहर के समान बताया है। इसी कंटेंट में रामदेव ने कहा है कि एक शरबत बेचने वाली कंपनी अपने कमाई का हिस्सा मस्जिद और मदरसे बनाने में खर्च करती है, जिसे उन्होंने शरबत जिहाद कहा है। यह कंट्रोवर्शल बयान ने लोगों में मीडिया और सामाजिक मंचों पर बहुत ही चर्चा का विषय बन दिया है। बाबा रामदेव की शरबत जिहाद पर आलोचना और पतंजलि की धर्म पर आधारित विज्ञापन ने भारतीय समाज में खुद विचार करने पर मजबूर कर दिया है। विज्ञापनों और सोशल मीडिया के इस युद्ध ने भारतीय जनता को इस सच्चाई का सामना करने पर मजबूर किया है कि किस तरह कंपनियां अपने उत्पादों को बेचने के लिए अलग-अलग रास्ते चुन रही हैं ।

अमेरिका ने स्मार्टफोन और लैपटॉप पर टैरिफ हटाया

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्मार्टफोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को हटा दिया है, जिससे वैश्विक टेक जगत में एक उत्साहपूर्ण तेजी की लहर दौड़ गई है। यह नया फैसला 5 अप्रैल से लागू हो गया है और एप्पल, सैमसंग, जैसे बड़ी कंपनियों के लिए एक प्रकार से राहत की किरण बन सकता है। इस निर्णय से कुछ देश अवसरों से भरपूर महसूस कर रहे हैं, हालांकि चीन को तुरंत लाभ मिलेगा। चीन ने अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने का जवाब देकर अपने द्वारा भी ऐसे उत्पादों पर कर बढ़ा दिया है जिससे अमेरिका को चीनी उत्पादों में सस्ताई की संभावना है। भारत के लिए भी इस निर्णय से अवसर है, लेकिन भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह इस अवसर का सही तरीके से फायदा उठा सके और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अपनी पकड़ मजबूत कर सके। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस निर्णय से भारत को नया धारा मिल सकता है और वह इसे अच्छे से उपयोग कर सकता है ।

पेट्रोल-डीजल रिफाइन करने पर होने वाली कमाई ऐतिहासिक स्तर पर, पेट्रोल-डीजल से केंद्र और राज्य सरकारों ने 5 साल में 35 लाख करोड़ जुटाए

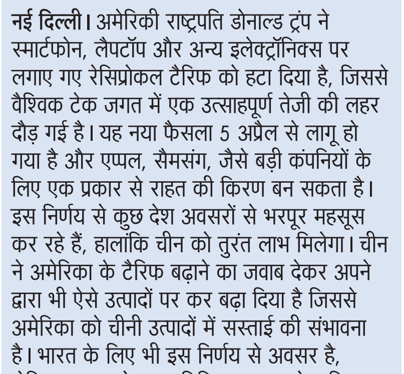

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतें चार साल के सबसे निचले स्तर (65.41 डॉलर प्रति बैरल) आ गई हैं। इससे पहले अप्रैल 2021 में दाम 63.40 डॉलर प्रति बैरल थे। इस गिरावट से पेट्रोल-डीजल रिफाइन करने पर होने वाली कमाई ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। रेटिंग एजेंसियों के अनुसार मौजूदा समय में तेल कंपनियों को पेट्रोल पर प्रति लीटर 12-15 रुपए और डीजल पर रुपए 6.12 का मुनाफा हो रहा है। इसके बावजूद, तेल कंपनियों ने पिछले एक साल से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई कटौती नहीं की है। हाल ही में संभावना थी कि तेल कंपनियां दाम घटाएंगी। लेकिन सरकार ने 2 रुपए लीटर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी। इसकी आड़ में कंपनियां दाम घटाने से बच गईं। लंबे समय से तेल कंपनियां घाटे का हवाला देकर दामों में कटौती से बच रही हैं। जबकि, हकीकत ये है कि पिछले 5 सालों में 7 बड़ी तेल-गैस कंपनियों में केवल एक आईओसी को एक बार 2019-20 में मामूली घाटा हुआ था। इसे छोड़ दिया जाए तो ये कंपनियां साल दर साल भारी मुनाफा कमा रही हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुप्रीम कोर्ट...

संविधान का अनुच्छेद 143 (1) कहता है कि यदि किसी समय राष्ट्रपति को प्रतीत होता है कि विधि या तथ्य का कोई प्रश्न उत्पन्न हुआ है या उत्पन्न होने की आशंका है, जो ऐसी प्रकृति का और ऐसे महत्व का है कि उस पर उच्चतम न्यायालय की राय प्राप्त करना समीचीन होगा तो वह उस प्रश्न पर विचार करने के लिए न्यायालय को निर्देशित करेगा और वह न्यायालय, ऐसी सुनवाई के पश्चात जो वह ठीक समझता है, राष्ट्रपति को उस पर अपनी राय प्रतिवेदित करेगा। संविधान के अनुच्छेद 124 के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की गई थी। इसमें तब सुप्रीम कोर्ट के लिए एक मुख्य न्यायाधीश और इसके साथ ही 7 अन्य न्यायाधीश की बात कही गई थी। अनुच्छेद 145(3) में साफ कहा गया है कि ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए न्यूनतम पांच जज होंगे। यानी कुल 8 जजों में से कम-से-कम 5 जज यानी कम-से-कम 62 प्रतिशत जज शामिल रहेंगे। ताजा फरमान जारी करने वाले सुप्रीम कोर्ट के पीठ में सिर्फ दो जज थे। अब अगर अनुच्छेद 143 को ध्यान में रखें तो इसमें सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान जजों की कुल 33 में से कम-से-कम 21 न्यायाधीश शामिल होने चाहिए थे, जो इस तरह के संवैधानिक मामले पर सुनवाई करें। इतना ही नहीं, वर्तमान निर्णय में सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 200 और 201 में समय-सीमा का प्रावधान जोड़ा है, जो यह उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। यह एक तरह से व्याख्या के रूप में संविधान का संशोधन है। जबकि संविधान संशोधन का अधिकार सिर्फ और सिर्फ विधायिका को है। भारत के संविधान में उसके अनुच्छेद 368 के तहत ही संशोधन किया जा सकता है। इसके अलावा किसी अन्य तरीके से संविधान में संशोधन का प्रावधान नहीं है। न्यायालय सिर्फ कानून का संरक्षक है, उसका निर्माता नहीं है।

संविधान के अनुच्छेद 168 के अनुसार, राज्य का राज्यपाल विधानमंडल का हिस्सा होता है। राज्यपाल जब किसी बिल पर सहमति देता है तो वह कानून बन जाता है। इस तरह, कानून बनाने, उसे पारित करने और उस पर सहमति देने का कार्य पूरी तरह से विधायी प्रक्रिया का हिस्सा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया निर्णय विधायी प्रक्रिया में न्यायपालिका का सीधा हस्तक्षेप है। संविधान का अनुच्छेद 361 राष्ट्रपति और राज्यपालों के खिलाफ अदालती कार्यवाही से सुरक्षा प्रदान करता है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट उन्हें नोटिस जारी करके या अन्य तरीके से जवाब नहीं मांग सकता है। जब सुप्रीम कोर्ट उनसे जवाब नहीं मांग सकता है तो उनकी बात सुने बिना उन पर टिप्पणी करना, उन्हें आदेश और निर्देश देना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है। यह अपने आप में बहुत बड़ा सवाल है। सुप्रीम कोर्ट का राष्ट्रपति को दिया गया निर्देश लोकतंत्र के लिए अत्यंत आश्चर्यजनक, दुखद और शर्मनाक है। भारत संघ का प्रमुख राष्ट्रपति होता है। संविधान का अनुच्छेद 79 कहता है कि संघ (भारत) के लिए एक संसद होगी, जो राष्ट्रपति और दो सदनों से मिलकर बनेगी, जिनके नाम लोकसभा और राज्यसभा होंगे। देश का शासन भी राष्ट्रपति के नाम से प्रधानमंत्री द्वारा संचालित होता है, जिसका एक हिस्सा न्यायपालिका है। सुप्रीम कोर्ट के सभी न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है। अनुच्छेद 124 (2) के अनुसार, राष्ट्रपति अपनी मुद्रा और हस्ताक्षर सहित अधिपत्र द्वारा उच्चतम न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश को नियुक्त करेगा।

नियुक्ति ही नहीं, बल्कि महाभियोग के बाद जजों का निष्कासन या फिर पद से त्याग-पत्र भी राष्ट्रपति के नाम से होता है। संविधान के अनुच्छेद 124(2)(क) के अनुसार, कोई भी न्यायाधीश राष्ट्रपति को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकेगा। ऐसे में भारत संघ के प्रमुख के मांगने पर सुप्रीम कोर्ट सलाह दे सकता है, लेकिन निर्देश नहीं दे सकता है। जिस सुप्रीम कोर्ट में किसी व्यक्ति को मृत्युदंड जैसी सजा दी जाती है, उस सजा को क्षमा करने का अधिकार राष्ट्रपति को है। संविधान का अनुच्छेद 72(2) इसका प्रावधान करता है। इस अनुच्छेद के अनुसार, राष्ट्रपति को किसी अपराध में दोषसिद्ध ठहराए गए किसी व्यक्ति के दंड को क्षमा, उसका प्रविलंबन, विराम या परिहार करने की अथवा दंडादेश के निलंबन कर सकता है। इतना ही नहीं, संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत राष्ट्रपति तो दूर की बात है, राज्यपाल तक पर कार्रवाई नहीं हो सकती है। राष्ट्रपति इस देश के शासन का प्रमुख ही नहीं होता, जिसका एक हिस्सा न्यायपालिका भी है, बल्कि वह सेना का सर्वोच्च कमांडर भी होता है। सैन्य निर्णयों के मामलों को संविधान के अनुसार चुनौती नहीं दी जा सकती है।

संविधान के अनुच्छेद 136(2) के अनुसार, सशस्त्र बलों से संबंधित किसी विधि द्वारा या उसके अधीन गठित किसी न्यायालय या अधिकरण द्वारा पारित किए गए या दिए गए किसी निर्णय, अवधारणा, निर्णय, दंडादेश या आदेश लागू नहीं होगी। जब संसद के किसी सदस्य पर सदन में कही गई बातों को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट कोई कार्रवाई नहीं कर सकता। अनुच्छेद 105 (2) के अनुसार, संसद में या उसकी किसी समिति में संसद के किसी सदस्य द्वारा कही गई किसी बात या दिए गए किसी मत के संबंध में उसके विरुद्ध किसी न्यायालय में कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी और किसी व्यक्ति के विरुद्ध संसद के किसी सदन के प्राधिकार द्वारा या उसके अधीन किसी प्रतिवेदन, पत्र, मत या कार्यवाहियों के प्रकाशन के संबंध में इस प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी। संविधान के अनुच्छेद 143(1) में साफ कहा गया है कि राष्ट्रपति किसी विषय पर उच्चतम न्यायालय की राय प्राप्त करने के लिए उसे न्यायालय को निर्देशित कर सकते हैं। ऐसे में राष्ट्रपति को सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देशित करना स्पष्ट तौर पर न्यायपालिका का हस्तक्षेप या घुसपैठ है।

राज्यपाल की...

तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी और तमिल यूनिवर्सिटी समेत विश्वविद्यालयों में संशोधनों के तहत गवर्नर और चांसलर शब्दों की जगह सरकार शब्द का इस्तेमाल किया गया है। राज्य के पास अब कुलपतियों को उनके पदों से हटाने का अधिकार भी होगा।केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी। आर्लेकर ने कहा, अगर संविधान संशोधन सुप्रीम कोर्ट द्वारा किया जाता है, तो फिर विधायिका और संसद की क्या जरूरत है। अगर सब कुछ अदालतों द्वारा तय किया जाता है, तो संसद की जरूरत खत्म हो जाती है। यह न्यायपालिका का अतिक्रमण है। सुप्रीम कोर्ट को इस मामले को बड़ी बेंच को सौंपना चाहिए था न कि खंडपीठ इस पर फैसला लेती।

केरल के राज्यपाल के इस बयान पर राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस और केरल की सत्ताधारी पार्टी सीपीआईएम ने राज्यपाल की आलोचना की है। सीपीआईएम के महासचिव एमए बेबी ने राज्यपाल के बयान को अवांछित बताया और कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आर्लेकर के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कोझिकोड में एक कार्यक्रम के दौरान केसी वेणुगोपाल ने कहा कि राज्यपाल, सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अब भाजपा का एजेंडा खुलकर सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण कि केरल के राज्यपाल सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ हैं।सीपीआईएम नेता एमए बेबी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला सभी पर लागू होगा, जिसमें राष्ट्रपति भी शामिल हैं। जब राष्ट्रपति संसद के विधेयक में देरी नहीं कर सकते तो फिर राज्यपाल के पास वो अधिकार कैसे हो सकता है, जो राष्ट्रपति के पास नहीं है? बेबी ने कहा कि सभी राज्यपालों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन केरल राज्यपाल के बयान से साफ है कि उन्हें यह स्वीकार नहीं है। उनका सुप्रीम कोर्ट की आलोचना करना गलत है।

वक्फ कानून...

जिसमें शमशेरगंज में पिता-पुत्र की हत्या भी शामिल है। पुलिस ने अब तक 138 लोगों को गिरफ्तार किया है।उल्लेखनीय है कि मुर्शिदाबाद में हिंसा की दिल दहलाने वाली घटना घटी। इस्लामिक उन्मादियों ने मूर्तियां गढ़ने वाले माटी कलाकार हरगोविंद दास (पिता) और चंदन दास (बेटे) को धारदार हथियार से काट कर मार डाला। वे मूर्तिकार थे और देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। उनके घर में इस्लामी कट्टरपंथियों ने लूटपाट की और उसके बाद धारदात हथियारों से उनकी हत्या कर दी। तस्वीरों में दिख रहा है कि उनकी आंख पर भी हमला किया है, यानि जिन आंखों से देखकर वो देवी-देवताओं की मूर्तियां गढ़ा करते थे, नफरत की आग में इस्लामी कट्टरपंथियों ने उनकी आंखें भी फोड़ दीं। इस उन्मादी हिंसा ने मुर्शिदाबाद के हिंदुओं को गहरे जख्म दिए हैं। उनके घर, दुकानें और आजीविका सब तबाह हो गए।मुर्शिदाबाद में बेकाबू हिंसा के कारण सैकड़ों हिंदू परिवार नदी पार कर मालदा में शरण ले रहे हैं। केंद्रीय बलों की मदद से नदी पार कर हिंदू परिवारों ने मालदा जिले में शरण ली है। वहां पीड़ित लोगों के लिए स्कूलों में अस्थायी ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था की है। मुर्शिदाबाद जिले के कई इलाकों जैसे सूती, धूलियन, जंगीपुर और समसेरगंज में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी है। यह क्षेत्र मुस्लिम-बहुल है और प्रदर्शन धीरे-धीरे सांप्रदायिक दंगे में बदल गया है। धूलियन के मंदिरपाड़ा इलाके से भागी एक महिला ने बताया, हमारे घर जला दिए गए। कुछ बाहरी और स्थानीय लोगों ने मिलकर महिलाओं और लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार किया, पुरुषों को पीटा गया। हमें कहा गया कि हम इलाके को छोड़ दें। हमारी जान को खतरा था, इसलिए हमने केंद्रीय बलों की मदद से घर छोड़ा। धूलियन से करीब 400 हिंदू नागरिक डर के मारे भागकर भागीरथी नदी पार कर मालदा जिले के बैष्णवनगर इलाके में पहुंचे हैं। उन्हें पर लालपुर हाई स्कूल में ठहराया गया है। कई स्वयंसेवी संगठन इनकी मदद कर रहे हैं। मालदा में एक स्वयंसेवी संगठन के सदस्य ने बताया कि अब तक 40 से 50 नावों में लोग धूलियन, सुईटी और जंगीपुर जैसे इलाकों से आए हैं। इन सभी को कालीचक तीन ब्लॉक के पल्लरपुर गांव में सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। उन्होंने कहा, यहां वे पूरी तरह सुरक्षित हैं।

वक्फ कानून लागू होने से कट्टरपंथी जमातों का गुस्सा पूरे देश में फैलता जा रहा है। मध्य प्रदेश के गुना जिले में शनिवार को हनुमान जयंती के जुलूस पर जबरदस्त पथराव किया गया। जुलूस कर्नलगंज में मस्जिद के पास से गुजर रहा था, तभी जुलूस पर भारी पथराव किया गया। पथराव की पहले से तैयारी थी। दूसरी तरफ केरल के कोझिकोड में वक्फ बिल के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान इस्लामी कट्टरपंथियों ने हमास और मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे संगठनों के आतंकियों की तस्वीरें लहराई। यह मार्च करीमपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक गया, जिसे सॉलिडैरिटी यूथ मूवमेंट और स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन (एसआईओ) ने आयोजित किया था। ये दोनों संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े हैं। पुलिस ने अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं की है। इस घटना ने केरल की सियासत में तनाव बढ़ा दिया है।नेपाल के भारत से जुड़े हिस्सों में भी उन्मादी मुसलमान बवाल मचा रहे हैं। बिहार सीमा पर स्थित नेपाली जिला बीरगंज में मुसलमानों ने हनुमान जयंती पर निकाली गई शोभा यात्रा पर हमला बोल दिया। जबरदस्त पथराव किया और कई वाहनों में आग लगा दी। यहां भी मस्जिद से पथराव किया गया। असामाजिक तत्वों ने पुलिस बल पर भी पथराव किया। हालात को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों ने वहां पर कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। घटना में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

सियाचिन के वीर ...

इस वर्ष ऑपरेशन मेघदूत की 41वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह दिन उन वीर सियाचिन योद्धाओं को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना देश की रक्षा की और दुश्मनों की हर कोशिश को नाकाम किया। आज भी भारतीय जवान जमे हुए सीमांत की रक्षा में तैनात हैं और अपने अटूट हौसले और निष्ठा के साथ देश की सीमाओं को सुरक्षित रख रहे हैं। ध्यान रहे कि सियाचिन में तैनात भारतीय सेना के वीर भारत माता की सुरक्षा के लिए माइनस 50 डिग्री तापमान, तेज बर्फीली हवाएं और बेहद कठिन इलाके का सामना करते हुए हर पल देश की सुरक्षा में जुटे रहते हैं।

ऑपरेशन मेघदूत में भारतीय वायुसेना की एक अतुलनीय भूमिका रही। वायुसेना ने एएन-12, एएन-32 और आईएल-76 जैसे एयरक्राफ्ट के जरिए सैनिकों और सामान को ऊंचाई वाले हवाई क्षेत्रों तक पहुंचाया। इसके बाद एमआई-17, एमआई-8, चेतक और चीता हेलिकॉप्टरों की मदद से सैनिकों को ग्लेशियर की ऊंची चोटियों तक पहुंचाया गया। इतना ही नहीं वायुसेना के हेलीकॉप्टर 1978 से ही सियाचिन में उड़ान भर रहे हैं, और चेतक हेलिकॉप्टर पहला ऐसा भारतीय हेलिकॉप्टर था जो अक्टूबर 1978 में वहां उतरा था।सियाचिन ग्लेशियर का क्षेत्र पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके), अक्साई चिन और शक्सगाम घाटी से सटा हुआ है, जिसे पाकिस्तान ने 1963 में चीन को सौंप दिया था। यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण इलाका है क्योंकि इससे दुश्मन की हरकतों पर नजर रखी जा सकती है। इसके साथ ही यह स्थान लेह से गिलगित आने-जाने वाले रास्तों को भी नियंत्रित करता है, जिससे इसकी सैन्य और रणनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है।

बांग्लादेश में हिंदू ...

अब से इसे वरशावरन आनंद शोभायात्रा कहा जाएगा। इसी प्रकार कट्टरपंथियों को मंगल शब्द से भी नफरत हो गई है। मुहम्मद यूनुस की कट्टरपंथी सरकार हिंदू प्रतीकों, हिंदू शब्दों, उसकी पहचान का क्रूरता के साथ सिस्टमैटिक तरीके से दमन कर रही है। अपने इस कदम को वह नए बांग्लादेश की समावेशी नीति करार देती है। जिस मंगल शोभायात्रा को यूनेस्को ने 2016 में अमूर्त विरासत घोषित किया था। उसे ही सरकार ने कुचल दिया। बंगाली नववर्ष पोहिला बोइशाख को भी कुचलने की कोशिश हो रही है। अपने इस कदम को जस्टिफाई करते हुए देश की अंतरिम सरकार के सांस्कृतिक सलाहकार मुस्तफा सरवर फारुकी का कहना है कि ये हिंदू जन्माष्टमी के तौर पर हम पर थोपा गया है। गौरतलब है कि 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में शेख हसीना का तख्तापलट हो गया था। इसके बाद उन्हें देश छोड़कर भागना पड़ा था। इसके बाद कट्टरपंथी बीएनपी की अगुवाई में देश में अंतरिम सरकार बनी और फिर शुरू हुआ व्यवस्थागत गत तरीके से हिंदुओं समेत दूसरे अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार। अगस्त से लेकर अब तक हजारों की संख्या में हिंदुओं पर हमले, हिंदू महिलाओं का बलात्कार और उनका इस्लामिक कन्वर्जन हुआ। जब इस्कॉन संत चिन्मय कृष्ण दास ने इसके खिलाफ आवाज उठाई तो देशद्रोह के आरोप में उन्हें जेल में डाल दिया गया।

कर्नाटक में मुसलमानों...

तो राज्य में कुल आरक्षण 85 प्रतिशत हो जाएगा। इस 85 प्रतिशत में 51 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण होगा जबकि 24 प्रतिशत आरक्षण अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए रहेगा। इसके अलावा 10 प्रतिशत आरक्षण आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग यानि ईडब्लूएस को पहले की तरह मिलता रहेगा। इस रिपोर्ट को लेकर राज्य में बहस चालू हो गई है।यह जातिगत जनगणना कर्नाटक पिछड़ा वर्ग आयोग ने करवाई थी। यह 2015 में एच. कांथराज के नेतृत्व में शुरू हुई थी। इसके बाद 2020 में के. जयप्रकाश हेगड़े के नेतृत्व में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने इसे पूरा किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछड़ी जातियों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण मिलना चाहिए। ध्यान देने योग्य बात यह है कि पिछड़ा वर्ग आयोग ने ओबीसी और मुस्लिम आरक्षण को बढ़ाने की सिफारिश तो की है लेकिन एससी-एसटी तथा ईडब्लूएस आरक्षण को पहले की तरह ही रखने की बात कही है। अभी इस पर अंतिम फैसला बाकी है।कर्नाटक में मुस्लिम ओबीसी में सबसे बड़ा समूह है। राज्य में उनकी आबादी 75.25 लाख है। मुस्लिम ओबीसी कर्नाटक के ओबीसी वर्गीकरण की श्रेणी 2इ के अंतर्गत आते हैं। इसी के आधार पर रिपोर्ट में उनका आरक्षण 4 प्रतिशत से दोगुना करके 8 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है। राज्य की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी 18.08 प्रतिशत है, जो 2011 की जनगणना में 12.92 प्रतिशत बताई गई थी। सर्वे का यह आंकड़ा 2015 का है। ऐसे में 4 साल में मुस्लिम आबादी कर्नाटक में 5.16 प्रतिशत बढ़ गई। रिपोर्ट में इस आरक्षण बढ़ाने के पीछे राज्य में ओबीसी की हिस्सेदारी सबसे अधिक होना कारण बताया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य में कुल आबादी में ओबीसी की हिस्सेदारी 69.60 प्रतिशत है, ऐसे में उन्हें जनसंख्या के आधार पर आरक्षण मिलना चाहिएइस रिपोर्ट में आरक्षण को 50 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के क्रम में बाधा को भी पार करने की बात की गई है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के इंद्रा साहनी मामले में दिए गए फैसले के अनुसार, कोई भी राज्य 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं दे सकता है। ईडब्लूएस आरक्षण इससे अलग है। यदि कर्नाटक के पिछड़ा आयोग की रिपोर्ट की सिफारिश मानी गई तो यह आरक्षण 50 प्रतिशत से कहीं अधिक 85 प्रतिशत हो जाएगा। रिपोर्ट में इसके लिए झारखंड और तमिलनाडु का उदाहरण दिया गया है, जहां पहले ही 77 प्रतिशत और 69 प्रतिशत आरक्षण दिया जा चुका है। रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के इन्द्रा साहनी फैसले को आज के समय में प्रांसगिक ना होना बताया गया है।कर्नाटक में आरक्षण पर से सीमा हटाने की बात ऐसे समय हो रही है जब राहुल गांधी हाल ही में इसकी वकालत कर चुके हैं। राहुल गांधी ने कहा था कि उनकी पार्टी भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत आरक्षण की दीवार तोड़ने के पक्ष में है। कर्नाटक में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने की सिफारिश और मुस्लिमों को अपने पाले में करने की कोशिश कांग्रेस की चुनावी तैयारी के तौर पर देखी जा रही है। कर्नाटक में ओबीसी आरक्षण पर हो रही यह पूरी कवायद अहिन्दा-वोट साधने की तरकीब मानी जा रही है। राज्य में ओबीसी, मुस्लिम और एससी-एसटी वोट को मिला कर अहिन्दा-वोट बैंक का नाम दिया जाता है। अहिन्दा शब्द कांग्रेस के बड़े नेता देवराज उर्स ने दिया था। वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दारमैया इस फ़ॉर्मूला पर काम करते आए हैं। कांग्रेस चाहती है कि वह ओबीसी, मुस्लिम और दलित वोटरों में इन सब कदम से वह और मजबूत हो जाए, जिससे आगामी चुनावों में उसे आसानी हो। जातिगत जनगणना में आरक्षण की सिफारिश के अलावा हाल ही में मुस्लिमों को राज्य में ठेकों में आरक्षण दिया गया था। यह भी इसी दिशा में एक कदम माना गया था।राज्य यह अहिन्दा-वोट लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय से इतर है। लिंगायत परंपरागत रूप से भाजपा जबकि वोक्कालिगा जेडी (एस) के वोटर रहे हैं। वर्तमान में यह दोनों पार्टियां साथ में हैं, ऐसे में कांग्रेस की चिंताएं और भी बढ़ गई हैं। ऐसे में वह इन दोनों समुदाय से इतर अपना अहिन्दा-वोट बैंक को बचाए रखना चाहती है।

पश्चिमी सीमा पर...

उनकी निस्वार्थ सेवा तथा निरंतर योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करना था।

उन्होंने बताया कि सेना प्रमुख ने सीमा और भीतरी इलाकों की सुरक्षा में भारतीय वायुसेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस और अन्य हितधारकों के बीच निर्बाध तालमेल पर संतोष व्यक्त किया। उनके साथ मौजूद सेना महिला कल्याण संघ की अध्यक्ष सुनीता द्विवेदी ने परिवारों और भूतपूर्व सैनिकों की भलाई के लिए वज्र कोर की तरफ से की जा रही कई कल्याणकारी पहलों की समीक्षा की, जो कल्याण और सामुदायिक समर्थन के प्रति सेना के समग्र दृष्टिकोण को दर्शाता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्री सालासर हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव भव्यता के साथ मनाया गया

हैदराबादा, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सालासर हनुमान मंदिर जगतगिरिगुट्टा में हनुमान जन्मोत्सव शनिवार 12 अप्रैल को भव्यता के साथ मनाया गया ।

ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी पवन सौंथलिया ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर में हनुमान जी एवं अन्य भगवानों के सभी विग्रहों का विधिवत रूप से पंडितों द्वारा विधि विधान के साथ विशेष अभिषेक किया गया तत्पश्चात सुबह की आरती की गई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मियाँपुर से निशान शोभायात्रा निकाली गई जो कुकटपल्ली श्री अंबिका फर्नीचर (विवेकानंद प्रतिमा) पहुंची। जिसका भारी संख्या में भक्तों ने हाथ में निशान धारण करते हुए हनुमानजी के जयकारों के साथ निशान यात्रा विवेकानंद नगर कॉलोनी से आरंभ की, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए ऑल्विन कॉलोनी और सालासर मंदिर पहुंच कर संपन्न हुई। भक्तों का स्वागत ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। निशान यात्रा के पश्चात सभी के लिए जलपान की व्यवस्था की गई । अवसर पर श्री हनुमान जी का विशेष पंच कुंडीय हवन किया गया। मंदिर में सुबह से ही अखंड हनुमान चालीसा पाठ किया गया। दोपहर में विशाल भंडारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया जिसमें बडी संख्या में भक्तों ने प्रसाद का लाभ लिया। शाम में श्री मयूरी नृत्यालय द्वारा नृत्य रत्न श्री देवी के नेतृत्व में नंदिता राजनाला व अन्य कलाकारों द्वारा रामायण के प्रसंगों का कुचिपुड़ी नृत्य के माध्यम से मंचन किया गया जिसे सभी लोगों ने काफी सराहा। भजन कार्यक्रम में कोलकाता के गायक विवेक शर्मा द्वारा भजन प्रस्तुत किए गये। कार्यक्रम में विशेष अतिथि का सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के पवन सोंथलिया, प्रह्लाद गोयल, अरुण तुलस्यान, नवीन तुलस्यान, संजय सराफ, नवनीत मदा, सुरेंद्र गर्ग, किसान अग्रवाल, सिद्धार्थ अग्रवाल, सुनील पसारी, गौरीशंकर मित्तल, राम किशोर टिबरेवाल, सुभाष जिंदल, पवन जिंदल, आत्माराम गर्ग, प्रकाश गोयनका, पवन केडिया, प्रभुदयाल केडिया, कैलाश चौधरी, मनोज मित्तल, जगदीश सोंथलिया, मनोज चौकड़ा, किसान अग्रवाल, शंकर सिंह, डॉक्टर त्रिपाठी, रमेश व्यास, श्याम सुंदर अग्रवाल, नरेंद्र कारीवाल, अभिषेक टिबरेवाल, दुर्गेश लठ, कुलदीप लठ, गौरव गोयल, बिशम्भर अग्रवाल व अन्य ने सहयोग दिया ।

रसूलपुरा जैन संघ में नवपदजी की ओली के पारने का कार्यक्रम संपन्न हुआ । इस अवसर पर ट्रस्टी अशोक मेहता, मुकेश कटारिया, प्रकाशमाल भंडारी, कोठारी परिवार, जैनरत्न रमेश पी. तातेड, दिलीप कोठारी, सुरेश बाफना, शालीन दोषी, सरदारमल भौंडतरीया, ओस्तवाल परिवार आदि उपस्थित थे । ओली के सभी लाभार्थी परिवारों का और तपस्वियों का तिलक और माला से बहुमान किया गया।

अग्रवाल समाज की 66वीं मैरेज डेटा कमिटी की बैठक समाज कार्यालय राघव रत्ना में आयोजित की गई । बैठक में कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, संयोजक रमेश कुमार तुलसियान ,वाईस चेयरमेन सतीश कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार मित्तल, अशोक कुमार दादरीवाला, इक्युपंक्च्यर के डॉ. बाल कृष्ण सुरेखा एवं बालक बालकों के अभिभावक गण उपस्थित थे।

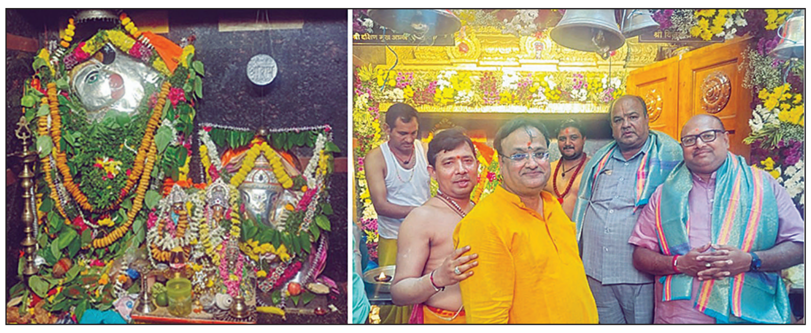

रामकोट स्थित श्री सीतारामंजेय मंदिर में श्री हनुमान जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में दर्शन लाभ लेते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग। साथ में हैं रत्नेश कुमार अग्रवाल, विजय भाई, राघव शर्मा महाराज, कमलाकर महाराज एवं निलेश महाराज।

हनुमान जयंती शोभा यात्रा में भाग लेते हुए भाजपा गोलकोण्डा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र एवं अन्य।

श्री बालाजी बाल मंडल हैदराबाद द्वारा श्री हनुमान जन्मोत्सव अत्तापुर स्थित शिवदत्त राय प्रह्लादराय कल्याण मंडप में भव्यता से मनाया गया । श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पूज्य गुरुजी सुभाष महाराज (ग्वालियर वाले) के सान्निध्य में पूजा के बाद श्री बालाजी महाराज का हवन किया गया । सायं आरती के बाद भक्तों के लिए भंडारा प्रसादी का कार्यक्रम हुआ। रात्रि में श्री बालाजी सरकार की गद्दी (आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने महाराज के दर्शन एवं आशीर्वचन का लाभ लिया। अवसर पर योगेश अग्रवाल, रमन अग्रवाल, राजेंद्र राठी, अश्विन अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, प्रज्ञा ज्योति गोयल, राकेश अग्रवाल, डॉ. अक्षय अग्रवाल, जीजू जोशी, अंकुर अग्रवाल व मंडल के सदस्यगण उपस्थित थे ।

अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा की वार्षिक साधरण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा की वार्षिक साधरण सभा अत्तापुर तेजस्विनी नगर कॉलोनी स्थित टैनी स्टेप्स स्कूल में सम्पन्न हुई।

शाखा के मंत्री अशोक जालान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन भगवान पूजा अर्चना की गई, पश्चात अध्यक्ष बदरी प्रसाद सरायवाला द्वारा उपस्थिति का सदस्यों का स्वागत किया, तत्पश्चात दिवंगत आत्मा के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। मंत्री अशोक जालान

द्वारा सालभर की गतिविधियों का लेखा जोखा सभा में प्रस्तुत किया गया, उसमें शाखा द्वारा हर माह अमावस्या प्रसादी, श्रावण की सैर, दिवाली मिलन समारोह, मछली प्रसाद वितरण के समय सेवा में यो-गदान, श्याम निशान यात्रा, शाखा की महीला समिति द्वारा किए गए कार्यक्रमों में सहयोग गणगौर, आगामी कार्यक्रम शाखा के रूप में श्रावण की सैर, दिवाली मिलन, अनाथ आश्रम सेवा, शाका महिल-ाओ द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रम में सहयोग देने का आश्वासन दिया गया।.शाखा के कोषाध्यक्ष संजय कुमार भालवाले द्वारा सालभर के आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। उसे सर्वसम्मति पारित किया गया। अत्तापुर शाखा के चुनाव 2025 से 2027 के चुनाव 4 मई 2025 को कराने का निर्णय लिया गया। चुनाव के लिए मनोज गोयल को सर्वसम्मति से चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया । अंत में मंत्री द्वारा सभा में पधारे सभी सदस्यों का धन्यवाद एवम आभार प्रकट किया गया।

WANTED FLAT ON RENT
Wanted Flat on Rent
a Fully Furnished 2-3 BHK
in the area of
Secunderabad - Banjara Hills
with good ventilation
and Car Parking.
Please Contact : 94408 91471

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, गोपाल गोयल, भगतराम गोयल, ई. जगन, संजय गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, मायारामजी अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, श्यामसुंदर अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सुशील गुप्ता, दिनेश गोयल एवं अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

।। विश्व शांति, लोक कल्याणार्थ, सर्व कामना हेतु ।।
एक वर्षीय अखंड
श्री रामचरितमानस पारायण
मंगला शासन
कार्यक्रम स्थल : श्री रंगनाथ मंदिर, नैमिषारण्य धाम, सीतापुर (उ.प्र.)
ऑनलाइन संकल्प रामायण एक दिवस ब्राह्मण भोज रु.1500/-
अष्ट बैकुंठ श्री नैमिषारण्य धाम में शुक्रवार दि. 30 अगस्त 2024 को प्रारंभ कर अगस्त 2025 तक समापन में यज्ञ किया जाएगा।
ऑनलाइन संकल्प एक दिवसीय सहयोगी : एक यजमान न्योछावर राशि रु. 3100/-
अप्रत्यक्ष पूज्य वैकुंठवासी श्री अनंत विभूषित श्रीश्रीश्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के आशीर्वाद से
14-04-2025
अतिविशिष्ट यजमान :
श्रीमती अरुणा किशोर अग्रवाल
विशिष्ट यजमान :
तिरुमला वेंकटाचार्य कांति रेखा
तपोभूमि अष्ट बैकुंठधाम श्री नैमिषारण्य धाम में करने का अवसर प्राप्त करें एवं संकल्प प्रति दिवस लिया जाएगा। जन्म दिवस एवं विवाह की वर्षगांठ के दिन बुक करने के लिए शीघ्र अतिशीघ्र संपर्क करें। ऑनलइन वीडियो कॉल द्वारा संकल्प लिया जाएगा।
संकल्पकर्ता : श्री जगन्नाथ मठ एवं श्री रंगनाथ मंदिर नैमिष धाम
मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी (मो. 8099563154)
श्री जगन्नाथ मठ द्वारा संचालित :श्री जगन्नाथ स्वामी वृद्ध आश्रम, श्री जगन्नाथ गुरुकुल विद्यालय, श्री जगन्नाथ गौ सेवा संस्थान, श्रीमन नारायण शरणागति सेवा ट्रस्ट, श्री रंगनाथ मंदिर भैरमपुर रोड नैमिषारण्य, श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ समिति, श्री जगन्नाथ सेवा ट्रिप्स
मार्गदर्शक सहित : वेणु गोपाल लोया, कैलाश नारायण भांगडिया, श्रीगोपाल सोनी, डी.पी. शर्मा, नीरज यादव, कलावती जाजू, कांता देवी भांगडिया, महेंद्र सिग्नोडिया, ऊषा अग्रवाल, चक्रवर्ती द्रिया रमणा, ओमप्रकाश खंडेलवाल, पी. सुब्बा राव, रमेश गुप्ता, जसमत पटेल, श्री वैष्णव सत्संग मंडल एवं जगन्नाथ मठ परिवार
दीनबंधु अग्रवाल (रामायण पठन समिति - 9963910401), भरत कलंत्री (9440061537), वेणुगोपाल खंडेलवाल (9908222206)

साध्वी गवेषणा श्री जी द्वारा कैसे हो तनाव मुक्त जीवन कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री डॉक्टर गवेषणाश्रीजी आदि ठाणा-4 के सानिध्य में हबीटेट् एलिट, के प्रागण में कैसे हो तनाव मुक्त जीवन कार्यशाला का आयोजन किया गया । राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार साध्वी श्रीजी द्वारा नवकार मंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । सिकंदराबाद सभा के एडवाइजरी विमल जी पुगलिया द्वारा सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए स्वागत भाषण दिया गया। साध्वी श्री डॉक्टर गवेषणाश्रीजी ने बहुत ही सारगर्भित छोटे छोटे उदाहरणों के द्वारा समझाया है कि व्यक्ति को सोचने का तरीक़ा बदलना चाहिए और हमारे भीतर जो एनर्जी है इसका उपयोग पॉज़िटिव सोच में करना चाहिए ।अगर हम तनाव रखते हैं तो मस्तिष्क की कोशिकाएं ख़त्म हो जाती है और हमारे सोचने की शक्ति कमज़ोर पड़ जाती है हमें अपनी सकारात्मक सोच के द्वारा आध्यात्मिक के फुल खिलाने चाहिए है । अच्छे विचारों को अपने पास रखे एवं बुरे विचारों का खत्म कर देना चाहिए । उनके द्वारा

तालमेल हेतु इश कर्ऻि बिनने की प्रेरणा दी गई। परिवार, समाज को साथ लेकर चलना एवं सभी को खुश करके आगे बढ़ने पर जोर दिया गया । स्वप्रबंधन के लिए आवश्यक है स्वयं को व्यवस्थित करना। स्वयं पर अनुशासन करना। निज पर शासन फिर अनुशासन अपने भाव विचार इन्द्रियों को वश में करके ही हम अनुशासित हो सकते है।डींर्शीी नही लेना ,आवेश से दूर रहना, आत्मविश्वास को मजबूत करना इन सब विषयों पर विस्तार में पर सरल भाषा में समझाया गया। तनाव मुक्ति के लिए जीवन शैली का संतुलित होना जरूरी है। धार्मिक साधना से सुंतलन किया सकता है। वर्तमान में जीना चाहिए। भूत और भविष्य में न खोएं। वर्तमान को विस्मृत करने वाला तनावग्रस्त बनता है। हर समय प्रसन्न रहना क्योकि प्रसन्नता से तनाव सदा दूर रहता है।5 मिनट के ध्यान द्वारा तनाव को कैसे दूर रखें प्रयोग करवाया गया।साध्वी श्री मयंक प्रभा जी ने फ़रमाया हमारे भीतर ज्ञान, दर्शन , शक्ति का अनंत ख़ज़ाना है ।उन्होंने स्त्री के अर्थ को बडी रोचकता से समझाया।

साध्वी श्री दक्ष प्रभा जी ने सुमधुर गीतिका का संगान किया । कार्यक्रम में सिकंदराबाद सभा के अध्यक्ष सुशील जी संचेती मंत्री हेमंत जी संचेती एवं पदाधिकारीकरण , अणुव्रत समिति अध्यक्ष प्रकाश एच. भंडारी मंत्री रीता जी सुराणा, टीपीएफ राष्ट्रीय टीम से ऋषभ जी दुगड़, महिला मंडल की सदस्या एवं श्रावक-श्राविकाओं की अच्छी उपस्थिति रही।कार्यक्रम को संपादित करने में महेंद्र जी बैद, महावीर जी खींवसारा, महेंद्र बुच्चा, प्रसन्न सुराणा, जितेन्द्र, जिनेश भंसाली,श्रेणिक गोलछा, मनीष बुच्चा, जिनेश सांखला, अरविन्द खिंवसरा, ऋषभ दुगड़ आदि का विशेष सहयोग रहा।

बिहार असोसिएशन ने हनुमान जयंती के पर सिकंदराबाद गणेश मंदिर के पास राहगीरों में छांछ वितरित की। इस अवसर पर विनोद गुप्ता, हरेराम यादव, दीपक यादव, दिलीप यादव, गोपाल भगत, जितेंद्र गुप्ता, जितेंद्र यादव, निरंजन यादव, सुनील यादव, बिजेंद्र गुप्ता निरंजन कुमार, गंगाधर, बालकिशन यादव,रविंद्र भगत, संजय भगत,गोविंद यादव इत्यादि ने अपनी सेवायें दी।

आरामघर चौरस्ता स्थित श्री सर्व मनोकामना पूर्ति हनुमान मंदिर में आयोजित हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में विशेष पूजा अर्चना एवं अन्नदान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेवी गोपाल बल्दवा, मंदिर के पुजारी पंडित गणेश जोशी व विनय उपस्थित थे।

परशुराम जयंती एवं मंदिर निर्माण को लेकर ब्राह्मण समाज की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आगामी परशुराम जन्मोत्सव एवं मंदिर निर्माण के उपलक्ष्य में आज बेगम बाजार स्थित पारिख मंदिर में राजस्थानी ब्राह्मण सभा एवं सर्व ब्राह्मण परिषद की संयुक्त सभा का आयोजन किया गया। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा का आयोजन 30 अप्रैल को सायं 5 बजे किया जाएगा।

सभा में निर्णय लिया गया कि यह शोभायात्रा समाज के एकता और सनातन संस्कृति के गौरव का प्रतीक होगी। सभी ब्राह्मण समाज एवं सनातन धर्म प्रेमियों से आग्रह किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस आयोजन में सम्मिलित होकर इसे सफल बनाएं।

इस अवसर पर विभिन्न ब्राह्मण संगठनों के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से - पंडित पुरुषोत्तम लाला, रामदेव नागला, पंडित वेद प्रकाश जोशी, श्रीलाल पारिख, राजेंद्र प्रसाद शर्मा, पवन मिश्रा, गोपाल शर्मा, विशाल शर्मा, नरेश अवस्थी,सुरेश व्यास , पंडित काशीराम, नारायणदास शर्मा, हरिकिशन पाराशर, श्रीवल्लभ उपाध्याय, लड्डू ओझा, टी. राजकुमार, उमेश शर्मा, राधाकिशन पाराशर, सुरेश शर्मा, शिवम् पाराशर, संदेश उपाध्याय, अवधेश, रितेश शर्मा, प्रद्युम्न मिश्रा, प्रदीप खंडेलवाल, वैभव शर्मा, विजय ओझा, रमेश शर्मा, रमेश तिवारी, महेंद्र, आनंद मिश्रा, सुखदेव व्यास, राजेश व्यास, सुधाकर शर्मा एवं दुर्गा शर्मा आदि उपस्थित रहे। असभा का समापन भगवान परशुराम के जयघोष और एकजुटता के संकल्प के साथ हुआ।

श्री रामदरबार सत्संग समिति बेगम बाजार के तत्वावधान में श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर श्री विश्वाअंजननया भक्त समाज टेम्पल ट्रस्ट हनुमान मंदिर कारवांन में आयोजित संगीतमय सुन्दरकाण्ड की भक्तिमय प्रस्तुति देते कन्हैया वैष्णव, आनंद शर्मा, चेतन पाराशर, किशोर पुजारी,जगजीत सिंह एवं अलौकिक झांकिया मे राजेश तिवारी भजनो का आनंद लेते हुए भक्तजन एवं पारायण का आनंद लेते हुए भक्त जन।

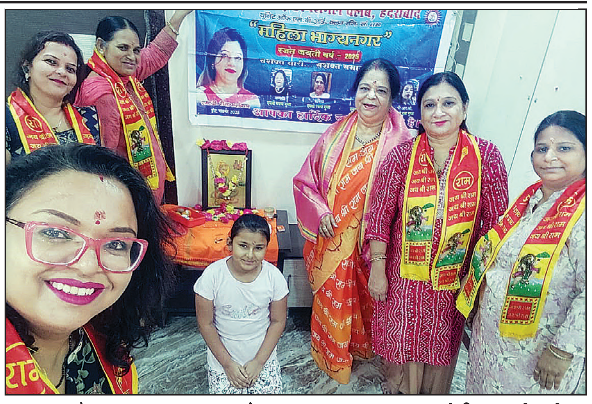

माथुर वैश्य भाग्यनगर इन्टरनेशनल द्वारा हनुमान जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भजन आदि किये गये। इस अवसर पर अध्यक्षा सपना गुप्ता, रागिनी गुप्ता, अनु, रचना, दुर्गा, ज्योति, रेनू व अन्य।

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that our clients entered into an agreement of sale with Sri.GUMMAKONDA YADAV REDDY S/o.GUMMAKONDA BAL REDDY, R/0.3-1-35/1, Near Gandhi Statue, Hyderguda, Rajendranagar, Ranga Reddy, Telangana for purchase of all his agricultural land totally admeasuring Ac0-32 Guntas, i.e., Sy.no. 134/1/1అ, adm. 20 Gts, In Sy No.134/1/ఉ2/అ, adm. 01 Gts, In Sy. No.134/ ఊ /2, adm. 01Gts, In Sy. No.134/ ఎ /2, adm. 01Gts, In Sy. No.134/ ఏ /2, adm. 01Gts, In Sy. No.134/ ఐ 1/ అ, adm. 04Gts, In Sy. No.134/ ఋ/2, adm. 01Gts, In Sy. No.134/ ఌ / adm. 01Gts, In 134/ ౠ/1 adm. 01Gts. In 134/1__ adm. 01Gts. Situated at HAMEEDULLAH NAGAR VILLAGE & G.P. Shamshabad Mandal, Ranga Reddy District, Telangana and our client has paid advance.

Any person having any right, claim, title or interest of any nature whatsoever in and over the said property may contact the undersigned with relevant documents within a week from this date failing which our clients shall conclude the sale transaction and any objections thereafter shall be deemed to have been waived and shall not be entertained.

Sd/-
SHOBIT KUMAR BANG Advocate for M/s.S.K.Bang & Co. Advocates
Unit No.C-405 & 406, 4th Floor, UPASANA, Ahuja Estate, 4-1-970, Abids, Hyderabad-500001

अग्रोहाधाम में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के उद्घाटन पर बधाई

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कलयुग प्रवर्तक महाराज अग्रसेन जी के धाम अग्रोहा धाम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एयरपोर्ट का उद्घाटन किया जा रहा है । इस संदर्भ में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभी अग्रबंधुओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के इस कदम से अग्र बंधुगण बड़ी सुगमता से कम समय में अग्रोहा धाम पहुंच सकते हैं। उक्त एयरपोर्ट से प्रथम विमान श्री राम जी नगरी अयोध्या जाएगा । ज्ञातव्य है कि प्रभु श्री राम अग्रवंशियों के पूर्वज हैं यह अग्रबंधुओं के लिए बड़े गर्व की बात है। आने वाली पीढी इस सुनहरे पल की साक्षी बनने जा रही है। केंद्र सरकार का इस महान कार्य के लिए आभार व्यक्त किया गया।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37^0
न्यूनतम : 26^0

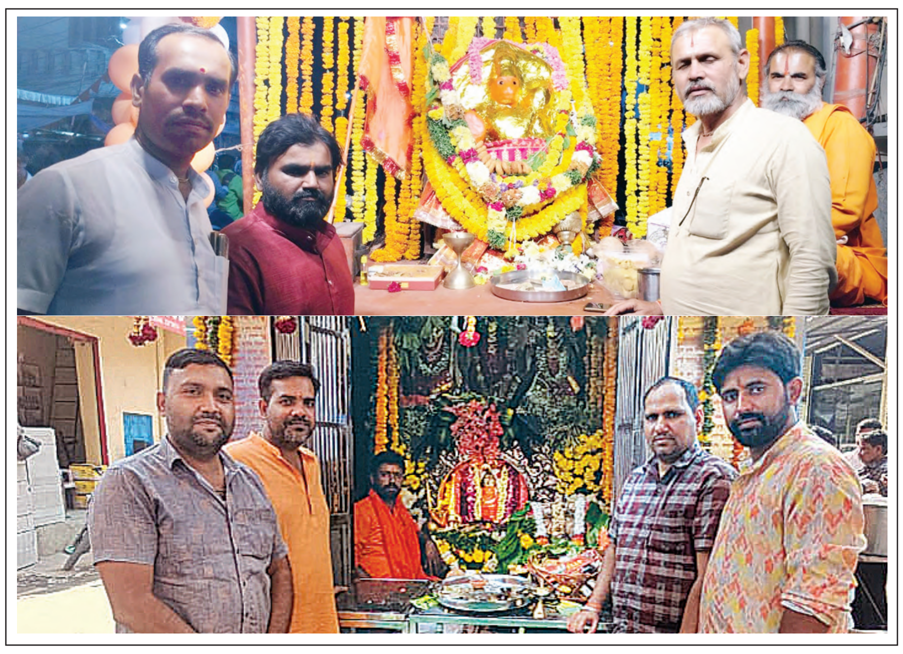

बाल हनुमान मंदिर सीतारामपेट मंगललाट में हनुमान जन्मोत्सव में श्री राम चरित मानस पाठ, अभिषेक, भंडारा का आयोजन किया गया। इस अवसर लाला महाराज रामशिरोमणि तिवारी गोपी महराज, प्रमोद त्रिपाठी, श्याम शर्मा, सुभाष शर्मा, नवीन शुक्ला, राजन शुक्ला आदि उपस्थित थे।

सिखवाल समाज निजामाबाद के कार्यकारिणी पदाधिकारी घनश्याम उपाध्याय, जगदीश प्रसाद व्यास एवं सुरज व्यास सहपत्नी तुंगणी हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना व दर्शन का लाभ लिया।

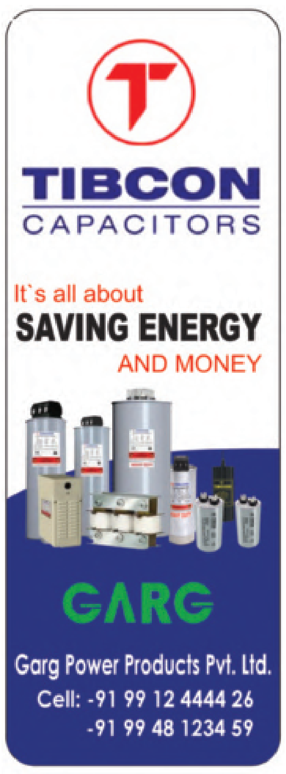

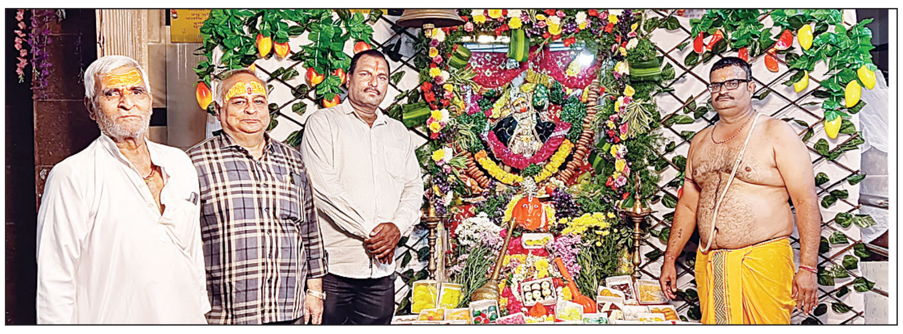

सिखवाल भवन पंचायती बाड़ा फिलखाना में श्री हनुमान जन्मोत्सव पर पूजा एवं दर्शन का लाभ लेते हुए सिखवाल समाज नागोर पट्टी के अध्यक्ष अनिल कुमार जायलवाल व युवा प्रकोष्ठ के कर्मठ कार्यकर्ता कमल किशोर पांडीया। इस अवसर पर उपस्थित हैं पुजारी भगवानदास वैष्णव व अज्ञु वैष्णव व अन्य।

हुस्सैनी आलम ,पुराना कबूतर खाना हैदराबाद में स्थित श्री बलवीर भक्त समाज प्राचीन मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान जी की पूजा-अर्चना करते हुए मंदिर के चेयरमन मुरली मोहन अशोक सिंह। इस अवसर पर भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया।

हनुमान जयंती के अंतर्गत मिट्टी का शेर स्थित बालाजी फ्रेंड एसोसिएशन द्वारा लंगर प्रसाद सेवा का आयोजन विशाल रूप से किया गया । जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने प्रसाद का आनंद उठाया।इस अवसर पर साउथ जोन पीस कमेटी के पदाधिकारी एवं अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। जिनका स्वागत पदाधिकारी द्वारा शॉल पहनकर स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर बालाजी फ्रेंड्स के नितेश अग्रवाल, विकास गढ़िया, विवेक संघी, रूपेश, पंकज वर्मा, सहित अन्य सदस्य गण उपस्थित थे।

शुभ लाभ Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, RAJESHWARI K is legally wedded spouse of Army No.JC 734642N Sub E LAKSHMANAN R/o.vill: Alampatti, post: Lakshmipuram, Teh: Kovilpatti, Dist: Thoothukudi, Tamil Nadu, 628502 have changed my name from RAJESHWARI K to L RAJESWARI vide affidavit dt:12/04/2025 before C.Sameul, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No.JC 732976K Sub Rama Kanta Nayak of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from JAMUNA MANI NAYAK to JAMUNAMANI NAYAK

CHANGE OF NAME
I, No.JC 731666M Sub Maj Vijaya Kumar of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my son name is changed from AVINASH CHAUDHARY to AVINASH CHOUDHARY

CHANGE OF NAME
I, No.JC 731666M Sub Maj Vijaya Kumar of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad TS that my daughter Name is changed from MUSKAN to MUSKAN CHOUDHARY

CHANGE OF NAME
I, SOPMIYABI is legally dependent Mother of Service No 17008820A, Rank: NK, Name: SAYYED RIYAJ USMAN, Unit: 803 FILED WKSP COY EME (604 EME BN) C/O. 56 APO, Residing at Vill: DEULGAON BAZAR, PO: DEULGAON BAZAR, Teh: SILLOD, Dist: CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR, State:MAHARASHTRA 431113, I have Changed my name from SOPMIYABI to SAYYAD SOFIYABI SAYYAD USMAN, My Date of Birth 10-03-1960, Vide Affidavit date 10/04/2025

CHANGE OF NAME
I, SHRI USMAN, is legally dependent Father of Service No 17008820A, Rank: NK, Name: SAYYED RIYAJ USMAN, Unit: 803 FILED WKSP COY EME (604 EME BN) C/O. 56 APO, Residing at Vill: DEULGAON BAZAR, PO: DEULGAON BAZAR, Teh:SILLOD, Dist: CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR, State:MAHARASHTRA 431113, I have Changed my name from SHRI USMAN to SAYYAD USMAN SAYYAD HUSEN My Date of Birth is 04-02-1957,Vide Affidavit date 10/04/2025

कुतुबुल्लापुर में लिफ्ट से कुचलकर 39 वर्षीय डॉक्टर की मौत

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुतुबुल्लापुर के श्री कृष्ण नगर में एक लिफ्ट से कुचलकर 39 वर्षीय एक डॉक्टर की दुखद मौत हो गई। पीड़ित की पहचान डॉ. अकबर पाटिल के रूप में हुई है।

CHANGE OF NAME
I. SHABANABEE is legally Wedded Wife of Service No.17008820A, Rank: NK, Name: SAYYED RIYAJ USMAN, Unit: 803 FILED WKSP COY EME (604 EME BN) C/O. 56 APO, Residing at Vill: DEULGAON BAZAR, PO: DEULGAON BAZAR, Teh: SILLOD, Dist: CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR, State: MAHARASHTRA, Pin: 431113, I have Changed my name from SHABANABEE to SAYYED SHABANABEE RIYAJ That my date of birth 07-11-1997, Vide Affidavit date 10/04/225

आंध्र प्रदेश ने 65,000 करोड़ रुपए की अमरावती परियोजना की शुरुआत की

प्रधानमंत्री को भूमिपूजन के लिए आमंत्रित किया गया

विजयवाड़ा, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

65,000 करोड़ रुपये की लागत वाली अमरावती शहर परियोजना पर काम शुरू हो गया है। यह कृष्णा नदी के तट पर आंध्र प्रदेश की नई राजधानी होगी। इसका उद्देश्य एक 'लोगों की राजधानी' का निर्माण करना है, जो दुनिया भर से कुशल प्रवासियों, उद्योगों, पेशेवरों और व्यवसायों को आकर्षित करेगी।

2019 से 2024 के बीच पांच साल की खामोशी के बाद, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने पिछले साल सत्ता में आने के बाद से अमरावती परियोजना को पुनर्जीवित किया है।

अधिकारियों ने बताया कि एम्स्टर्डम, सिंगापुर और टोक्यो जैसे वैश्विक शहरों से प्रेरित होकर एक विश्व स्तरीय शहरी केंद्र बनाने पर काम फिर से शुरू हो गया है, जो न केवल जीवंत, विविध, समावेशी और आधुनिक है, बल्कि दुनिया भर के कुशल प्रवासियों, उद्योगों, व्यवसायों और पेशेवरों के लिए एक आकर्षण का केंद्र भी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शहर के शिलान्यास समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि प्रधानमंत्री ने निमंत्रण स्वीकार किया है या नहीं और शिलान्यास समारोह कब होगा।2014 में राज्य के विभाजन के बाद अमरावती को आंध्र प्रदेश की नई राजधानी के रूप में नामित किया गया था। प्रसिद्ध ब्रिटेन स्थित फर्म फोस्टर एंड पार्टनर्स द्वारा तैयार अमरावती मास्टर प्लान में विजयवाड़ा और गुंटूर शहरों के बीच 217.23 वर्ग किलोमीटर में व्यापक विकास की परिकल्पना की गई है।कृष्णा नदी के तट पर स्थित इस शहर को इस क्षेत्र का आर्थिक केंद्र माना जा रहा है और उम्मीद है कि इससे 15 लाख नौकरियां पैदा होंगी, 35 लाख लोग इसमें रहेंगे और 2050 तक इसका सकल घरेलू उत्पाद 35 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि 2024 तक अमरावती के विकास कार्यों के लिए अनुमानित बजट लगभग 64,910 करोड़ रुपये था और परियोजना का पहला चरण अगले तीन वर्षों में पूरा किया जाना है।

परियोजना लागत में से, भारत सरकार ने 2024 में 15,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई तथा विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक से 800-800 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता की सुविधा प्रदान की (समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए)।

उन्होंने बताया कि हुडको ने पहले ही 11,000 करोड़ रुपये का ऋण देने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जबकि केएफडब्ल्यू के साथ 5,000 करोड़ रुपये के लिए बातचीत चल रही है। उन्होंने बताया कि वित्तपोषण के अन्य संभावित स्रोतों की भी तलाश की जा रही है। आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एपीसीआरडीए) आर्थिक विकास के लिए प्रमुख निवेशकों और निजी क्षेत्र की भागीदारी को आकर्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर ब्रांडिंग कार्यक्रम तैयार कर रहा है। पीपीपी परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है और व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण को पूरा करने के लिए एक विशेष व्यवहार्यता वाहन (एसपीवी) की परिकल्पना की गई है। अमरावती में काम फिर से शुरू होने पर बोलते हुए, आंध्र सरकार में मंत्री नारा लोकेश ने कहा, हम वास्तव में प्रसन्न हैं कि अमरावती के लिए योजनाओं को फिर से शुरू किया जाएगा। हमें विश्वास है कि हम एक उल्लेखनीय, बुद्धिमान और टिकाऊ शहर बनाने में सक्षम होंगे जो दुनिया भर में तेलुगु समुदाय के लिए गर्व का स्रोत होगा। हमें खुशी है कि भारत सरकार हमें काम फिर से शुरू करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। परियोजना के चरण-1 में आवास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, स्वच्छता और परिवहन सहित बुनियादी ढांचे के विकास की परिकल्पना की गई है।आवास योजना के तहत सरकारी अधिकारियों के लिए 3,500 अपार्टमेंट और 200 बंगले निर्माणाधीन हैं, जबकि 5,000 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) परिवारों के लिए आवास की परिकल्पना की गई है। मास्टर प्लान में प्रत्येक पड़ोस में एक स्वास्थ्य सुविधा (27 पड़ोस/टाउनशिप) के लिए समर्पित भूखंडों पर विचार किया गया है; राजधानी शहर में एक समर्पित स्वास्थ्य शहर की योजना बनाई गई है जिसमें प्रमुख अस्पतालों और पारिस्थितिकी तंत्रों को शामिल करने की परिकल्पना की गई है।अमरावती में एक समर्पित ज्ञान शहर की योजना बनाई गई है, उन्होंने कहा कि अब तक एसआरएम विश्वविद्यालय, अमृता विश्वविद्यालय, वीआईटी विश्वविद्यालय, एनआईडी लगभग 22,000 छात्रों के साथ काम कर रहे हैं। इसके अलावा, बिट्स, एक्सए-लआरआई, पर्ड्यू विश्वविद्यालय, टोक्यो विश्वविद्यालय, जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी आदि की स्थापना की योजना है। प्रत्येक पड़ोस को प्राथमिक विद्यालयों से लेकर जूनियर कॉलेज तक के लिए भूमि आवंटित की गई है।सभी आवंटित भूमि खंडों में उपचारित जल आपूर्ति, सीवरेज नेटवर्क, उपचारित अपशिष्ट जल की आपूर्ति के लिए पुनः उपयोग लाइनें उपलब्ध होंगी। पूरे राजधानी शहर की सेवा के लिए 13 विकेंद्रीकृत सीवेज उपचार संयंत्र प्रस्तावित हैं।थोक एमएसडब्ल्यू जनरेटर द्वारा स्रोत स्तर पर उपचार के अलावा, शहर में संपूर्ण एमएसडब्ल्यू प्रबंधन की जरूरतों को पूरा करने के लिए एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा तैयार की जा रही है; और एक अंतरिम उपाय के रूप में गुंटूर में अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन सुविधा का लाभ उठाया जा रहा है।परिवहन के लिए, मास्टर प्लान ग्रिडिरॉन पैटर्न पर आधारित है, जिसमें प्रमुख धमनी सड़कों (60 मीटर), धमनी और उप-धमनी सड़कों (50 मीटर), कलेक्टर सड़कों (25 मीटर) और स्थानीय सड़कों की सड़क पदानुक्रम है।

परियोजना योजना में शामिल हैं: 1,093 हेक्टेयर में फैला एक सरकारी शहर जिसमें सरकारी कार्यालय और आवासीय क्षेत्र होंगे, 1,339 हेक्टेयर में फैला एक न्याय शहर जो न्यायिक संस्थाओं का केंद्र होगा, तथा 2,091 हेक्टेयर में फैला एक वित्त शहर जिसका उद्देश्य वाणिज्यिक और आवासीय स्थानों के साथ आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा।

शिक्षा शहर, स्वास्थ्य शहर, खेल शहर, इलेक्ट्रॉनिक्स शहर, मीडिया शहर और पर्यटन शहर जैसे अतिरिक्त क्षेत्र भी इस ब्लूप्रिंट का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य एक संतुलित शहरी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए, परियोजना में जल निकायों, जलाशयों और हरित स्थानों सहित हरित और नीले बुनियादी ढांचे पर जोर दिया गया है। नीदरलैंड स्थित आर्केडिस जैसे अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार शहर की पर्यावरणीय और सौंदर्य अपील को बढ़ाने के लिए इन सुविधाओं को डिजाइन करने में शामिल हैं।अमरावती में सबसे पहले दिखने वाली इमारतों में वीआईटी, एसआरएम और अमृता यूनिवर्सिटी जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। आगे चलकर, बिट्स पिलानी की योजना 2026 में शुरू करने की है और एक्सएलआरआई भी जल्द ही अपने परिसर शुरू कर देगा। राजधानी शहर में मंगलगिरी में एम्स भी काम कर रहा है।

एपीसीआरडीए परियोजना कार्यालय छह महीने में बनकर तैयार हो जाएगा, जबकि सरकारी अधिकारियों - एमएलए, एमएलसी, मंत्री, न्यायाधीश, सचिव आदि के आवास सहित सरकारी भवन 18 महीने में चालू हो जाएंगे। विधान सभा, उच्च न्यायालय जैसे सरकारी कार्यालय भवन 24 महीने में और सचिवालय 36 महीने में बनकर तैयार हो जाएंगे।भारत सरकार और आंध्र प्रदेश सरकार के संगठनों, अस्पतालों, बैंकों, स्कूलों और अन्य निजी संगठनों के एक या दो महीने में शुरू होने और अगले 2-4 वर्षों में पूरी तरह से स्थापित होने की उम्मीद है।

बालानगर ट्रैफिक पुलिस द्वारा रोकने के प्रयास के बाद मोटर चालक की मौत

प्रदर्शन कर रहे परिवार पर लाठीचार्ज

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालानगर में एक दुखद घटना सामने आई, जब ट्रैफिक पुलिस द्वारा रोकने के प्रयास के दौरान 32 वर्षीय एक मोटर चालक की बाइक पर नियंत्रण खोने के कारण मौत हो गई। पीड़ित की पहचान बोसुबाबू के रूप में की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित अपनी मोटरसाइकिल चला रहा था, तभी ट्रैफिक पुलिस ने चालान काटने के लिए उसे रोकने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि निरीक्षण से बचने के प्रयास में, बोसुबाबू ने अपनी बाइक पर नियंत्रण खो दिया, फिसल गया और सड़क पर गिर गया। दुर्भाग्य से, सामने से आ रही एक आरटीसी बस ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पीड़ित के परिवार ने न्याय की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया, जिस पर तेलंगाना पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया और यातायात बाधित हो गया।

मौत के लिए ट्रैफिक पुलिस को जिम्मेदार ठहराते हुए पीड़ित के परिवार के सदस्यों और अन्य चिंतित वाहन चालकों ने सीधे उस सड़क पर धरना दिया जहां दुर्घटना हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वाहन चालक की मौत पुलिस की लापरवाही के कारण हुई, जो रोकने के प्रयास के दौरान हुई।बढ़ते विरोध और सड़क जाम के जवाब में, पुलिस कर्मियों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया, जिसमें मृतक मोटर चालक के शोकाकुल परिवार के सदस्य भी शामिल थे।

बीआरएस को 27 अप्रैल को वारंगल में रजत जयंती सार्वजनिक बैठक के लिए पुलिस की मंजूरी मिली

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को 27 अप्रैल को वारंगल के एल्काथुर्थी में अपनी रजत जयंती सार्वजनिक बैठक आयोजित करने के लिए पुलिस से आधिकारिक अनुमति मिल गई है।यह आयोजन पार्टी की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है और इसमें भारी भीड़ आने की उम्मीद है।वारंगल पुलिस आयुक्त के निर्देशों के बाद, काजीपेट ग्रामीण एसीपी ने आवश्यक परमिट जारी किए, जिससे सुचारू तैयारियों का मार्ग प्रशस्त हो गया।

पूर्व विधायक पेड्डी सुदर्शन रेड्डी, विनय भास्कर और ओडिथला सतीश कुमार ने आधिकारिक दस्तावेज एकत्र किए तथा यह सुनिश्चित किया कि भव्य समारोह के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

राज्य सरकार द्वारा अनुमति देने से इनकार करने के बाद पार्टी ने तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन पुलिस की मंजूरी के बाद वह जनहित याचिका वापस ले लेगी।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने कहा कि यह आयोजन स्थल 1,200 एकड़ में फैला हुआ है। पार्टी पार्किंग की भी उचित व्यवस्था करेगी।

पार्टी ने तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) से 3,000 बसों का अनुरोध किया है। 27 मार्च को रविवार होने के कारण - छात्रों के लिए छुट्टी - बीआरएस का मानना है कि इस आयोजन से किसी को असुविधा नहीं होगी।

बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने सभी 33 जिलों के नेताओं और प्रतिनिधियों के साथ व्यक्तिगत रूप से तैयारियों की समीक्षा की। कार्यक्रम की देखरेख के लिए समितियों का गठन किया गया है।केटी रामा राव ने कहा, यह हमारी पार्टी के इतिहास में सबसे बड़ी सभाओं में से एक होगी, जो पहले आयोजित विशाल वारंगल बैठक के समान होगी।

तेलंगाना सरकार उर्दू को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना में उर्दू भाषा को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

अनवर-उल-उलूम कॉलेज, मल्लेपल्ली में 8वें नवाब शाह आलम खान मेमोरियल मुशायरे में बोलते हुए, मंत्री ने उर्दू शिक्षकों के सभी रिक्त पदों को भरने के लिए एक विशेष भर्ती अभियान की घोषणा की। उन्होंने कहा, उर्दू को संस्थागत समर्थन, सम्मान और मान्यता मिलेगी जिसकी वह हकदार है।उन्होंने कहा, मैं पुराने शहर से हूं । उर्दू मेरी परवरिश में केंद्रीय शक्ति रही है। यह सद्भाव, कविता और क्रांति की भाषा है।

उन्होंने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया और कहा कि सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण बजट को दोगुना करके 4,000 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा, अल्पसंख्यक संचालित कॉलेजों द्वारा सामना किए जाने वाले विलंबित शुल्क प्रतिपूर्ति जैसे मुद्दों को हल करने के प्रयास चल रहे हैं।

रेड्डी ने वक्फ संशोधन अधिनियम की भी आलोचना की तथा अल्पसंख्यकों के अधिकारों को खतरा पहुंचाने वाले कानूनों के प्रति कांग्रेस पार्टी के विरोध को दोहराया।

तेलंगाना में आज से अनुसूचित जाति वर्गीकरण अधिनियम लागू होगा

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन.उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना 14 अप्रैल से अनुसूचित जाति वर्गीकरण अधिनियम को लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।रविवार, 13 अप्रैल को सचिवालय में अनुसूचित जाति वर्गीकरण पर कैबिनेट उप-समिति की अंतिम बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने न्यायमूर्ति शमीम अख्तर आयोग की सिफारिशों के आधार पर कार्यान्वयन दिशानिर्देशों की गहन समीक्षा की और सरकारी आदेश (जीओ) जारी करने के लिए अपनी अंतिम मंजूरी दी। 14 अप्रैल को अधिनियम लागू होने के साथ ही तेलंगाना सर्वोच्च न्यायालय की हरी झंडी के बाद अनुसूचित जाति उप-वर्गीकरण लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। इस ऐतिहासिक निर्णय को 18 मार्च को तेलंगाना विधानसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया था और बाद में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिससे इसके आधिकारिक रूप से लागू होने का मार्ग प्रशस्त हुआ।इसके अलावा, कैबिनेट उप-समिति ने अनुसूचित जाति वर्ग में क्रीमी लेयर लागू करने की आयोग की सिफारिश को भी खारिज कर दिया।उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट किया कि सरकार आर्थिक मानदंडों के आधार पर किसी भी उप-समूह को बाहर रखे बिना समान लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी मौजूदा लाभ को कम नहीं किया जाएगा और यह वर्गीकरण सभी एससी समूहों के अधिकारों की रक्षा करते हुए निष्पक्षता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।उन्होंने यह भी कहा कि अनुसूचित जातियों के लिए मौजूदा 15 प्रतिशत आरक्षण 2011 की जनगणना पर आधारित है, जबकि तेलंगाना में अनुसूचित जातियों की आबादी तब से लगभग 17.5 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार 2026 की जन-गणना के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद कुल आरक्षण बढ़ाने पर विचार करेगी।इस अधिनियम का उद्देश्य अनुसूचित जातियों के लिए मौजूदा 15 प्रतिशत आरक्षण को तर्कसंगत बनाना है। इसके लिए 59 अनुसूचित जातियों की उप-जातियों को परस्पर पिछड़ेपन के आधार पर तीन समूहों में वर्गीकृत किया गया है। समूह 1 में 15 सबसे वंचित समुदाय शामिल हैं, जो अनुसूचित जातियों की आबादी का 3.288 प्रतिशत है और उन्हें 1 प्रतिशत आरक्षण आवंटित किया गया है।

समूह 2 में 18 मध्यम रूप से लाभान्वित समुदाय शामिल हैं, जो अनुसूचित जाति की आबादी का 62.74 प्रतिशत हैं, तथा उन्हें 9 प्रतिशत आरक्षण आवंटित किया गया है। समूह 3 में 26 अपेक्षाकृत बेहतर समुदाय शामिल हैं, जो अनुसूचित जाति की आबादी का 33.963 प्रतिशत हैं, तथा उन्हें 5 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है।

सर्वोच्च न्यायालय के 1 अगस्त के ऐतिहासिक फैसले के बाद अक्टूबर 2024 में नियुक्त शमीम अख्तर आयोग को अनुसूचित जाति की उप-जातियों में सामाजिक-आर्थिक संकेतकों का अध्ययन करने का काम सौंपा गया था।

आयोग को 8,600 से ज़्यादा आवेदन मिले और उसने जनसंख्या वितरण, साक्षरता स्तर, उच्च शिक्षा में प्रवेश, रोज़गार के रुझान, वित्तीय सहायता और राजनीतिक भागीदारी का विस्तृत विश्लेषण किया। प्रारंभिक प्रस्तुति के बाद, कई समुदायों द्वारा उठाई गई चिंताओं को दूर करने के लिए इसका कार्यकाल एक महीने के लिए बढ़ा दिया गया था, ताकि रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले हर आवाज़ सुनी जा सके।

पुराने शहर मेट्रो कॉरिडोर में भूमि अधिग्रहण में तेजी

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एमजी बस स्टेशन से चंद्रायनगुट्टा तक 7.5 किलोमीटर लंबे मार्ग पर तेजी से काम चल रहा है। हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो लिमिटेड, राजस्व और पुलिस टीमों की देखरेख में स्थानीय समर्थन से भूमि अधिग्रहण और ध्वस्तीकरण का काम चल रहा है।मेट्रो के एमडी एन.वी.एस. रेड्डी ने बताया कि 1,100 प्रभावित संपत्तियों में से 205 के लिए 212 करोड़ रुपये का मुआवजा वितरित किया गया है।इंजीनियरिंग टीमें ध्वस्तीकरण की सुविधा के लिए उलझे हुए तारों को सुरक्षित रूप से हटा रही हैं। श्री रेड्डी ने सरकारी मुआवजा स्वीकार करने और संपत्ति सौंपने के लिए संपत्ति मालिकों की प्रशंसा की।

कई संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया है, मलबा हटा दिया गया है और आस-पास की संवेदनशील संरचनाओं की सुरक्षा के लिए सावधानी बरती गई है।रमजान के दौरान काम धीमा हो गया था, लेकिन अब फिर से गति पकड़ ली है। सीएम रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुसार, विस्तार का काम तेजी से चल रहा है और निर्माण शुरू करने के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी का इंतजार है।

इस परियोजना का उद्देश्य एमजीबीएस से चंद्रायनगुट्टा मेट्रो कॉरिडोर तक क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार करना है। हैदराबाद मेट्रो रेल (एचएमआर) चरण-2 परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार का विशेष प्रयोजन वाहन एचएएमएल इस परियोजना की देखरेख कर रहा है। इस खंड के साथ संपत्तियों के अधिग्रहण की कुल लागत 1000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

राजगोपाल रेड्डी ने जना रेड्डी पर हमला बोला, कांग्रेस को शर्मनाक स्थिति में डाला

भोंगिर, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुनुगोड़े विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी और पूर्व मंत्री के जन रेड्डी के बीच मतभेद तब और बढ़ गए जब राजगोपाल रेड्डी ने आरोप लगाया कि जना रेड्डी उनके मंत्री बनने की राह में रोड़ा अटका रहे हैं। रविवार को चौटुप्पल कृषि बाजार समिति के शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने कहा, जन रेड्डी, जिन्हें महाभारत में युधिष्ठिर की तरह होना चाहिए था, अब धृतराष्ट्र की तरह व्यवहार कर रहे हैं। इससे मुझे बहुत दुख होता है। राजगोपाल रेड्डी ने मंच पर भोंगिर सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी और कुछ अन्य विधायकों की मौजूदगी में कहा, हाईकमान मुझे मंत्री पद देने के लिए तैयार है। मेरे पास क्षमता है और मैं योग्य हूं। अगर दो

भाई कैबिनेट में मंत्री हैं तो इसमें क्या बुराई है।गौरतलब है कि जन रेड्डी ने हाल ही में पार्टी हाईकमान को एक पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि कैबिनेट विस्तार के दौरान हैदराबाद और रंगारेड्डी के विधायकों की सेवाओं पर विचार किया जाना चाहिए। जाहिर तौर पर यह बात मुनुगोड़े विधायक को पसंद नहीं आई। लोकसभा चुनाव के दौरान मंत्रियों को अलग-अलग संसदीय क्षेत्रों का प्रभारी बनाया गया था, लेकिन भोंगीर निर्वाचन क्षेत्र के लिए पार्टी हाईकमान ने मुझे प्रभारी नियुक्त किया था। यह मुझ पर पार्टी के विश्वास को दर्शाता है, उन्होंने यह भी पूछा कि क्या कांग्रेस के उम्मीदवार महबूबनगर, मलकाजगिरी, आदिलाबाद, सिकंदराबाद, मेडक और करीमनगर निर्वाचन क्षेत्रों से जीते हैं। प्रभारी मंत्री कहाँ गायब हो गए? उन्होंने पूछा। राजगोपाल रेड्डी ने पूछा, 30 साल तक मंत्री रहे जना रेड्डी अचानक हैदराबाद और रंगारेड्डी के नेताओं के प्रति अपना लगाव क्यों दिखा रहे हैं? उन्होंने कहा कि वह कैबिनेट में जगह पाने के लिए किसी नेता की दया पर निर्भर नहीं हैं।

आंध्र प्रदेश में पटाखा बनाने वाली यूनिट में विस्फोट से आठ श्रमिकों की मौत, छह घायल

अनकापल्ली (आंध्र प्रदेश), 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश में अनकापल्ली जिले के कैलासपट्टनम गांव में रविवार को एक पटाखा बनाने वाली यूनिट में विस्फोट से आठ श्रमिकों की मौत हो गयी और छह अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना उस समय हुई जब श्रमिक पटाखे बना रहे थे। इसी दौरान विस्फोटक पदार्थ में गलती से विस्फोट हो गया। मृतकों की पहचान अप्पिकोंडा ताताबाई (50), संगराती गोविंद (45), दादी रामलक्ष्मी (38), देवरा निर्मला (36), पुरम पापा (40), गुम्पिना वेणुबाबू (40), शेनपल्ली बाबू राव (56) और चादलवाड़ा मनोहर (37) के रूप में हुई है। घायलों को नरसीपट्टनम के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीन की हालत बहुत गंभीर बताई गई है।सुरक्षित बचे श्रमिकों ने मीडिया को बताया कि शादी-ब्याह का मौसम शुरू होने के कारण पटाखा बनाने वाली

यूनिट को भारी ऑर्डर मिले थे। प्रबंधन ने पटाखे बनाने के लिए भारी मात्रा में विस्फोटक कच्चा माल स्टॉक किया था, जो श्रमिकों द्वारा पटाखे बनाते समय दुर्घटनावश फट गया।

अनकापल्ली जिला कलेक्टर विजया कृष्णन ने अस्पताल में घायलों से मुलाकात की और डॉक्टरों से उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों को गंभीर रूप से घायल श्रमिकों को बेहतर इलाज के लिए विशाखापत्तनम के जीजीएच में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर ने घटना में श्रमिकों की मौत पर दुख और पीड़ा व्यक्त की है। उन्होंने जिला प्रशासन को घायल व्यक्तियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने जिला पुलिस अधीक्षक से बात की और विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कई घायलों की गंभीर हालत पर चिंता जतायी।

इस बीच गृह मंत्री वी अनीता घटनास्थल पर पहुंचीं और मृत लोगों के शोक संतप्त परिवारों को 15 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। गृह मंत्री ने कोटौरातला गांव में पटाखा बनाने वाली यूनिट का दौरा किया।

मोदी ने पटाखा फैक्ट्री हादसे में आठ लोगों की मौत पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में पटाखा बनाने वाली यूनिट में विस्फोट से आठ लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

श्री मोदी ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, अनकापल्ली जिले में फैक्ट्री हादसे में लोगों की मौत से गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।

अनकापल्ली जिले के कैलासपट्टनम गांव में रविवार को एक पटाखा बनाने वाली यूनिट में विस्फोट से आठ श्रमिकों की मौत हो गयी और छह अन्य घायल हो गये।

राज्यपाल ने जय भीम पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने रविवार को भारत रत्न डॉ. बी आर अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर राजभवन से 'जय भीम पदयात्रा' को हरी झंडी दिखाई।

पदयात्रा का आयोजन युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों की राजधानियों में राष्ट्रव्यापी 'जय भीम पदयात्रा' आयोजित करने के निर्देश के अनुरूप किया गया।

तेलंगाना में, इस कार्यक्रम में एनसीसी कैडेटों, स्काउट्स और गाइड्स और राजभवन के कर्मचारियों की उत्साही भागीदारी देखी गई, जो भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार और सामाजिक न्याय के एक दिग्गज को श्रद्धांजलि देने के लिए एक साथ आए थे। मार्च नेकलेस रोड पर डॉ बी आर अंबेडकर की प्रतिमा पर समाप्त हुआ। मार्च से पहले, राज्यपाल ने राजभवन में डॉ अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की, उनकी स्थायी विरासत और हाशिए के लोगों की समानता और सशक्तिकरण के लिए अटूट प्रतिबद्धता का सम्मान किया। सभा को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने युवाओं से डॉ अंबेडकर के आदर्शों का पालन करने और अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिए उनके दूरदर्शी नेतृत्व से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर, एनसीसी के उप महानिदेशक कर्नल समीर शर्मा, आईएएस (सेवानिवृत्त), भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राज्य सचिव वेणु कुमार और राजभवन के अन्य अधिकारी शामिल हुए।

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के खिलाफ हजारों लोगों ने रैली निकाली, इसे असंवैधानिक बताया

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार 13 अप्रैल को हजारों लोग हैदराबाद की सड़कों पर उतरे और वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने इसे असंवैधानिक और मुस्लिम समुदाय के प्रति भेदभावपूर्ण बताया।पार्टी लाइन से हटकर सभी वर्गों के लोग निजाम कॉलेज मैदान पहुंचे, जहां से रैली शुरू हुई और टैंक बंड में डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा पर

समाप्त हुई।

राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए प्रदर्शनकारियों ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए और उन पर नए पारित वक्फ अधिनियम के माध्यम से मुस्लिम समुदायों और उनकी वक्फ संपत्तियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।बैठक में शामिल होने वालों में सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद, टीएमआरईआईएस के अध्यक्ष फहीम कुरैशी, अल्पसंख्यक मामलों पर सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर और अन्य शामिल हैं। इसके अलावा, कई सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र संघ के नेता और प्रमुख सोशल मीडिया प्रभावित लोग विरोध कार्यक्रम में शामिल हुए।प्रदर्शन में महिलाओं के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्र संघ नेताओं की भी महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिन्होंने अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए बड़ी संख्या में भाग लिया। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने मार्ग पर कड़ी सुरक्षा तैनात की। सावधानियों के बावजूद, बड़ी संख्या में लोगों के आने के कारण शहर के कई केंद्रीय हिस्सों में यातायात जाम की सूचना मिली।

सीएम ने उपयोगकर्ता-अनुकूल और सुरक्षित भूभारती वेबसाइट के विकास का आदेश दिया

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को एक अत्याधुनिक और आसानी से समझ में आने वाली 'भूभारती' वेबसाइट विकसित करने का निर्देश दिया है, जो अगले 100 वर्षों तक जनता की कुशलतापूर्वक सेवा कर सके। सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि मजबूत फायरवॉल लगाए जाएं और पोर्टल के रखरखाव का काम किसी

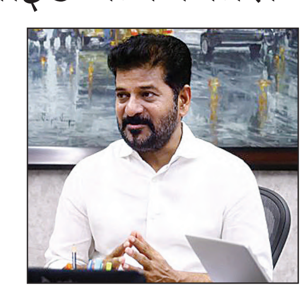

विश्वसनीय संगठन को सौंपा जाए।मुख्यमंत्री ने जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें भूभारती पोर्टल के डिजाइन और कार्यक्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि वेबसाइट सरल और पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि आम किसान भी इसे आसानी से एक्सेस और समझ सकें। उम्मीद है कि पोर्टल भूमि संबंधी मुद्दों के त्वरित समाधान की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे यह राज्य की भूमि प्रशासन प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन जाएगा।

असदुद्दीन ओवैसी ने दारुस्सलाम में वक्फ अधिनियम के खिलाफ एआईएमपीएलबी की सार्वजनिक बैठक की घोषणा की

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने खुलासा किया है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएम पीएलबी) वक्फ संशोधन अधिनियम का विरोध करने के लिए दारुस्सलाम में एक सार्वजनिक बैठक आयोजित करेगा। यह 19 अप्रैल को शाम 7 बजे से 10 बजे तक आयोजित की जाएगी।उन्होंने कहा कि एआईएमपीएलबी की तेलंगाना और आंध्र प्रदेश इकाइयों के

साथ-साथ अन्य मुस्लिम संगठनों के सदस्य भी इसमें भाग लेंगे।केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत वक्फ संशोधन अधिनियम ने मुस्लिम समुदाय में व्यापक विरोध पैदा कर दिया है।असदुद्दीन ओवैसी ने इस बात पर जोर दिया कि इस कानून को असंवैधानिक और मुस्लिम विरोधी माना जाता है।पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा पर उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमने हिंसा की निंदा की है और इसकी निंदा करेंगे। हिंसा निंदनीय है, विरोध शांतिपूर्ण होना चाहिए।एआईएमपीएलबी का उद्देश्य जनमत को संगठित करना और संशोधन को तत्काल वापस लेने की मांग करना है।असदुद्दीन ओवैसी ने खुलासा किया कि 19 अप्रैल को दारुस्सलाम में होने वाली बैठक में संसदीय वक्फ समिति के सदस्यों को शामिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।एआईएमपीएलबी को उम्मीद है कि बड़े पैमाने पर होने वाले इस सम्मेलन के माध्यम से वक्फ अधिनियम के खिलाफ विरोध को मजबूत किया जा सकेगा।

वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच, दारुस्सलाम में एआईएमपीएलबी की सार्वजनिक बैठक एक महत्वपूर्ण घटना होने जा रही है।

मुख्यमंत्री की छेड़छाड़ वाली सामग्री फेसबुक पर सामने आने के बाद मामला दर्ज

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने फेसबुक पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की छेड़छाड़ की गई तस्वीरों और वीडियो के प्रसार को लेकर मामला दर्ज किया है।तेलंगाना मछुआरा सहकारी समिति संघ (टीजीएफसीअ-ेएफ) के अध्यक्ष मेट्टू साई कुमार ने साइबर अपराध पुलिस स्टेशन मुख्यालय में शिकायत दर्ज कराई।रिपोर्ट के अनुसार, याचिका 3 अप्रैल को प्रस्तुत की गई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को निशाना बनाते हुए छेड़छाड़ की गई सामग्री को फेसबुक प्रोफाइल के माध्यम से साझा किया गया था,

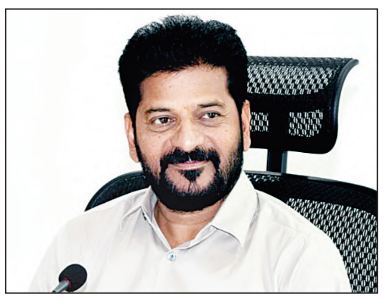

जिसमें सामग्री का यूआरएल भी शामिल था।उन्होंने आगे संदेह व्यक्त किया कि इन पोस्टों के निर्माण और वितरण के पीछे भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी के सदस्य थे।शिकायतकर्ता ने छेड़छाड़ की गई तस्वीरों और वीडियो को तत्काल हटाने, मामले की गहन जांच और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए निवारक उपाय करने की मांग की।शिकायत के आधार पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2008 की धारा 67 के साथ-साथ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 336(4), 353(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है।टीजीसीएसबी ने हेरफेर की गई सामग्री के स्रोत का पता लगाने और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर इसके वितरण पर नज़र रखने के लिए जांच शुरू कर दी है।

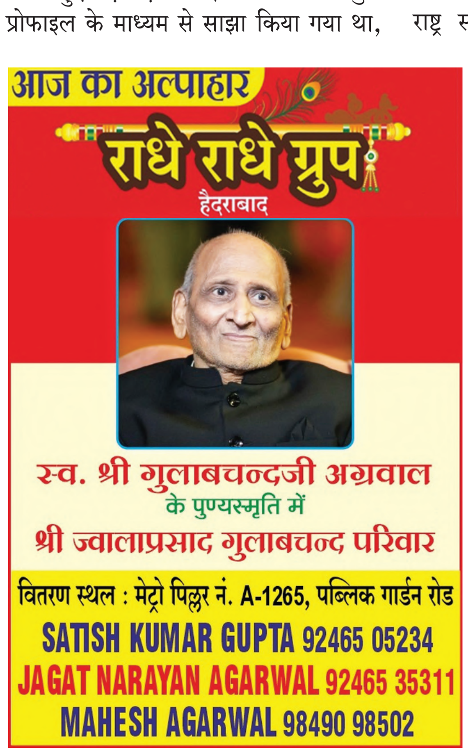

सिख समुदाय के सदस्यों ने 326वां खालसा पंथ स्थापना दिवस मनाया

हैदराबाद, 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सिख समुदाय के सदस्यों ने रविवार को गुरुद्वारा साहब अमीरपेट में 326वां खालसा पंथ स्थापना दिवस (वैसाखी) हर्षोल्लास और भक्ति के साथ मनाया। प्रबंधक समिति गुरुद्वारा साहब, अमीरपेट द्वारा आयोजित खालसा पंथ स्थापना दिवस में गुरुबाणी कीर्तन का पाठ, रागी जत्थों द्वारा प्रवचन, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को पालकी पर ले जाना, विशाल रंगारंग नगर कीर्तन, गतका कौशल का मनमोहक प्रदर्शन और गुरु का लंगर का आयोजन किया गया, एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया। शाम तक जारी विशाल दीवान में हजारों सिख श्रद्धालुओं और अन्य समुदाय के धर्मावलंबियों ने भाग लिया। गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम अमीरपेट में सोमवार को रात 9 बजे से 1.30 बजे के बीच एक विशेष वैसाखी राण कीर्तन दरबार (रात्रि समागम) का आयोजन किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.